शुभ लाभ DAILY

खबरें जो सोच बदल दे

हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

देश की प्रगति में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण: विजयेंद्र @ नम्मा बेंगलूरु

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2023-25 । रविवार, 09 मार्च, 2025 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । website : https://www.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 14 । मूल्य-6 रु.। वर्ष-7 । अंक-67

जबरन धर्मांतरण निषेध कानून के विरोध में ईसाई और मुसलमान

जनहित कानून का विरोध..! विचित्र किंतु सत्य...

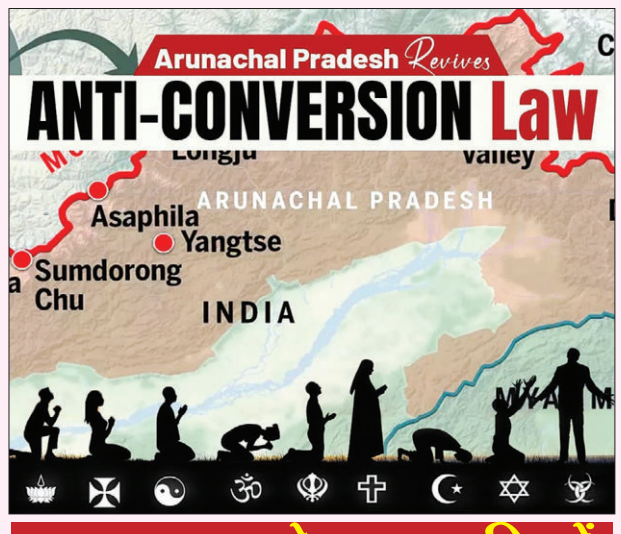

अरुणाचल के मूल वासियों का कानून को समर्थन

ईटानगर, 08 मार्च (एजेंसियां)। विचित्र किंतु सत्य... अरुणाचल प्रदेश के ईसाई और मुसलमान जबरन धर्मांतरण रोकने वाले कानून का विरोध कर रहे हैं। इस विरोध से पूरी तरह स्पष्ट है कि पूर्वोत्तर समेत देश के अन्य हिस्सों में ईसाई और मुसलमान जबरन धर्मांतरण कराने की अधर्मी गतिविधियों में लगे हैं। विडंबना यह है कि यह कानून 1978 में ही आया था, लेकिन उसे अब तक लागू नहीं किया गया। 47 साल बाद इस कानून को लागू करने की पहल हो रही है तो इसका विरोध किया जा रहा है। विरोध में ईसाई प्रचारक समूह बढ़-चढ़ कर हिस्सा ले रहे हैं।

गुरुवार 6 मार्च को ईसाई प्रचारक समूहों ने पूर्वोत्तर राज्य में अरुणाचल प्रदेश धर्म स्वतंत्रता अधिनियम (एपीएफआरए) के कार्यान्वयन के विरुद्ध प्रदर्शन किया। अरुणाचल प्रदेश में मूल वाशिंदों को हिंसक और धोखेबाज धर्मांतरण से बचाने के लिए जो कानून बनाया गया उसका ईसाई प्रचारक समूह और मुसलमान विरोध कर रहे हैं। ईटानगर में विरोध प्रदर्शन अरुणाचल क्रिश्चियन फोरम (एसीएफ) के तत्वावधान में हुआ।

एसीएफ के अध्यक्ष तारह मिरी ने बड़े गर्वोन्नत भाव से कहा कि अरुणाचल प्रदेश धर्म स्वतंत्रता अधिनियम (एपीएफआरए) को निरस्त करने की मांग को लेकर दो लाख से अधिक ईसाइयों ने प्रदर्शन में हिस्सा लिया। 1978 का यह कानून लगभग इतने वर्षों से निष्क्रिय पड़ा हुआ है। तारह मिरी ने अपने समर्थकों को गुमराह करते हुए कहा, हम एपीएफआरए के कार्यान्वयन के खिलाफ हैं क्योंकि यह ईसाइयों को लक्षित करता है और यह कानून हमारी धार्मिक स्वतंत्रता को कम करेगा। इससे पहले इस साल 17 फरवरी को एसीएफ ने 8 घंटे की भूख हड़ताल की थी। प्रदर्शनकारियों ने तख्तियां ले रखी थीं जिन पर लिखा था, हम एपीएफआरए को निरस्त करने की मांग करते हैं, हमें एक-दूसरे के खिलाफ न करें, और एपीएफआरए को लागू करने में कोई सम्मान नहीं है। 21 फरवरी को एसीएफ के सदस्यों ने राज्य के गृह मंत्री मामा नटुंग से मुलाकात भी की थी।

अरुणाचल प्रदेश धर्म स्वतंत्रता अधिनियम अक्टूबर 1978 में अस्तित्व में आया था, जिसका उद्देश्य बल या प्रलोभन या धोखाधड़ी के माध्यम से एक धार्मिक विश्वास से दूसरे धार्मिक विश्वास में धर्मांतरण पर रोक लगाना और उससे जुड़े मामलों के लिए प्रावधान करना था। इस कानून को भारत के राष्ट्रपति की स्वीकृति मिली थी, जिसका उद्देश्य स्वदेशी धर्मों, विश्वासों और प्रथाओं की रक्षा करना था। इसने बौद्ध धर्म (मोनपा, मेम्बा, शेरदुकपेन, खंबा, खम्पति और सिंगफोस द्वारा प्रचलित), वैष्णववाद ▶10पर

मध्य प्रदेश में धर्मांतरण कराने वालों को होगी फांसी

भोपाल, 08 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने राज्य में जबरन या प्रलोभन देकर धर्मांतरण कराने वालों को सख्त चेतावनी दी है। उन्होंने साफ कहा है कि राज्य में धर्मांतरण कराने वालों को फांसी की सजा दी जाएगी। मुख्यमंत्री मोहन यादव ने कहा, धर्मांतरण और दुराचरण किसी भी तरह की व्यवस्था के खिलाफ सरकार ने संकल्प लिया है कि हम अपने समाज के अंदर इन कुरीतियों को बढ़ावा नहीं देंगे। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि जो लोग मासूम बेटियों के साथ दुराचार करते हैं, उन्हें बख्शा नहीं जाएगा। वह बोले, हमारी सरकार जोर जबरदस्ती और बहला फुसलाकर दुराचार करने वालों को छोड़ने वाली नहीं है। हम किसी भी हालत में ऐसे लोगों को जिंदगी जीने का अधिकार नहीं देना चाहते हैं।

महिला दिवस पर लखपति दीदियों से बोले प्रधानमंत्री मोदी

मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं

मुझे करोड़ों माताओं और बहनों का आशीर्वाद प्राप्त है : मोदी

नवसारी, 08 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को गुजरात के नवसारी स्थित वानसी-बोरसी में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर लखपति दीदियों से कहा, आज हम सभी के लिए महिलाओं से प्रेरणा लेने, उनसे सीखने का दिन है। मैं आप सभी का अभिनंदन करता हूं और धन्यवाद करता हूं। आज मैं गर्व से कह सकता हूं कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं। मेरे जीवन के खाते में करोड़ों माताओं, बहनों, बेटियों का आशीर्वाद है और यह लगातार बढ़ रहा है और इसलिए मैं कहता हूं कि मैं दुनिया का सबसे धनवान व्यक्ति हूं। कार्यक्रम में पीएम मोदी ने 10 चयनित लखपति दीदियों से बातचीत की और उनमें से पांच को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया। इस दौरान उनके साथ गुजरात के मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल और केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल भी मौजूद थे। प्रधानमंत्री मोदी ने 25,000 स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) की 2.5 लाख से अधिक महिलाओं को 450 करोड़ रुपए की वित्तीय सहायता वितरित की। लखपति दीदियों से संवाद के बाद पीएम मोदी ने रोड शो भी किया।

प्रधानमंत्री ने कहा, शास्त्रों में नारी को नारायणी कहा गया है। नारी का सम्मान समाज और देश के विकास की पहली सीढ़ी है। इसलिए भारत को विकसित देश बनाने के लिए, भारत के तेज़ विकास के लिए, आज भारत महिला-नेतृत्व वाले विकास के रास्ते पर चल पड़ा है। हमारी सरकार महिलाओं के जीवन में सम्मान और सुविधा दोनों को सर्वोच्च प्राथमिकता देती है। पीएम मोदी ने कहा, नारी शक्ति वंदन अधिनियम के बारे में सबसे गर्व की बात यह है कि एक ▶10पर

2.5 लाख महिलाओं को मिली 450 करोड़ की आर्थिक मदद

गुजरात में पार्टी नेताओं-कार्यकर्ताओं से बोल आए राहुल गांधी

जनता की इज्जत नहीं करते भाजपा से मिले हुए हैं

कांग्रेस में कई बब्बर शेर हैं, पर चेन से बंधे हुए हैं

कांग्रेस में कुछ घोड़े रेस के और कुछ बारात के हैं

अहमदाबाद, 08 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने कांग्रेस पार्टी की दुर्दशा के लिए खुद को नहीं बल्कि पार्टी के नेताओं और कार्यकर्ताओं को जिम्मेदार ठहराया है। राहुल गांधी ने कहा, कांग्रेस में कई तरह का विभाजन है। एक गुट जनता की इज्जत करता है तो कांग्रेस का दूसरा गुट जनता की इज्जत नहीं करता है। कांग्रेस का एक गुट भाजपा के साथ मिला हुआ है। राहुल गांधी ने ऐसे लोगों को कांग्रेस पार्टी से निकाल बाहर करने की बात कही।

राहुल गांधी ने आज अहमदाबाद में पार्टी कार्यकर्ताओं और स्थानीय निकाय चुनाव की तैयारियों लगे पार्टी पदाधिकारियों को संबोधित किया। राहुल ने ऐसी कई टिप्पणियां कीं जो पार्टी के लिए काफी चौंकाने वाली थीं। पार्टी के नेताओं को यह समझ में ही नहीं आया कि राहुल गांधी खुद को आईना दिखा रहे हैं या पार्टी के नेताओं को। राहुल गांधी ने कहा कि अगर कांग्रेस पार्टी को 20-30 लोगों को निकालना भी पड़े तो इसमें किसी तरह की हिचकिचाहट नहीं होनी चाहिए। कांग्रेस सांसद राहुल ने यह भी कहा कि कांग्रेस पार्टी में कई बब्बर शेर हैं। लेकिन वे चेन से बंधे हुए हैं। कांग्रेस के बब्बर शेर कैसे और किन लोगों द्वारा बंधे हुए हैं, इसके बारे में राहुल गांधी ने कुछ भी स्पष्ट नहीं कहा। फिर राहुल ने कांग्रेस कार्यकर्ताओं को घोड़ा भी कहा। राहुल ने कहा, दो तरीके के घोड़े होते हैं, एक होता है रेस का और दूसरा होता है बारात का। कांग्रेस पार्टी बारात के घोड़े को रेस में और रेस के घोड़े को बारात में डाल देती है। अब गुजरात की जनता भी यह देख रही है कि रेस में बारात के घोड़े डाले हुए हैं। फिर राहुल ने कहा, मैं यहां कांग्रेस पार्टी के लिए नहीं आया हूं। गुजरात प्रदेश कांग्रेस को आड़े हाथों लेते हुए राहुल ने कहा, ▶10पर

भारत-रूस में टी-72 टैंकों के इंजन के लिए हुई डील

मेक इन इंडिया के तहत तकनीक ट्रांसफर करेगा रूस

नई दिल्ली, 08 मार्च (एजेंसियां)। भारत सरकार लगातार खुद को सामरिक तौर पर मजबूत कर रही है। मिसाइलों से लेकर तोपों और टैंकों तक को तेजी से सेना में शामिल किया जा रहा है। इसी क्रम में भारतीय रक्षा मंत्रालय ने रूसी कंपनी रोसोबोरो-नएक्सपोर्ट के साथ टी-72 टैंकों के लिए 1000 एचपी के ताकतवर इंजन की खरीद के लिए डील की। इस समझौते के तहत मेक इन इंडिया पहल को बढ़ावा देने के लिए समझौता किया गया है।

मेक इन इंडिया पहल के तहत टीओटी के अंतर्गत इंजनों का एकीकरण और लाइसेंस प्राप्त उत्पादन के लिए रूसी रोसोबोरोनएक्सपोर्ट चेन्नई के अवाडी स्थित आर्मर्ड व्हीकल्स निगम लिमिटेड को टेक्नोलॉजी का ट्रांसफर भी करेगा। दरअसल, टी-72 टैंक भारत का बहुत ही भरोसेमंद साथी है, लेकिन मौजूदा वक्त में इसमें केवल 780 एचपी का इंजन लगाया गया है, जिसे भारतीय सेना 1000 एचपी तक ले जाना चाहती है। इस डील के जरिए इन टैंकों को अपग्रेड करने की योजना है। ▶10पर

वानुआतु के नागरिक बने फरार ललित मोदी

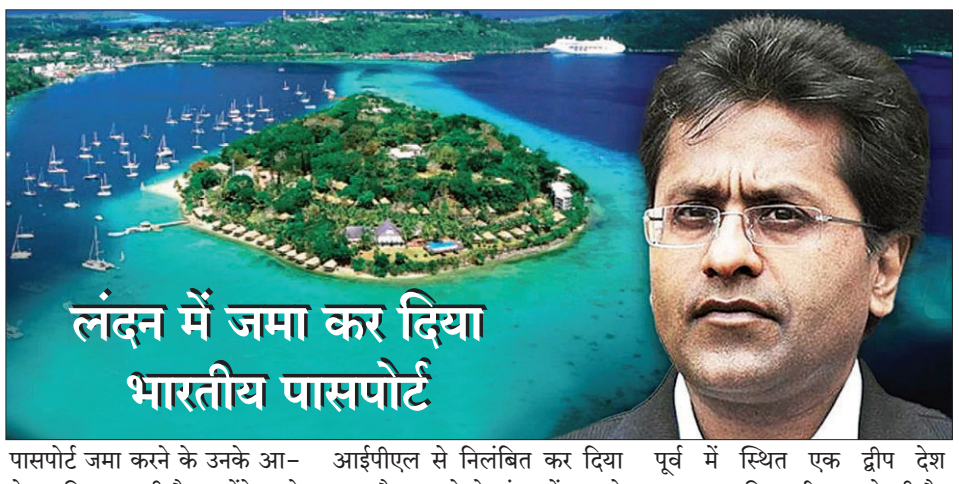

लंदन, 08 मार्च (एजेंसियां)। पूर्व इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) कमिश्नर और हाई प्रोफाइल लीग के संस्थापक ललित मोदी ने लंदन में भारतीय उच्चायोग में अपना भारतीय पासपोर्ट सरेंडर करने के लिए आवेदन किया है। ललित मोदी ने जाहिर तौर पर दक्षिण प्रशांत महासागर के एक द्वीप वानुआतु की नागरिकता हासिल कर ली है। वानुआतु की गोल्डन पासपोर्ट स्कीम के तहत अब ललित मोदी 120 देशों में वीजा फ्री यात्रा कर सकते हैं। यह नागरिकता उन्हें टैक्स से भी राहत देती है।

भारतीय विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने पुष्टि की कि भारतीय मंत्रालय को लंदन में भारतीय उच्चायोग में अपना पासपोर्ट जमा करने के उनके आवेदन की जानकारी है। उन्होंने आगे कहा कि भारत सरकार भारतीय कानून के अनुसार उनके खिलाफ सभी मामलों को आगे बढ़ाना जारी रखेगी। उल्लेखनीय है कि ललित मोदी को 2010 में बीसीसीआई ने आईपीएल से निलंबित कर दिया था और तब से वे लंदन में रह रहे थे। उन पर आईपीएल की गवर्निंग बॉडी से सैकड़ों करोड़ रुपए की धोखाधड़ी करने का आरोप है। अब उन्होंने स्पष्ट रूप से प्रशांत महासागर में ऑस्ट्रेलिया के उत्तर-पूर्व में स्थित एक द्वीप देश वानुआतु की नागरिकता ले ली है।

वानुआतु की आबादी तीन लाख की है, और यहां गोल्डन पासपोर्ट स्कीम चलता है, जिससे अमीर लोग पैसे देकर आसानी से नागरिकता हासिल कर सकते हैं। यहां की नागरिकता इसकी कीमत 1.3 करोड़ रुपए है। दिलचस्प बात यह है कि इसमें ज्यादा डाक्यूमेंटेशन भी नहीं है, और इसे ऑनलाइन ही सबमिट किया जा सकता है। इस प्रोसेस में एक महीने से भी कम का समय लगता है, और देश में कदम रखने से पहले ही सब कुछ हो जाता है।

वानुआतु की नागरिकता लेने में एक बड़ा फायदा ये होता है कि इस देश के पासपोर्ट के साथ 120 देशों में वीजा फ्री एंट्री मिलती है, जिसमें ब्रिटेन और यूरोपीय देश भी शामिल हैं। एक और दिलचस्प बात यह है कि वानुआतु एक टैक्स हेवन है, जहां न तो इनकम टैक्स, संपत्ति टैक्स या किसी तरह का कारपोरेट टैक्स लगता है। पिछले दो साल में 30 अमीर भारतीयों ने ▶10पर

सर्राफ़ा बाज़ार

(24 कैरेट गोल्ड)

सोना : 88,700/- (प्रति 10 ग्राम)

चाँदी : 99,300/- (प्रति किलोग्राम)

मौसम बेंगलूरु

अधिकतम : 36^0

न्यूनतम : 22^0

यूट्यूब ने हटाए भारत के 30 लाख वीडियो

दुनियाभर के 95 लाख वीडियो डिलीट किए गए

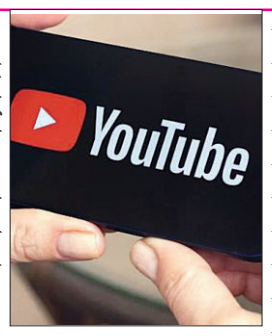

नई दिल्ली, 08 मार्च (एजेंसियां)। यूट्यूब ने अपनी सख्त कंटेंट नीतियों के तहत कार्रवाई करते हुए अक्टूबर से दिसंबर 2024 के बीच लगभग 9.5 मिलियन (95 लाख) वीडियो अपने प्लेटफॉर्म से हटा दिए। इन हटाए गए वीडियो में भारत का सबसे बड़ा योगदान रहा, जहां से लगभग 3 मिलियन (30 लाख) वीडियो डिलीट किए गए।

यूट्यूब द्वारा हटाए गए वीडियो में सबसे बड़ी संख्या बच्चों की सुरक्षा से जुड़े उल्लंघनों की थी। आंकड़ों के अनुसार, 5 मिलियन (50 लाख) से अधिक वीडियो ऐसे थे जो बच्चों के लिए हानिकारक माने गए। इसके अलावा, अन्य प्रमुख कारण जिनकी वजह से वीडियो हटाए गए, उनमें हानिकारक या खतरनाक कंटेंट, उत्पीड़न, हिंसक सामग्री, स्पैम और भ्रामक जानकारी, फर्जी चैनलों और कमेंट्स को हटाना शामिल हैं। यूट्यूब ने केवल वीडियो ही नहीं, बल्कि 4.8 मिलियन (48 लाख) चैनल भी डिलीट किए। इनमें ज्यादातर चैनल स्पैम और धोखाधड़ी फैलाने के लिए बनाए गए थे। जब किसी चैनल को हटाया जाता है, तो उसके सभी वीडियो भी प्लेटफॉर्म से गायब हो जाते हैं। इस बड़े पैमाने पर की गई कार्रवाई के तहत 54 मिलियन (5.4 करोड़) से अधिक वीडियो यूट्यूब से हटा दिए गए। यूट्यूब ने अपने प्लेटफॉर्म से 1.2 बिलियन (120 करोड़) कमेंट्स हटाए, जिनमें से ज्यादातर स्पैम थे। कुछ कमेंट्स उत्पीड़न, हेट स्पीच (घृणास्पद भाषा) या धमकियों के कारण डिलीट किए गए।

महिला समृद्धि योजना को दिल्ली कैबिनेट की मंजूरी

हर महीने महिलाओं को मिलेंगे 2500 रुपए

नई दिल्ली, 08 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली कैबिनेट ने महिला दिवस पर महिला समृद्धि योजना के लिए 5100 करोड़ रुपए का आवंटन मंजूर किया है। जिसके तहत महिलाओं को प्रति माह 2500 रुपए मिलेंगे। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा ने इसका ऐलान किया। नड्डा ने कहा कि दिल्ली में यदि महिलाओं का साथ नहीं मिलता तो दिल्ली में जीत संभव नहीं हो सकती है। भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा, जिस घर में नारी का सम्मान नहीं है, वह घर आगे नहीं बढ़ सकता। जिस देश में नारी का सम्मान नहीं, वह देश आगे नहीं बढ़ सकता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इस बात को समझा और महिलाओं को हर क्षेत्र में आगे बढ़ाने का काम किया। जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में संबोधन के दौरान केंद्रीय मंत्री और भाजपा के अध्यक्ष जेपी नड्डा ने कहा कि आज हमारी सरकार का फोकस नारी नेतृत्व के विकास पर है। प्रधानमंत्री मोदी नारी सशक्तिकरण के ध्येय साथ देश को आगे बढ़ा रहे हैं। नरेंद्र मोदी ने कहा कि जब नारी शक्ति का विकास होता है, तो दुनिया का विकास होता है। इसलिए नारी शक्ति को भारतीय जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी ने हमेशा मूलरूप में मानकर आगे चला है। नड्डा ने कहा कि दिल्ली में यदि महिला का साथ न मिलता तो दिल्ली में जीत संभव नहीं हो सकता है। महिला दिवस पर महिला सशक्ति को नमन करता हूं और दिल्ली की महिलाओं को नमन करते हुए धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने दिल्ली में भाजपा की सरकार बनाने में बहुत बड़ा योगदान किया है। ये जीत महिलाओं के आशीर्वाद और सहयोग से ही संभव हो पाया है। ▶10पर

कार्टून कॉर्नर

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

दक्षिण पश्चिम रेलवे ने नए महाप्रबंधक मुकुल सरन माथुर का किया स्वागत

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

दक्षिण पश्चिम रेलवे ने मुकुल सरन माथुर का गर्मजोशी से स्वागत किया, जिन्होंने 1 मार्च 2025 को दपरे के महाप्रबंधक के रूप में कार्यभार संभाला था। माथुर को शनिवार को हुब्बल्ली के गदग रोड स्थित रेल सौधा में आरपीएफ गार्ड ऑफ ऑनर के साथ उनके कार्यकाल की शुरुआत के रूप में स्वागत किया गया। आगमन पर, मुकुल सरन माथुर ने रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) दस्ते को समर्पित आठ नई मोटरसाइकिलों और तीन बोलेरो कारों को हरी झंडी दिखाई, जिससे दपरे की अपने नेटवर्क में सुरक्षा और सतर्कता को मजबूत करने की प्रतिबद्धता को बल मिला। स्वागत समारोह के बाद, माथुर ने सभी प्रमुख विभागाध्यक्षों (पीएचओडी), मंडल रेल प्रबंधकों (डीआरएम) और दक्षिण पश्चिम रेलवे के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। बैठक के दौरान महाप्रबंधक ने जोन के लिए अपनी प्राथमिकताओं को रेखांकित किया, जिसमें विभिन्न क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित किया गया। जिसमें सुरक्षा उपाय के तहत उच्चतम सुरक्षा मानकों को सुनिश्चित करना और महत्वपूर्ण क्षेत्रों में कवच का त्वरित कार्यान्वयन, यात्री सुविधा और सुख-सुविधाओं के तहत डिजिटल समाधानों और बेहतर सुविधाओं के माध्यम से यात्री अनुभव को बढ़ाना। माल लदान और आय के तहत राजस्व को अधिकतम करने और रसद दक्षता में सुधार करने के लिए माल ढुलाई संचालन को मजबूत करना। बुनियादी ढांचे के विकास के तहत नई रेलवे लाइन, दोहरीकरण और विद्युतीकरण सहित प्रमुख रेलवे बुनियादी ढांचा परियोजनाओं में तेजी लाना और ट्रेन कनेक्टिविटी और गति उन्नयन के तहत यात्रियों को लाभ पहुंचाने के लिए ट्रेन सेव-ाओं में सुधार, कनेक्टिविटी बढ़ाना और ट्रेन की गति बढ़ाना आदि शामिल है।

जेबीएन डिजिटल रेफरल ग्रुप मीट ने हासिल की उल्लेखनीय सफलता

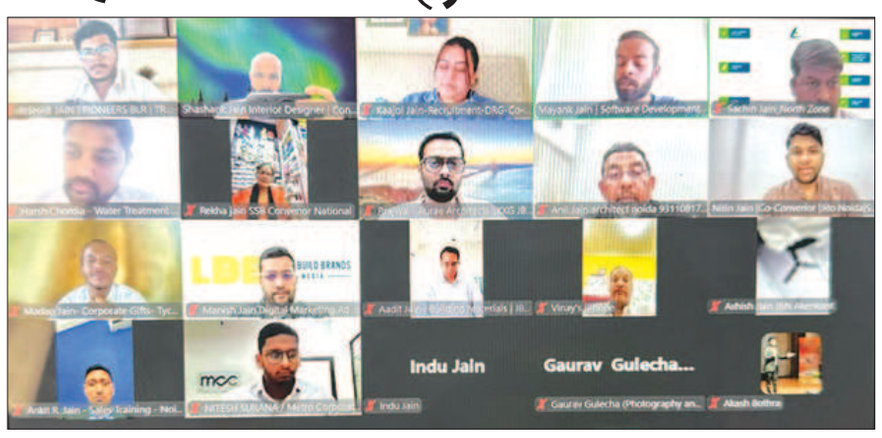

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

जीतो बेंगलूरु नॉर्थ, जीतो बेंगलूरु साउथ और जीतो नोएडा द्वारा आयोजित पहले डिजिटल रेफरल ग्रुप इंटरचैप्टर वर्चुअल मीट ने शानदार सफलता हासिल की।

जूम मीट के माध्यम से आयोजित इस बैठक में जेबीएन बेंगलूरु नॉर्थ व जेबीएन बेंगलूरु साउथ और जेबीएन नोएडा चैप्टर के 40 से अधिक सदस्यों ने भाग लिया। सत्र की शुरुआत नवकार मंत्र से हुई। इसके बाद प्रत्येक सदस्य ने 30 सेकेंड का परिचय दिया। प्रतिभागियों को पांच सदस्यों के साथ ब्रेकआउट रूम में विभाजित किया गया, ताकि वे व्यावसायिक अवसरों और संबंधों पर विस्तार से चर्चा कर सकें।

ब्रेकआउट सत्र के बाद, समूह समापन टिप्पणियों को साझा करने के लिए फिर से एकत्रित हुआ। बैठक के माध्यम से, जीतो जेबीएन ने उत्तर और दक्षिण भारत में विभिन्न सहयोगों और व्यावसायिक अवसरों की खोज की सुविधा प्रदान की। इस कार्यक्रम में दोनों चैप्टर के संयोजक व सह-संयोजक और क्षेत्रीय संयोजकों ने भाग लिया। मदन जैन, जेबीएन संयोजक जीतो बेंगलूरु नॉर्थ और विजय मेहता, जेबीएन संयोजक जीतो बेंगलूरु साउथ ने कहा हम अपने पहले डिजिटल रेफरल ग्रुप मीट की सफलता से बहुत खुश हैं। हम और अधिक सत्र आयोजित करने की प्रतीक्षा कर रहे हैं, जिससे हमारे सदस्यों को विकास और सहयोग के मूल्यवान अवसर प्रदान किए जा सकें। यह पहल जीतो की व्यावसायिक संबंधों को बढ़ावा देने और अपने सदस्यों के बीच उद्यमिता को बढ़ावा देने के प्रति प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

महिला सशक्तिकरण के संदेश के साथ मातृछाया ने मनाया महिला दिवस

समाज और देश की प्रगति महिलाओं की शिक्षा आर्थिक स्वतंत्रता पर निर्भर: ललिता नागोरी

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अक्कीपेट स्थित आईसैक न्यूटन इंग्लिश हाई स्कूल में मातृछाया जैन महिला संगठन की सदस्याओं ने अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए, जिसमें लगभग 250 छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। अध्यक्ष ललिता नागोरी ने महिला दिवस की बधाई देते हुए कहा कि किसी भी समाज और देश की प्रगति महिलाओं की शिक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक अधिकारों पर निर्भर करती है। जब एक महिला शिक्षित और आत्मनिर्भर होती है, तो वह केवल अपने परिवार का ही नहीं, बल्कि पूरे समाज का उत्थान करती है। सचिव रेशमा बडोला ने 'स्वस्थ हैं तो जीवन मस्त है' और 'मिठास है तो जीवन का विकास है' विषय पर अपने वक्तव्य में छात्राओं को प्रेरित करते हुए कहा कि यदि हम स्वस्थ हैं, तो जीवन के हर क्षण का आनंद ले सकते हैं। जीवन में मिठास का अर्थ केवल मीठे खाद्य पदार्थों से नहीं है, बल्कि हमारे संबंधों, शब्दों और व्यवहार में मधुरता भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। योग प्रशिक्षिका चंचल भंडारी ने बताया कि योग केवल शारीरिक व्यायाम नहीं, बल्कि एक सम्पूर्ण

जीवनशैली है, जो शरीर, मन और आत्मा को संतुलित करने में सहायक होती है। उन्होंने कहा कि योग के नियमित अभ्यास से शारीरिक स्वास्थ्य बेहतर होता है, मानसिक शांति और आत्मिक उन्नति भी प्राप्त होती है। योग के विभिन्न आसनों, प्राणायाम और ध्यान तकनीकों से शरीर लचीला, मजबूत और ऊर्जावान बनता है। मार्गदर्शिका त्रिशला कोठारी ने कहा कि महिलाओं के बिना समाज अधूरा है। एक शिक्षित और सशक्त महिला ही एक मजबूत समाज और विकसित राष्ट्र की नींव रख सकती है। एक महिला माँ, बहन, बेटी और पत्नी के रूप में परिवार को संजोती है।

ऐसे कार्यक्रम न केवल महिलाओं को जागरूक करने का कार्य करते हैं, बल्कि उन्हें समाज में अपनी अहम भूमिका निभाने के लिए भी प्रेरित करते हैं। उपाध्यक्ष पुष्पा बाफना ने कहा कि आज महिलाएं हर क्षेत्र में अपनी क्षमता और प्रतिभा को साबित कर रही हैं। वे विज्ञान, खेल, राजनीति, प्रशासन, कला, व्यवसाय और सामाजिक कार्यों में अपनी सशक्त उपस्थिति दर्ज करा रही हैं। महिलाओं ने न केवल घरेलू जिम्मेदारियों को कुशलतापूर्वक निभाया है, बल्कि वैश्विक मंचों पर भी अपनी विशिष्ट पहचान बनाई है। संगठन द्वारा छात्राओं को मिठाई वितरित की गई। विद्यालय प्रशासन और छात्राओं ने इस आयोजन की सराहना की और मातृछाया का आभार प्रकट किया। कार्यक्रम में मीना सोनिगरा, पुष्पा सोनिगरा, त्रिशला दांतेवाड़िया, निर्मला दांतेवाड़िया, सोनाली ललवानी, हेमा बंदा मुथा, पिंकी जैन आदि सदस्याएं उपस्थित थी।

निशुल्क नेत्र जांच शिविर में 162 लोगों ने लिया लाभ

मैसूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बन्नूर स्थित रोटरी स्कूल में निशुल्क नेत्र जांच शिविर लगाया गया।

रोटरी के पूर्व अध्यक्ष महेंद्रसिंह राजपुरोहित ने बताया कि नि:शुल्क नेत्र जांच शिविर में अरविंद चिकित्सालय के डॉ. यतिन पटेल, डॉ. चिन्मय सहित नर्सिंग कर्मियों ने 162 लोगों की आँखों की जांच की। चयनित लोगों को कोयम्बत्तूर स्थित अरविंद नेत्र चिकित्सालय ऑपरेशन के लिए ले जाया जाएगा। इस मौके पर समाजसेवी महेंद्र सिंह राजप-ुरोहित, वेंकटेश, राजू, विजय कुमार, कानसिंह सिया-गवरीदेवी, राजेश कुमार, योगेंद्र, नंजुडस्वामी, मुख्य शिक्षक लोकेश, मानसा सहित बड़ी संख्या में लोग उपस्थित रहे।

मैसूरु से हुब्बल्ली होते हुए भगत की कोठी जोधपुर के लिए होली के विशेष ट्रेन का होगा संचालन

हुब्बल्ली/शुभ लाभ ब्यूरो।

जनता की मांग को देखते हुए दक्षिण पश्चिम रेलवे सलाहकार समिति सदस्य (जेडआरयूसीसी) महेन्द्र सिंघी ने रेल राज्यमंत्री वी. सोमण्णा, केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी सहित राज्य के अन्य सांसदों व रेलवे अधिकारियों से चर्चा कर रंगों के त्योहार होली के लिए राजस्थान के लिए विशेष ट्रेन चलाने का आग्रह किया था, जिसको ध्यान में रखते हुए रेलवे मंत्रालय व दक्षिण पश्चिम रेलवे हुब्बल्ली द्वारा होली के त्योहार के मद्देनजर मैसूरु से बेंगलूरु होते हुए वाया हुब्बल्ली ट्रेन नं. 06533/06534 मैसूरु-भगत-की-कोठी-मैसूरु होली फेस्टिवल एक्सप्रेस स्पेशल ट्रेन का संचालन किया जा रहा है। प्रवासी ट्रैवेलर्स एसोसिएशन कर्नाटक के राज्य कार्यदर्शी सुभाष चंद्रा डंक ने बताया कि यह ट्रेन 10 और 17 मार्च,

2025 सोमवार को रात 9:20 बजे मैसूरु से रवाना होगी और मंगलवार को सुबह हुब्बल्ली पहुंचेगी। हुब्बल्ली से 07 बजकर 50 मिनट पर रवाना होकर धारवाड़, बेलगावी, घटप्रभा, मिरज, पुणे, लोनावाला, कल्याण, वसई रोड, वापी, उधना, वडोदरा, साबरमती, महेसाणा, पालनपुर, आबू रोड, पिंडवाड़ा, वैभववाड़ी रोड, फालना, रानी, मारवाड़ जं, पाली मारवाड़, लूनी जं. होते हुए बुधवार को शाम 5 बजे भगत की-कोठी पहुंचेगी। वापसी दिशा में, ट्रेन नं. 06534 14 और 21 मार्च, 2025 शुक्रवार को रात 11 बजे भगत-की-कोठी से रवाना होगी और रविवार को शाम 4:40 बजे मैसूरु पहुंचेगी।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

गदग/शुभ लाभ ब्यूरो।

यहां श्री वीर बालिका मंडल की ओर से शनिवार को महिला दिवस के उपलक्ष में भव्य कार्यक्रम का आयोजन श्वेतांबर मूर्ति पूजक संघ के प्रांगण में किया गया। वीर बालिका मंडल के सदस्यों ने बड़े उत्साह से जिन शासन की महासतियों का वर्णन किया।

वीर बालिका मंडल के सदस्यों ने कहा आज हम अंतराष्ट्रीय महिला दिवस मना रहे हैं, जो महिलाओं के अधिकारों, उनकी उपलब्धियों और उनके संघर्षों को पहचानने का एक अवसर है। महिलाएं हमारे समाज की रीढ़ हैं। वे माता, बहन, पत्नी और दोस्त के रूप में हमारे जीवन में महत्व-पूर्ण भूमिका निभाती हैं। महिलाएं शक्तिशाली और सशक्त भी हैं। वे हमारे समाज में परिवर्तन लाने के

लिए काम कर रही हैं। हम महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करने और बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

हमें यह सुनिश्चित करना चाहिए कि महिलाएं शिक्षा, स्वास्थ्य और आर्थिक अवसरों तक समान पहुंच प्राप्त करें।

महिलाओं को अपने संघर्षों के बावजूद भी अपने सपनों को पूरा करने के लिए काम करना चाहिए।

मैं उन सभी का आभार व्यक्त करती हूं, जो महिलाओं के अधिकारों की रक्षा करने और उनकी सशक्ति को बढ़ावा देने के लिए काम कर रहे हैं। आइए हम सभी मिलकर एक ऐसा समाज बनाएं, जहां महिलाएं और पुरुष समान अधिकारों और अवसरों के साथ जी सकें।

इस अवसर पर मंडल की चेयरमैन कंचन ओसवाल, अध्यक्ष मिनल बाफना, उपाध्यक्ष सविता बंदा, कार्यदर्शी डिम्पल बंदा, सुमित्रा बाफना समेत संगठन की बड़ी संख्या में सदस्यों ने भाग लिया।

वीरेन्द्रमुनिजी का फाल्गुनी होली मंजुनाथनगर में

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

यहां मंजुनाथनगर क्षेत्र के श्री सकल जैन संघ के तत्वावधान में जैन दिवाकर, प्रसिद्ध वक्ता, जगत वल्लभ श्री चौथमलजी के प्रपौत्र शिष्य, तरुण तपस्वी श्री विमलमुनि जी के सुशिष्य स्वर्ण संयम आराधक, सेवा चक्रवर्ती, सेवा शिरोमणी, जिन शासन प्रभावक श्री वीरेन्द्रमुनिजी का फाल्गुनी होली चातुर्मास जैन भवन उत्तम अंकित विला मंजुनाथनगर में होगा। संघ की ओर से संघ के अध्यक्ष संघवी उत्तमचन्द आच्छा, मंत्री राकेश दलाल, राजेश कोठारी, वृद्धीचंद पितलिया ने विनती रखी। साधु भगवंतों का संभावित पदार्पण सोमवार को होगा। होली चातुर्मास के लाभार्थी संघवी उत्तमचन्द आच्छा, विनोद कुमार मेड़तवाल, राजेश कोठारी एवं सुरेश बाघमार परिवार होंगे। यह जानकारी संघ के प्रचार प्रसार मंत्री अंकित आच्छा ने दी।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला क्रू ने ट्रेन का संचालन किया

पूरी तरह महिला चालक दल द्वारा ट्रेन का संचालन हम सभी के लिए गर्व का क्षण: डीआरएम

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर शनिवार को दक्षिण पश्चिम रेलवे के बेंगलूरु डिवीजन ने ट्रेन संख्या 20624, केएसआर बेंगलूरु-मैसूरु मालगुडी एक्सप्रेस का संचालन पूरी तरह महिला चालक दल के साथ किया। मालगुडी एक्सप्रेस के पूरी तरह महिला चालक दल में सिरीशा गजनी, लोकोपायलट, सुकन्या एस, सहायक लोको पायलट, प्रियदर्शिनी, ट्रेन प्रबंधक, सोना वी.जे., यात्रा टिकट परीक्षक और सौम्या और अश्वथी चंद्रन, आरपीएफ एस्कॉर्टिंग स्टाफ शामिल थीं। डिवीजनल रेलवे मैनेजर अमितेश कुमार सिन्हा ने केएसआर बेंगलूरु स्टेशन पर ट्रेन को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर बोलते हुए उन्होंने कहा पूरी तरह महिला चालक दल द्वारा ट्रेन का संचालन हम सभी के लिए गर्व का क्षण है। रेलवे क्षेत्र में महिलाएं ट्रैक रखरखाव, इंजीनियरिंग और अन्य सहित विभिन्न क्षेत्रों में योगदान दे रही हैं। इस अवसर पर अतिरिक्त मंडल

रेल प्रबंधक आशुतोष माथुर, परीक्षित मोहनपुरिया, वरिष्ठ मंडल विद्युत इंजीनियर (ट्रैक्शन ऑपरेशन), सुरेन्द्र नाथ, वरिष्ठ मंडल कार्मिक अधिकारी, उमा शर्मा, वरिष्ठ मंडल पर्यावरण एवं हाउसकीपिंग प्रबंधक, प्रिया, वरिष्ठ मंडल वाणिज्य प्रबंधक, कृष्ण चैतन्य, मुख्य चिकित्सा अधीक्षक, प्रभावती गजलक्ष्मी, मंडल वाणिज्य प्रबंधक निवेदिता बलराडियावर और मंडल कार्मिक अधिकारी वेंकटेश नाइक उपस्थित थे।

महिला दिवस समारोह के हिस्से के रूप में, बेंगलूरु मंडल ने महिला कर्मचारियों के लिए कई कार्यक्रम आयोजित किए, जिसमें महिलाओं से संबंधित विषयों पर पिक एंड स्पीक प्रतियोगिता, ब्राइडल लुक, मेहंदी और नेल आर्ट, फायरलेस कुकिंग और मजेदार खेल शामिल थे। बेंगलूरु डिवीजन के अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस समारोह का समापन समारोह 13 मार्च को आयोजित किया जाएगा। भारतीय रेलवे में महिलाएँ ट्रैक महिला, ट्रेन मैनेजर, लोको पायलट, कोच मेंटेनर, तकनीशियन, लोको मेंटेनेंस स्टाफ और अन्य कई चुनौतीपूर्ण भूमिकाओं में काम करती हैं और समर्पण और दक्षता के साथ अपने कर्तव्यों का पालन करती हैं।

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो। *मल्लेश्वरम क्रिकेटर्स द्वारा मंत्री मॉल के सामने स्थित गोल्डन बॉयज खेल मैदान में क्रिकेट स्पर्धा एमएससी कप का आयोजन किया गया। 12 से भी ज्यादा टीमों ने स्पर्धा में हिस्सा लिया। विशिष्ट अतिथि महेंद्र मुणोत ने खिलाड़ियों का उत्साहवर्धन करते हुए कहा खेलकूद से शारीरिक मानसिक व्यक्तित्व विकास तो होता ही है, भाइचारे की भावना को भी बढ़ावा मिलता है। खेल में जीत या हार मुख्य नहीं है, खेल में मुकाबला होना चाहिए। जिससे खेलने वाले को भी आनंद आए और देखने वाले को भी आनंद आए। आयोजकों ने मुणोत को सम्मानित किया।*

देश की प्रगति में महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण: विजयेंद्र

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम आयोजित

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई. विजयेन्द्र ने कहा कि देश की सर्वांगीण प्रगति के लिए इस देश की माताओं और महिलाओं की भूमिका महत्वपूर्ण और आवश्यक है। मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में शनिवार को आयोजित 'अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस' कार्यक्रम में बोलते हुए उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की इच्छा के अनुरूप हम सफलता प्राप्त करने वाली माताओं-बहनों का सम्मान कर रहे हैं। उन्होंने बताया कि इसका आयोजन पूरे देश में सार्थक ढंग से किया जा रहा है। उन्होंने कविता की पंक्तियां 'हर घर में दीप जलाएं, समय पर खाना खिलाएं, क्या एक महिला के लिए इतना काफी है? सुनाते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देश की प्रथम नागरिक राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के चयन की सराहना की।

उन्होंने कहा कि जब भाजपा ने मोदी की जनधन और येदियुरप्पा की भाग्य लक्ष्मी योजनाओं सहित सभी योजनाएं दीं, तो वे किसी जाति तक सीमित नहीं थीं। उन्होंने कहा कि केन्द्र से 33 प्रतिशत आरक्षण मिलने से माताओं के लिए अवसर बढ़ेंगे। उन्होंने कहा कि यह सच है कि न केवल मैं बल्कि राज्य का हर हिंदू ऐसा ही महसूस करता है, चाहे वह राज्य के वित्त मंत्री सिद्धरामैया हों जिन्होंने बजट पेश किया हो या जमीर अहमद का बजट हो। अल्पसंख्यकों के लिए बोर्डिंग स्कूल और विदेश यात्रा के लिए राशि 20 लाख से बढ़ाकर 30 लाख कर दी गई है। विजयेंद्र ने कहा कि वह सिद्धरामैया से पूछेंगे कि क्या हिंदू महिलाएं उनकी योजनाओं के लिए पात्र नहीं हैं।

उन्होंने सिद्धरामैया के बजट की आलोचना करते हुए कहा कि यह निश्चित रूप से राज्य के विकास के लिए अनुकूल नहीं है।

येदियुरप्पा, अनंत कुमार और कई अन्य वरिष्ठ नेताओं ने शहरी आधारित भाजपा को गांव-गांव तक पहुंचाने का काम किया है। उन्होंने याद दिलाया कि येदियुरप्पा ने मुख्यमंत्री के रूप में अभूतपूर्व बजट दिया है और इसके पीछे की शक्ति हमारी माता मैत्रादेवी हैं।

इस मौके पर 6 उपलब्धि प्राप्त करने वालों को सम्मानित किया गया। इस अवसर पर राज्यसभा सदस्य लहर सिंह, राज्य महिला मोर्चा की पूर्व अध्यक्ष गीता विवेकानंद, राष्ट्रीय महिला मोर्चा की कार्यकारी सदस्य शांतला भट्ट, पूर्णिमा प्रकाश, डॉ. वसुधा कुलकर्णी, बेंगलूरु उत्तर महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष आशा राव, बेंगलूरु मध्य महिला मोर्चा जिला अध्यक्ष रेखा गोविंदा, राज्य महिला मोर्चा उपाध्यक्ष और बेंगलूरु दक्षिण जिला अध्यक्ष विजयलक्ष्मी आनंद मौजूद थी।

बजट भारत के लिए एक आदर्श

हम शहर में सुरंग सड़क का निर्माण करेंगे: डीके शिवकुमार

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि हम शहर में सुरंग सड़क का निर्माण करेंगे। हम एक एलिवेटेड कॉरिडोर भी बनाएंगे। पत्रकारों से बातचीत में उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया द्वारा पेश किया गया बजट भारत के लिए एक आदर्श है। उन्होंने कहा कि सभी राज्य हमें देखना और हमारा अनुसरण करना शुरू कर देंगे। क्या शहर में सबवे प्रणाली संभव है? भाजपा सवाल पूछ रही है। हम यह परियोजना स्वयं करेंगे। इसके अलावा, हम नई मेट्रो लाइनों पर एलिवेटेड कॉरिडोर का निर्माण करेंगे। हम उसी मार्ग पर मेट्रो और सड़क के लिए पुल का निर्माण करेंगे। उन्होंने कहा कि बीबीएमपी और बीएमआरसीएल 50 प्रतिशत साझेदारी में ये कार्य करेंगे। रॉयल नहरों के दोनों ओर 50 फीट ऊंचे निर्माण की अनुमति नहीं है। हम टीडीआर जारी करके वहां सड़क बनाएंगे। इस प्रकार के 300 किमी के लिए 3000 करोड़ रुपए आवंटित किए गए हैं। नहरों के किनारे फ्लाईओवर, सुरंग और सड़क सहित इसकी लंबाई 700 से 800 किमी है। उन्होंने कहा कि नई सड़क बनाई जा रही है और यातायात का दबाव कम हो जाएगा। हम इन परियोजनाओं को ऋण लेकर भी पूरा करेंगे। पूरी दुनिया की नजर बेंगलूरु और कर्नाटक पर है। उन्होंने कहा कि वह इस उद्देश्य के लिए बुनियादी ढांचा परियोजनाओं पर जोर देंगे।

भाजपा इसे हलाल बजट कहकर आलोचना करे, इसके अलावा वे और क्या कह सकते हैं? वे सच नहीं छिपा सकते। उन्होंने अपनी आँखों से पढ़ा है, अपने कानों से सुना है, अब वे अपने मुँह से क्या कह सकते हैं? वे अपनी आँखों से झूठ नहीं बोल सकते। उन्होंने कहा कि इसीलिए वे मुंह से झूठ बोल रहे हैं।

सिंचाई परियोजनाओं के लिए पिछले वर्ष की तुलना में 2,000 करोड़ रुपये अधिक आवंटित किये गये हैं। अनुदान बढ़ रहा है। हम सिंचाई के लिए विभिन्न नई घोषणाएं करेंगे। उन्होंने कहा कि सिंचाई निगमों में इस बारे में चर्चा हुई है। उन्होंने बेंगलूरु विश्वविद्यालय का नाम पूर्व प्रधानमंत्री मनमोहन सिंह के नाम पर रखे जाने के भाजपा के विरोध पर कड़ी प्रतिक्रिया व्यक्त की। भाजपा ने इसका नाम दीन दयाल के नाम पर रखा है। क्या मनमोहन सिंह का नाम नहीं लिया जाना चाहिए? मनमोहन सिंह ने कई सार्वजनिक परियोजनाएं लागू की हैं जिनमें अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के लिए फ्लाईओवर, इलेक्ट्रॉनिक सिटी के लिए फ्लाईओवर, नेलमंगला रोड फ्लाईओवर, मनरेगा योजना, आरटीआई, खाद्य सुरक्षा, सूचना का अधिकार और आशा कार्यकर्ताओं की तैनाती शामिल हैं। क्या भाजपा ने ऐसा कोई जनहितैषी कार्यक्रम आयोजित किया है? कल्याण कर्नाटक भाग के लिए अनुच्छेद 371 के अनुसार हर साल 5 हजार करोड़ रुपये उपलब्ध कराने की योजना को इस बजट में भी जारी रखा गया है।

इवान डिसूजा ने वेनलॉक अस्पताल के उन्नयन और क्रिश्चियन डेवलपमेंट कॉर्प की मंजूरी की सराहना की

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

एमएलसी इवान डिसूजा ने वेनलॉक अस्पताल को क्षेत्रीय सुविधा में अपग्रेड करने के सरकार के फैसले का स्वागत किया है, साथ ही इसके विकास के लिए महत्वपूर्ण धनराशि आवंटित की है। उन्होंने क्रिश्चियन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन को हरी झंडी मिलने पर भी संतोष व्यक्त किया, जो सामुदायिक कल्याण की दिशा में एक बड़ा कदम है। शनिवार को मीडिया को संबोधित करते हुए डिसूजा ने कहा सरकार ने राज्य भर में आठ अस्पतालों के विकास के लिए 650 करोड़ रुपये आवंटित किए हैं। इनमें से वेनलॉक अस्पताल चुनिंदा संस्थानों में से एक है, जिसके उन्नयन के लिए 250 करोड़ रुपये तक मिलने की संभावना है। किदवई अस्पताल की तरह वेनलॉक अस्पताल को भी मल्टी-स्पेशलिटी सुविधा में बदलने की सख्त जरूरत है। डिसूजा ने यह भी बताया कि

सरकार ने क्रिश्चियन डेवलपमेंट कॉरपोरेशन को मंजूरी दे दी है, जिसके अध्यक्ष और उपाध्यक्ष की नियुक्ति हो चुकी है। उन्होंने बताया मैंने 2014 में इस निगम के निर्माण की संस्तुति की थी। हालांकि इसे 2019 में मंजूरी मिल गई थी, लेकिन इसके क्रियान्वयन में देरी हुई। हालांकि, इस साल के बजट में 250 करोड़ रुपये के आवंटन की घोषणा की गई है।

उन्होंने ईसाई विकास निगम के लिए एक अलग निदेशालय स्थापित करने के महत्व पर जोर दिया, जो निर्णय लेने को सरल बनाएगा, धन जारी करने में सुविधा प्रदान करेगा और मिलान अनुदान प्रदान करेगा। हाल ही में शक्तिनगर की घटना को संबोधित करते हुए डिसूजा ने जवाब दिया विधायक वेदव्यास कामथ को सार्वजनिक कार्यक्रमों के दौरान कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं के बारे में अपमानजनक टिप्पणी करना बंद कर देना चाहिए। उनके भाषण उनके समर्थकों को भड़का रहे हैं। यशवंत प्रभु पर वेदव्यास कामथ द्वारा हमला किए जाने का उल्लेख कभी भी एफआईआर में नहीं किया गया। यशवंत प्रभु के खिलाफ अत्याचार का मामला और आरोप निराधार और मनगढ़ंत हैं।

सिद्धरामैया के बजट से जिन्ना खुश होंगे

कांग्रेस मुस्लिम लीग के एजेंडे पर चल रही है: सीटी रवि

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा एमएलसी और पूर्व मंत्री सीटी रवि ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया ने शुक्रवार को पेश किए गए बजट के जरिए मुस्लिम लीग के सांप्रदायिक और आपराधिक एजेंडे को जारी रखा है। शनिवार को पत्रकारों से बात करते हुए रवि ने बजट को तुष्टीकरण की राजनीति बताया, जो कांग्रेस के भविष्य के लिए खतरा है। उन्होंने कहा मुस्लिम लीग ने देश को बांटने में भूमिका निभाई और यह बजट हिंदुओं और मुसलमानों के बीच और विभाजन पैदा करेगा। उन्होंने कहा कि एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और केपीसीसी अध्यक्ष के साथ-साथ उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार को स्पष्ट करना चाहिए कि यह मुस्लिम लीग का बजट है या कांग्रेस का।

उन्होंने कहा मुहम्मद अली जिन्ना, जो देश को धार्मिक

आधार पर बांटने के लिए जिम्मेदार थे, सिद्धरामैया के बजट से खुश होंगे, जो उनसे प्रेरित लगता है। उन्होंने कहा संविधान में धार्मिक आधार पर आरक्षण की कोई गुंजाइश नहीं थी। यहां तक कि संविधान मसौदा समिति ने भी धार्मिक आधार पर आरक्षण की मांग को खारिज कर दिया था, लेकिन सिद्धरामैया ने सरकारी ठेकों में मुसलमानों के लिए आरक्षण की व्यवस्था की है, शैक्षणिक शुल्क में छूट दी है और संस्थानों की घोषणा की है, लेकिन हिंदू समुदाय के गरीबों के लिए समान विशेषाधिकारों की घोषणा नहीं की गई है। कर्नाटक सरकार के बजट को मुस्लिम तुष्टीकरण और कांग्रेस द्वारा सांप्रदायिक राजनीति वाला बजट बताते हुए उन्होंने मुस्लिम मुल्लाओं के मानदेय में वृद्धि और हुब्बल्ली में पुलिस स्टेशन पर हमला करने वालों के खिलाफ आपराधिक मामलों को वापस लेने की आलोचना की। उन्होंने कहा विधानसभा चुनावों के दौरान सिद्धरामैया ने हिंदू होने का दावा किया था। शिवकुमार ने भी कहा था कि वह हिंदू के रूप में पैदा हुए हैं और हिंदू के रूप में ही मरेंगे।

यह हिंदू समुदाय है जिसने कांग्रेस को वोट दिया, न कि केवल मुसलमानों ने। रवि ने आगे सवाल किया कि क्या सरकार वित्तीय वर्ष के अंतिम 23 दिनों में बजट का शेष 45 प्रतिशत खर्च कर पाएगी, जबकि बजट अनुमान का 55 प्रतिशत पहले ही खर्च किया जा चुका है। उन्होंने आगे कहा सिद्धरामैया सरकार द्वारा लिए गए ऋण राज्य के सभी पिछले मुख्यमंत्रियों से अधिक हैं। संपत्ति पंजीकरण करों में 600 प्रतिशत की वृद्धि, संपत्ति मार्गदर्शन मूल्य में 30 प्रतिशत की वृद्धि, वाहन पंजीकरण करों में 10 प्रतिशत की वृद्धि, 5 प्रतिशत अस्पताल उपकर, और सरकारी और इलेक्ट्रिक वाहन पंजीकरण शुल्क में वृद्धि, साथ ही संपत्ति करों में 25 प्रतिशत की वृद्धि सहित महत्वपूर्ण कर वृद्धि के बावजूद 10,000 करोड़ रुपये का राजस्व घाटा है। सरकार की कुल उधारी अब 4 लाख करोड़ रुपये तक पहुँच गई है, जिसमें बजट के अनुमान का 27 प्रतिशत ऋण से और 19 प्रतिशत उत्पाद शुल्क से आ रहा है। 19 दिसंबर की घटना को संबोधित करते हुए, जिसमें उन पर महिला और बाल कल्याण मंत्री लक्ष्मी हेब्बालकर के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी करने का आरोप लगाया गया था, रवि ने इसे अवांछित कहा। उन्होंने कहा कि वह आगे कोई टिप्पणी नहीं करेंगे क्योंकि मामला अदालत में लंबित है, और विधान परिषद के अध्यक्ष बसवराज होराट्टी ने इस मामले पर फैसला सुनाया है। भाजपा की राज्य इकाई में गुटबाजी के बारे में रवि ने कहा कि पार्टी आलाकमान स्थिति पर करीब से नजर रखे हुए है और उचित कार्रवाई करेगा। उन्होंने कहा कि इस मुद्दे पर मीडिया में चर्चा नहीं की जाएगी।

हम्पी बलात्कार मामला : पीड़ितों के सह-यात्री नहर में मृत पाए गए

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

हम्पी पुलिस ने ओडिशा के एक युवक का शव बरामद किया है, जो यूनेस्को हेरिटेज शहर के पास दो महिलाओं, एक इजरायली नागरिक और एक होम स्टे के मालिक के साथ बलात्कार की घटना के बाद से लापता था। युवक उन तीन पुरुषों में से था, जो घटना के समय दो पीड़ितों के साथ सह-यात्री थे और उन पर हमला किया गया था और उन्हें पास की नहर में धकेल दिया गया था। दो महिलाओं - इजरायल की 27 वर्षीय यात्री और कोप्पल जिले के अनेगुंडी की 29 वर्षीय होमस्टे मालिक - के साथ गुरुवार की देर रात तीन पुरुषों ने कथित तौर पर बलात्कार किया, जब पीड़िता रात के खाने के बाद नहर के किनारे थीं।

उनके साथ मौजूद तीन पुरुष यात्रियों - संयुक्त राज्य अमेरिका, ओडिशा और महाराष्ट्र से - पर हमला किया गया और उन्हें नहर में धकेल दिया गया। ओडिशा का व्यक्ति (जिसकी पहचान बिबाश के रूप में हुई) तब से लापता था, जबकि अन्य दो तैरकर सुरक्षित निकलने में कामयाब रहे। होम स्टे

मालिक द्वारा शुक्रवार सुबह गंगावती ग्रामीण पुलिस स्टेशन में दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार, यह घटना उस समय हुई जब वह और उसके चार मेहमान रात के खाने के बाद करीब 10.30 बजे सनापुर के दुर्गम्मा मंदिर के पास तुंगभद्रा लेफ्ट बैंक नहर के किनारे तारों को निहार रहे थे। तीनों हमलावर मोटरसाइकिल पर सवार होकर आए थे और पेट्रोल कहां मिलेगा, इस बारे में पूछताछ की। बाद में, उनमें से एक ने पर्यटकों से 100 मांगे और मना करने पर पर्यटकों से बहस और हमला करना शुरू कर दिया। शिकायतकर्ता ने कहा कि तीनों पुरुष पर्यटकों को नहर में धकेल दिया गया और फिर उसे और इजरायली पर्यटक को टक्कर मारकर बलात्कार किया गया। अपराध के बाद, आरोपी अपनी मोटरसाइकिल पर भाग गए। चारों को गंगावती के एक स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया, जबकि ओडिशा के व्यक्ति का पता नहीं चल पाया। पुलिस ने युवक का पता लगाने और मामले की जांच के लिए छह टीमें बनाई थीं।

महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया जाएगा: शिवकुमार

कलबुर्गी/शुभ लाभ ब्यूरो।

राज्य के उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने कहा कि यह तय है कि आने वाले दिनों में विधानसभा और लोकसभा में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण प्रदान किया जाएगा।

उन्होंने महिलाओं से सत्ता संभालने के लिए तैयार रहने का आह्वान किया। वे शनिवार को कलबुर्गी में जिला प्रशासन, जिला पंचायत, महिला एवं बाल विकास विभाग तथा जिला महिला सशक्तिकरण इकाई द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस कार्यक्रम के उद्घाटन अवसर पर बोल रहे थे। लोकतांत्रिक व्यवस्था में महिलाओं की उन्नति को कोई नहीं रोक सकता। हमारी संस्कृति ऐसी है जो महिलाओं की तुलना माताओं और धरती माता से करके उनका सम्मान करती है। उन्होंने कहा कि महिला केन्द्रित आर्थिक सशक्तिकरण के लिए

पांच गारंटी योजनाएं इस विश्वास के साथ क्रियान्वित की गई हैं की महिलाएं बढ़ेंगी तो समाज बढ़ेगा। आरोग्य पुष्टि योजना के अंतर्गत शहाबाद, काल्लगी और अफजलपुर तालुकों में अपने पहले बच्चे की उम्मीद कर रही 18-35 वर्ष की 1,257 महिलाओं को पौष्टिक भोजन किट वितरित किए गए। उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार और मंत्री प्रियांक खड़गे ने विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को चेक और बैंक पासबुक वितरित किए। उन्होंने विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धियां हासिल करने वाली महिलाओं को सम्मानित भी किया। विधायक अल्लमप्रभु पाटिल की अध्यक्षता में आयोजित कार्यक्रम में राज्य के ग्रामीण विकास एवं पंचायत राज, आईटी-बीटी तथा कलबुर्गी जिला प्रभारी मंत्री प्रियांक खड़गे, नगर प्रशासन एवं हज मंत्री रहीम खान, विधायक एवं कल्याण कर्नाटक क्षेत्र विकास बोर्ड के अध्यक्ष डॉ. अजय सिंह, आलंद विधायक और कर्नाटक राज्य नीति एवं योजना आयोग के उपाध्यक्ष बी.आर. पाटिल, अफजलपुर विधायक एम.वाई. पाटिल, कर्नाटक निजशरण अम्बिगर चौडय्य विकास निगम के अध्यक्ष बाबूराव चिंचनसूर, विधान परिषद विधायक शशिल जी. नमोशी, तिप्पण्णप्पा कमकनूर, डी.सी. बी. फौजिया तरन्नुम, महिला एवं बाल कल्याण विभाग के उपनिदेशक राजकुमार राठौड़ उपस्थित थे।

शुभ लाभ DAILY खबरें जो सोच बदल दे

जेल में बंद अभिनेत्री रान्या राव ने 17 सोने की तस्करी की बात स्वीकार की

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

कन्नड़ अभिनेत्री रान्या राव, जिन्हें हर्षवर्दिनी रान्या के नाम से भी जाना जाता है, ने 4 मार्च को केम्पेगौड़ा अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अपनी गिरफ्तारी के बाद राजस्व खुफिया निदेशालय (डीआरआई) को दिए अपने बयान में 17 सोने की छड़ों की तस्करी करने की बात स्वीकार की। उसने दुबई के रियल एस्टेट क्षेत्र में एक फ्रीलांसर होने का दावा किया और डीआरआई अधिकारियों से घटना की गोपनीयता बनाए रखने का अनुरोध किया। सीमा शुल्क अधिनियम, 1962 की धारा 108 के तहत दर्ज किए गए बयान में उसके सौतेले पिता, कर्नाटक के आईपीएस अधिकारी के रामचंद्र राव का उल्लेख नहीं है। वरिष्ठ खुफिया अधिकारियों एम चोकालिंगम, नेहा कुमारी और नागेश्वर राव कादिरी द्वारा हस्ताक्षरित दस्तावेज प्रश्न-उत्तर प्रारूप में है और उसके कब्जे से 17 सोने की छड़ें बरामद होने की पुष्टि करता है।

रान्या ने खुलासा किया कि उसने दुबई और सऊदी अरब सहित यूरोप, अमेरिका और मध्य पूर्व की यात्रा की थी। उसने थकान व्यक्त की और अगले दिन बयान प्रक्रिया जारी रखने का अनुरोध किया। उसने सीमा शुल्क अधिनियम के तहत गलत या भ्रामक जानकारी प्रदान करने के कानूनी निहितार्थों को समझने की भी बात स्वीकार की। अपनी पृष्ठभूमि के बारे में बताते हुए रान्या ने कहा कि वह एक रियल एस्टेट व्यवसायी की बेटी के रूप में बेंगलूरु में पली-बढ़ी है। उसने अपनी 12वीं कक्षा पूरी की है, एक फिल्म और थिएटर कलाकार के रूप में काम किया है, और एक वन्यजीव फोटोग्राफर भी है। उसकी शादी आर्किटेक्ट जतिन हुक्केरी से हुई है। अभिनेत्री ने हवाई अड्डे पर महाजर कार्यवाही के दौरान 17 सोने की छड़ें जब्त करने की बात स्वीकार की और गोपनीयता के लिए अपना अनुरोध दोहराया। उसने जांच में सहयोग करने की अपनी इच्छा की पुष्टि की और उल्लेख किया कि उसका बयान स्वेच्छा से और बिना किसी दबाव के दिया गया था। शुक्रवार को, बेंगलूरु की एक अदालत ने उसे डीआरआई को हिरासत में लेने का आदेश दिया और उसकी जमानत याचिका को टाल दिया। वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में है। डीआरआई ने लावेल रोड स्थित उसके आवास से 2.06 करोड़ रुपये मूल्य का 14.8 किलोग्राम सोना और 2.67 करोड़ रुपये नकद जब्त किया, जहां उसने कथित तौर पर 4.5 लाख रुपये का किराया दिया था। अपनी सौतेली बेटी की गिरफ्तारी पर प्रतिक्रिया देते हुए, डीजीपी के रामचंद्र राव ने अपना सदमा और दुख व्यक्त किया। रान्या उनकी दूसरी पत्नी की पहली बेटी है और इस घटना ने उन्हें अचंभित कर दिया है।

नाबालिग लड़की को 29 वर्षीय व्यक्ति के साथ जबरन शादी के लिए मजबूर किया गया, वीडियो वायरल

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

बेंगलूरु के पास एक सुदूर गांव की 14 वर्षीय लड़की की जबरन 29 वर्षीय व्यक्ति से शादी करा दी गई। यह घटना तब प्रकाश में आई जब सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हुआ जिसमें लड़की को उसकी मर्जी के खिलाफ घसीटते हुए दिखाया गया। होसूर के पास थोट्टामंजू पहाड़ियों में थिम्मत्तुर गांव की रहने वाली लड़की ने सातवीं कक्षा तक पढ़ाई की थी और अपने परिवार के साथ रहती थी। 3 मार्च को उसकी शादी कालीकुट्टई गांव के 29 वर्षीय मजदूर मदेश से हुई। कथित तौर पर यह शादी उसकी मां नागम्मा (29 वर्षीय) ने तय की थी, जो बेंगलूरु की रहने वाली है। शादी के बाद लड़की थिम्मत्तुर में अपने घर लौट आई और मदेश के साथ रहने की अनिच्छा जताई। उसने उसके घर जाने से इनकार कर दिया, जिससे तनाव की स्थिति पैदा हो गई। उसे वापस ले जाने के लिए दृढ़ संकल्पित मदेश ने अपने 38 वर्षीय भाई मल्लेश के साथ मिलकर उसे जबरन कालीकुट्टई में खींच लिया। परेशान करने वाली इस हरकत को वहां खड़े लोगों ने अपने मोबाइल फोन पर कैद कर लिया और सोशल मीडिया पर तेजी से फैल गया, जिससे लोगों में आक्रोश फैल गया। वायरल वीडियो के बाद, ढेंकानीकोट की महिला पुलिस टीम ने जांच शुरू की। लड़की की दादी द्वारा दर्ज की गई शिकायत के आधार पर, पुलिस ने मदेश, मल्लेश और नागम्मा को जबरन शादी में उनकी भूमिका के लिए गिरफ्तार किया। आरोपियों को बाल विवाह निषेध अधिनियम के तहत दो साल तक की कैद और 1 लाख रुपये तक के जुर्माने का सामना करना पड़ सकता है, जो 18 साल से कम उम्र की लड़की की शादी को अवैध और अमान्य मानता है। लड़की अब अपने दादा-दादी के साथ रह रही है।

कर्नाटक में चार वर्षों में बाल विवाह के 2,000 से अधिक मामले आए सामने

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

21वीं सदी में रहने के बावजूद, अंधविश्वास, पुरानी परंपराओं और विभिन्न सामाजिक-आर्थिक कारकों के कारण कर्नाटक में बाल विवाह एक सतत मुद्दा बना हुआ है। कानूनी रूप से अनिवार्य विवाह की आयु का उल्लंघन करते हुए, नाबालिगों को विवाह के लिए मजबूर किया जाता है, खासकर बेंगलूरु शहर से बाहर के जिलों में, जिससे कई युवा लड़कियों का जीवन प्रभावित होता है। सरकारी आंकड़ों के अनुसार, कर्नाटक में पिछले चार वर्षों में 2,000 से अधिक बाल विवाह दर्ज किए गए हैं। अप्रैल 2020 से दिसंबर 2024 के बीच, राज्य में कुल 2,188 बाल विवाह हुए हैं। इस अवधि के दौरान अधिकारियों को बाल विवाह से संबंधित 13,045 शिकायतें मिलीं, जिनमें से 10,885 मामलों को सफलता-पूर्वक रोका गया। हालांकि, 2,188 दर्ज मामलों में से केवल 1,945 मामलों में ही एफआईआर दर्ज की गई, जबकि 243 मामलों में कानूनी कार्रवाई नहीं हुई, जिससे प्रवर्तन को लेकर चिंताएँ बढ़ गई हैं।

मांड्या जिले में सबसे अधिक 266 मामले दर्ज किए गए हैं। महत्वपूर्ण मामलों वाले अन्य जिलों में शिवमोग्गा (222), मैसूरु (203), बेंगलूरु शहरी (57) और बेंगलूरु ग्रामीण (37) शामिल हैं। बाल विवाह से प्रभावित नाबालिगों को राज्य द्वारा संचालित बाल गृहों में रखने और उनकी सुरक्षा के लिए विशेष व्यवस्था की गई है। इसके अतिरिक्त, जिलों में बाल कल्याण के लिए विशेष पुलिस इकाइयाँ स्थापित की गई हैं और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से जागरूकता अभियान चलाए जा रहे हैं। बाल विवाह से निपटने के लिए, राज्य, जिला, तालुक और ग्राम पंचायत स्तर पर समर्पित निषेध अधिकारी नियुक्त किए गए हैं, जिनमें कुल 59,000 अधिकारी प्रवर्तन में लगे हुए हैं। गरीबी, अशिक्षा, अंधविश्वास, कानून के बारे में जागरूकता की कमी और लड़कियों की कम उम्र में शादी करने का सामाजिक दबाव बाल विवाह के बने रहने के पीछे कुछ प्रमुख कारण हैं। राज्य सरकार जनता को 1098 हेल्पलाइन के माध्यम से ऐसी घटनाओं की रिपोर्ट करने के लिए प्रोत्साहित करती रहती है।

महेश शेट्टी के खिलाफ शिकायत दर्ज

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

राष्ट्रीय हिंदू जागरण वेदिके के अध्यक्ष महेश शेट्टी टिमरौडी के खिलाफ बेल्टांगडी पुलिस स्टेशन में मामला दर्ज किया गया है। पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कर एफआईआर दर्ज कराई गई है, जिसमें आरोप लगाया गया है कि महेश शेट्टी ने 8 फरवरी को आयोजित हिंदू समाज रक्षा कार्यक्रम के दौरान टिमरौडी मंदिरों के बारे में लोगों में संदेह पैदा करने वाले बयान दिए और समाज में अशांति पैदा की। उन्होंने कहा था कि नास्तिक द्वारा धर्म का नाश किया जा रहा है।

आज धार्मिक स्थलों और हिन्दू समाज पर नास्तिकों का प्रभाव बढ़ गया है। अब समय आ गया है कि हम अपनी परंपरा को संरक्षित रखें।

इस दावे के आधार पर मामला दर्ज किया गया है कि न केवल धर्मस्थल बल्कि उडुपी के मंदिरों को भी अधार्मिक लोगों से पैसे लेकर रखा जा रहा है।

महिलाएं कठिन पुलिस कार्य करने में सक्षम हैं: बी. दयानंद

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

शहर के पुलिस प्रमुख बी. दयानंद ने कहा कि महिला पुलिस अधिकारी और कर्मी उन्हें दिए गए कठिन काम के बावजूद अच्छा काम कर रही हैं।

उन्होंने महिलाकर्मियों की प्रशंसा की। विश्व महिला दिवस के उपलक्ष्य में मैसूरु रोड स्थित सीएआर सेंटर में उन्होंने विशेष महिला टुकड़ियों द्वारा आयोजित परेड की सलामी लेने के बाद यह बात कही।

उन्होंने कहा कुछ वर्ष पहले विभाग में यह धारणा थी कि महिला अधिकारी और कर्मचारी पुरुष अधिकारियों और कर्मचारियों के समान काम नहीं करेंगी। उन्होंने कहा कि अब यह खत्म हो चुका है। जब एक सर्वे हुआ तो महिला कर्मचारियों ने कहा कि उन्हें भी स्टेशन राइटर, जांच सहायक आदि की नौकरी दी जानी चाहिए। इसी प्रकार अब सारा काम महिला कर्मचारियों को भी दिया जा रहा है। कमिश्नर ने कहा कि उन्होंने जो कार्य किया है वह सराहनीय है। अच्छा कार्य करने वाले 126 अधिकारियों को सम्मानित किया गया तथा उन्हें प्रशंसा पत्र दिए गए। इस अवसर पर विभिन्न कॉरपोरेट संगठनों द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराए गए 32 ई-ऑटो महिला लाभार्थियों को सौंपे गए।

सिद्धरामैया ने हिंदुओं और मुसलमानों को बांटने का काम अपने हाथ में ले लिया: विजयेन्द्र

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष एवं विधायक बी.वाई.विजयेन्द्र ने कहा कि मुख्यमंत्री सिद्धरामैया अल्पसंख्यकों को खुश करने और धर्मों के बीच विभाजन पैदा करने का दुस्साहस कर रहे हैं। मल्लेश्वरम स्थित भाजपा प्रदेश कार्यालय जगन्नाथ भवन में मीडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा कि उन्होंने हिंदुओं और मुसलमानों को बांटने का काम अपने हाथ में ले लिया है। उन्होंने मदरसे को पैसा दिया है। मौलवियों के वेतन में वृद्धि की गई है। उन्होंने शादी के लिए 50 हजार रुपये दिये। उन्होंने पूछा तो क्या हिंदुओं में कोई गरीब लोग नहीं हैं? उन्होंने कहा कि इस राज्य में हर कोई पूछ रहा है कि मुख्यमंत्री इतने मूर्ख क्यों हैं। यह बजट सिद्धरामैया द्वारा प्रस्तुत नहीं किया गया। उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि उन्हें संदेह है कि क्या जमीर अहमद खान ने स्वयं इसे प्रस्तुत किया है। सिद्धरामैया ने अपना आखिरी बजट पेश किया है, जो कि बहुत निराशाजनक है। इस बजट से राज्य के किसानों, कृषि क्षेत्र, युवाओं, महिलाओं और गरीबों को कोई फायदा नहीं होगा। उन्होंने कहा कि यह विकास के लिए अनुकूल नहीं है। सिद्धरामैया का अल्पसंख्यकों के प्रति प्रेम और चिंता सभी जानते हैं। हालाँकि, हममें से किसी ने भी यह उम्मीद नहीं की थी कि

वित्त मंत्री के रूप में वह इस स्तर तक गिर जायेंगे। मुस्लिम छात्रों को विदेश जाने के लिए दी जाने वाली राशि 20 लाख से बढ़ाकर 30 लाख कर दी गई है। उन्होंने पूछा सिद्धरामैया, आपको इसे किसी हिंदू को देने का मन क्यों नहीं हुआ? उन्होंने मुस्लिम महिलाओं को आत्मरक्षा प्रशिक्षण देने के लिए धन आवंटित किया है। उन्होंने पूछा सिद्धरामैया, आपने हिंदू महिलाओं को आत्मरक्षा कौशल का प्रशिक्षण देने के लिए कोई योजना बनाने के बारे में क्यों नहीं सोचा, जिससे उनमें आत्मविश्वास पैदा हो? उन्होंने आलोचना करते हुए कहा कि अल्पसंख्यकों के लिए अलग से बजट पेश न करने के अलावा अन्य सभी पहलू इस बजट में मौजूद हैं। अनुसूचित जातियों के लिए निर्धारित एसईपी और टीएसपी निधि के 25 हजार करोड़ रुपये विभिन्न कार्यों में स्थानांतरित कर दिए गए हैं। कर्ज बढ़कर 1 लाख 16 हजार करोड़ हो गया है। सिद्धरामैया, जिन्होंने अपने पहले बजट में अधिशेष बजट पेश किया था, की अपने अंतिम बजट में भारी मात्रा में ऋण लेने के लिए आलोचना की गई।

बजट में कल्याण कर्नाटक के लिए अधिक धनराशि, पुराने मैसूरु क्षेत्र के लोग नाराज

बेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

पुराने मैसूरु क्षेत्र में इस बात को लेकर हंगामा मचा हुआ है कि कल्याण कर्नाटक खंड को बजट में अधिक धनराशि मिल रही है। पत्रकारों से बात करते हुए उपमुख्यमंत्री डी.के. शिवकुमार ने कहा कि कल्याण कर्नाटक क्षेत्र के लोगों के लिए लॉटरी एक बड़ी उपलब्धि है।

मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा धारा 371जे के कार्यान्वयन से हर वर्ष 5,000 करोड़ रुपये का राजस्व प्राप्त हुआ है। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार ने विशेष अनुदान उपलब्ध कराने की अपनी प्रतिबद्धता जारी रखी है। शिवकुमार कल्याण कर्नाटक क्षेत्र

के लिए विशेष अनुदान का प्रस्ताव कर रहे हैं, और पुराने मैसूरु क्षेत्र के विधायक लड़ रहे हैं। जबकि हम सभी को अनुदान का 25 प्रतिशत मिलता है, कल्याण कर्नाटक क्षेत्र के विधायकों को अनुदान का 75 प्रतिशत मिल रहा है। उन्होंने कहा कि बजट में स्वतः मिलने वाले अनुदानों के अतिरिक्त विशेष अनुदान भी उपलब्ध करवाए जा रहे हैं। इस अवसर पर बोलते हुए मंत्री प्रियांक खड़गे ने कहा कि कल्याण कर्नाटक के लिए कल्याण पथ नामक एक विशेष सड़क परियोजना के लिए 1,000 करोड़ रुपये प्रदान किए गए हैं। हालाँकि, इसका क्या मतलब है कि अनुदान कम हो रहा है? विधायक और कल्याण कर्नाटक क्षेत्रीय विकास बोर्ड के अध्यक्ष अजय सिंह ने कहा कि हमारे क्षेत्र में हर साल करीब 8,000 करोड़ रुपये का विकास होता है। अन्य परियोजनाओं के लिए भी अधिक धनराशि प्राप्त हो रही है। कैबिनेट बैठक में 11,720 करोड़ रुपये मंजूर किये गये। उन्होंने कहा कि व्यय योजना को मंजूरी दे दी गई है।

लापता छात्र 10 दिन बाद आखिरकार उडुपी में मिला

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

रहस्यमय तरीके से लापता हुए फरंगीपेट के किडेबेट्टू के छात्र दिगंत को आखिरकार करीब 10 दिनों के बाद शनिवार को उडुपी में पाया गया। बताया जा रहा है कि पुलिस उसे बंटवाल वापस लाने की प्रक्रिया में है। मामले को गंभीरता से लेते हुए राज्य सरकार और पुलिस विभाग ने व्यापक तलाशी अभियान शुरू किया। तलाशी अभियान में 40 से अधिक कर्मियों को शामिल किया गया, जिसमें जिला सशस्त्र रिजर्व (डीएआर) के 30 अधिकारी, रेलवे पुलिस, अग्निशमन विभाग, एफएसएल विशेषज्ञ, डॉग स्क्वायड और ड्रोन कैमरे शामिल थे। मेंगलूरु में पीयूसी द्वितीय वर्ष के छात्र दिगंत ने 25 फरवरी की शाम को अपने परिवार को बताया था

कि वह मंदिर जा रहा है। हालांकि, वह न तो मंदिर पहुंचा और न ही घर लौटा, रहस्यमय परिस्थितियों में लापता हो गया। बाद में उसके चप्पल और मोबाइल फोन उसके घर के पास रेलवे ट्रैक के पास मिले, जिससे चिंता बढ़ गई और तलाश तेज कर दी गई। उनके सुरक्षित बरामदगी की खबर से उनके परिवार और स्थानीय समुदाय को काफी राहत मिली है, जो उत्सुकता से अपडेट का इंतजार कर रहे थे।

बस स्टैंड पर छत का निर्माण कार्य शुरू, यात्रियों को राहत

मेंगलूरु/शुभ लाभ ब्यूरो।

स्टेट बैंक स्थित सर्विस बस स्टैंड पर लंबे समय से प्रतीक्षित छत निर्माण कार्य आखिरकार शुरू हो गया है, जिससे यात्रियों को काफी राहत मिली है। यह विकास उचित छत की कमी के कारण वर्षों से लगातार असुविधा के बाद हुआ है, जिसकी लंबे समय से मांग थी। बस स्टैंड के छह प्लेटफार्मों में से केवल तीन पर छत थी, जबकि शेष तीन पर मौसम की मार पड़ रही थी। तीन अधूरे प्लेटफार्मों पर

निर्माण कार्य अब शुरू हो गया है और काम पहले से ही चल रहा है। नई छत यात्रियों को काफी राहत प्रदान करेगी, जिससे उन्हें चिलचिलाती गर्मी और मानसून की बारिश से बचाया जा सकेगा। स्टेट बैंक स्थित सर्विस बस स्टैंड को पर्याप्त सुविधाओं की कमी के कारण काफी चुनौतियों का सामना करना पड़ा है। 4.2 करोड़ रुपये की लागत से योजनाबद्ध नवीनीकरण के बावजूद, कई वर्षों से काम अधूरा पड़ा था। वर्षों से, यात्रियों को असुविधाजनक प्रतीक्षा स्थितियों का सामना करना पड़ रहा था, खासकर बिना छत वाले प्लेटफार्मों पर, जिससे मानसून और गर्मी दोनों महीनों में मुश्किल होती थी। कई यात्रियों ने खुद को कड़ी धूप से बचाने के लिए छाते या तौलिये जैसे अस्थायी उपायों का सहारा लिया। टूटी हुई टाइलें अधूरे और घटिया निर्माण को और उजागर करती हैं। अब छत का निर्माण शुरू होने से यात्रियों को काफी राहत मिली है।

महिला दिवस पर राष्ट्रपति ने दी शुभकामनाएं

हम अपनी नारी शक्ति को नमन करते हैं : मोदी

नई दिल्ली, 08 मार्च (एजेंसियां)।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के मौके पर देश और दुनिया समाज में महिलाओं के योगदान को याद कर रहे हैं। इस मौके पर राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने भी शुभकामनाएं दी हैं। साथ ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी महिलाओं को नमन किया है। प्रधानमंत्री ने कहा, हम महिला दिवस के मौके पर नारी शक्ति को नमन करते हैं।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, हमारी सरकार हमेशा से नारी सशक्तिकरण की दिशा में काम करती रही है और ये हमारी योजनाओं में भी दिखाई देता है। आज जैसा कि मैंने वादा किया था कि मेरा सोशल मीडिया प्रोफाइल महिलाओं द्वारा संभाला जाएगा, जो आज विभिन्न क्षेत्रों में अपनी पहचान बना रही हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया पर महिला दिवस के मौके पर एक वीडियो भी साझा किया।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने महिला दिवस के मौके पर कहा, आज हम महिलाओं के योगदान और उनकी उपलब्धियों का जश्न मना रहे हैं। हम महिलाओं के अधिकारों, समानता और सशक्तिकरण के लिए ठोस प्रयास करने का भी संकल्प लेते हैं। हमारी बहनें और बेटियां अब सीमाओं को लांघ रही हैं। हम महिलाओं को उनकी यात्रा में समर्थन देने का संकल्प लें और यह सुनिश्चित करें कि कोई भी पीछे न छूट जाए, वे विभिन्न क्षेत्रों में नए रास्ते बना रही हैं। साथ मिलकर, हम एक लैंगिक समानता वाली दुनिया बना सकते हैं जहां महिलाएं बिना किसी डर के अपने सपनों को पूरा कर सकें।

आत्मनिर्भर, स्वाभिमानी और सशक्त महिलाओं के बल पर ही भारत विकसित बन सकता है: मुर्मू

नई दिल्ली, 08 मार्च (एजेंसियां)।

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने विकसित भारत को सभी का सपना बताते हुए कहा है कि आत्मनिर्भर, स्वाभिमानी, स्वतंत्र और सशक्त महिलाओं के बल पर ही विकसित भारत का निर्माण हो सकता है, इसलिए पुरुषों को महिलाओं को सशक्त और आत्मनिर्भर बनने में हर कदम पर सहयोग करना चाहिए।

श्रीमती मुर्मू ने शनिवार को यहां अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर महिला एवं बाल विकास मंत्रालय द्वारा 'नारी शक्ति से विकसित भारत' विषय पर आयोजित एक राष्ट्रीय सम्मेलन का उद्घाटन किया।

राष्ट्रपति ने कहा कि यह दिन महिलाओं की उपलब्धियों का सम्मान करने, उनके अधिकारों के बारे में जागरूकता बढ़ाने और लैंगिक समानता को बढ़ावा देने के लिए खुद को समर्पित करने का अवसर है। उन्होंने कहा, आज हम अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के 50 साल पूरे होने का जश्न मना रहे हैं और इसमें कोई संदेह नहीं है कि इस अवधि में महिला समुदाय ने अभूतपूर्व प्रगति की है। वह अपनी जीवन यात्रा को इस प्रगति का एक हिस्सा मानती हैं।

उन्होंने कहा कि ओडिशा के एक साधारण परिवार और पिछड़े क्षेत्र में जन्म लेने से लेकर राष्ट्रपति भवन तक की उनकी यात्रा भारतीय समाज में

महिलाओं के लिए समान अवसरों और सामाजिक न्याय की कहानी है। राष्ट्रपति ने कहा, विकसित भारत के सपने को साकार करने के लिए लड़कियों को आगे बढ़ने के लिए बेहतर माहौल मिलना जरूरी है। उन्हें ऐसा माहौल मिलना चाहिए, जहां वे बिना किसी दबाव या डर के अपने जीवन के बारे में स्वतंत्र निर्णय ले सकें। हमें ऐसा आदर्श समाज बनाना है, जहां कोई भी बेटी या बहन अकेले कहीं जाने या रहने से न डरे।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि महिलाओं के प्रति सम्मान की भावना ही भयमुक्त सामाजिक माहौल बनाएगी। ऐसे माहौल में लड़कियों को जो आत्मविश्वास मिलेगा, वह देश को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। राष्ट्रपति ने कहा कि जब भी हमने महिलाओं की प्रतिभा का सम्मान किया है, उन्होंने कभी निराश नहीं किया है। संविधान सभा की सदस्य रहीं सरोजिनी नायडू, राजकुमारी अमृत कौर, सुचेता कृपलानी और हंसाबेन मेहता जैसी विभूतियों के योगदान को भुलाया नहीं जा सकता।

उन्होने कहा कि ऐसे कई उदाहरण हैं, जहां महिलाओं ने अपनी बुद्धि, विवेक और ज्ञान के बल पर न केवल ख्याति अर्जित कर सर्वोच्च स्थान हासिल किया है, बल्कि देश और समाज का मान भी बढ़ाया है। चाहे विज्ञान हो, खेल हो, राजनीति हो या समाज सेवा हो- सभी क्षेत्रों में महिलाओं ने अपनी प्रतिभा के प्रति सम्मान जगाया है।

राष्ट्रपति ने कहा कि जब भारत विश्व की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर है, तो देश के कार्यबल में महिलाओं की भागीदारी तेजी से बढ़नी चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत ही नहीं, बल्कि अन्य देशों में भी कार्यबल में महिलाओं की कम भागीदारी का एक कारण यह धारणा है कि महिलाएं बच्चों की देखभाल के लिए छुट्टी ले लेंगी या काम पर कम ध्यान दे पाएंगी। उन्होंने कहा, यह सोच सही नहीं है। हमें खुद से पूछना होगा कि क्या समाज की बच्चों के प्रति कोई जिम्मेदारी नहीं है। हम सभी जानते हैं कि परिवार में पहली शिक्षिका मां होती है। अगर मां बच्चों की देखभाल के लिए छुट्टी लेती है, तो उसका यह प्रयास समाज की भलाई के लिए भी है। मां अपने प्रयासों से अपने बच्चे को आदर्श नागरिक बना सकती है।

श्रीमती मुर्मु ने कहा कि आत्मनिर्भर, स्वाभिमानी, स्वतंत्र और सशक्त महिलाओं के बल पर ही विकसित भारत का निर्माण हो सकता है। विकसित भारत का संकल्प सबका संकल्प है, जिसे सबको मिलकर पूरा करना है। इसलिए पुरुषों को महिलाओं को सशक्त, सशक्त और आत्मनिर्भर बनने में हर कदम पर सहयोग करना चाहिए। महिलाओं को पूरे आत्मविश्वास, लगन और मेहनत के साथ अपने जीवन में आगे बढ़ना चाहिए और देश व समाज के विकास में योगदान देना चाहिए।

भारत-ऑस्ट्रेलिया ने हिंद-प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक हितों के लिए समन्वय बढाने की प्रतिबद्धता जतायी

नई दिल्ली, 08 मार्च (एजेंसियां)।

भारत और ऑस्ट्रेलिया ने रक्षा साझेदारी को मजबूत करने, आपसी विश्वास और समझ को बढ़ाने तथा हिंद-प्रशांत क्षेत्र में परस्पर रणनीतिक हितों के लिए समन्वय बढाने की प्रतिबद्धता व्यक्त की है।

प्रमुख रक्षा अध्यक्ष जनरल अनिल चौहान की शुक्रवार को संपन्न हुई आस्ट्रेलिया की चार दिन की यात्रा के दौरान देशों ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी के तहत क्षेत्रीय सुरक्षा और सैन्य सहयोग के प्रति साझा प्रतिबद्धता पर जोर दिया।

रक्षा मंत्रालय ने शनिवार को बताया कि विचार-विमर्श में सैन्य सहयोग को मजबूत करने पर ध्यान केंद्रित किया गया। बातचीत में हिन्द प्रशांत क्षेत्र में समुद्री सुरक्षा, संयुक्त अभ्यास, क्षमता निर्माण, रक्षा प्रौद्योगिकी आदान-प्रदान और नई द्विपक्षीय रक्षा पहलों पर मुख्य जोर दिया गया।

यात्रा के दौरान, जनरल चौहान को ऑस्ट्रेलियाई रक्षा बल के कार्यालयों में उनके आगमन पर औपचारिक गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। बाद में उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के चीफ ऑफ डिफेंस फोर्स एडमिरल डेविड जॉनसन और चीफ ऑफ स्टाफ कमेटी के साथ उच्च स्तरीय चर्चा की। जनरल चौहान ने मुख्यालय संयुक्त संचालन कमान का भी दौरा किया। उनके अन्य कार्यक्रमों में फोर्सेज कमांड मुख्यालय, ऑस्ट्रेलियाई सेना और फ्लीट मुख्यालय, रॉयल ऑस्ट्रेलियाई नौसेना का दौरा शामिल है, जिसमें समुद्री सुरक्षा और रणनीतिक संचालन में गहन समन्वय को बढ़ावा दिया गया।

सैन्य प्रशिक्षण और शिक्षा के प्रति भारत की प्रतिबद्धता के अनुरूप, जनरल चौहान ने ऑस्ट्रेलियाई रक्षा कॉलेज का दौरा किया, जहाँ उन्होंने एडीसी के कमांडेंट रियर एडमिरल जेम्स लाइब्रांड के साथ पेशेवर सैन्य शिक्षा को बढ़ाने पर चर्चा की। सीडीएस ने हिन्द प्रशांत क्षेत्र में रणनीतिक चुनौतियों पर रक्षा और सामरिक अध्ययन पाठ्यक्रम के वरिष्ठ अधिकारियों को संबोधित किया और एडीसी में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे भारतीय छात्र अधिकारियों के साथ बातचीत की, द्विपक्षीय सैन्य समझ और पेशेवर आदान-प्रदान को बढ़ावा देने में उनकी भूमिका को स्वीकार किया। उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के प्रमुख रक्षा उद्योग प्रतिष्ठानों का भी दौरा किया, जहां उन्होंने ऑस्ट्रेलिया के उन्नत रक्षा विनिर्माण, अनुसंधान एवं विकास तथा तकनीकी नवाचारों के बारे में प्रत्यक्ष जानकारी प्राप्त की। जनरल चौहान ने ऑस्ट्रेलियाई युद्ध स्मारक पर श्रद्धांजलि भी अर्पित की।

पीओके के लोग करेंगे भारत में शामिल होने मांग : राजनाथ सिंह

नई दिल्ली, 08 मार्च (एजेंसियां)।

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) को लेकर रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने शनिवार को एक बड़ा बयान दिया। उन्होंने स्पष्ट तौर पर कहा कि वह पाकिस्तान से यह उम्मीद नहीं करते कि वह पीओके को भारत के हवाले कर देगा। राजनाथ सिंह का मानना है कि पीओके के लोग खुद ही यह मांग करेंगे कि उन्हें भारत के साथ जोड़ दिया जाए और जम्मू-कश्मीर के साथ एकीकृत कर लिया जाए।

रक्षा मंत्री ने न्यूज एजेंसी आईएएनएस से खास बातचीत करते हुए कहा कि मैं पाकिस्तान से यह अपेक्षा नहीं करता कि वह हमें पीओके वापस कर देगा। मेरा तो यह मानना है कि पीओके के लोग ही यह मांग उठाएंगे कि हमें भारत में शामिल कर दिया जाए, उन्हें जम्मू-कश्मीर के साथ जोड़ दिया जाए। क्योंकि जिस तरह से भारत का आर्थिक विकास लगातार आगे बढ़ रहा है और

अंतरराष्ट्रीय मंच पर भारत की प्रतिष्ठा तेजी से बढ़ी है, उसे देखते हुए पाक अधिकृत कश्मीर के लोगों को भी यह महसूस होने लगा है कि यदि हम अपना विकास चाहते हैं, तो भारत जैसे देश के साथ जुड़कर ही अब अपने क्षेत्र का विकास कर सकते हैं। राजनाथ सिंह ने आगे कहा कि पीओके को मैं देश नहीं कहता, उसे क्षेत्र कहता हूं। मुझे लगता है कि पीओके के लोग भारत में शामिल होने की मांग करेंगे तो पाकिस्तान मजबूर हो जाएगा। मुझे यह भी लगता है कि पीओके को पाकिस्तान की सहमति की जरूरत भी क्यों पड़ेगी? मैं ऐसा मानता हूं।

वहीं, बांग्लादेश की स्थिति को लेकर सवाल किए जाने पर रक्षा मंत्री ने कहा कि भारत हमेशा अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना चाहता है, बांग्लादेश भी हमारा पड़ोसी देश है। हम अपने पड़ोसियों के साथ अच्छे संबंध बनाए रखने की कोशिश करते हैं, क्योंकि हमारे पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी कहते थे कि हम दोस्त बदल सकते हैं, लेकिन पड़ोसी नहीं बदल सकते। यही वजह है कि हम अपने पड़ोसी बांग्लादेश के साथ अच्छे संबंध बनाए रखना चाहेंगे।

कठुआ के बिलावर में लापता तीन नागरिकों के शव मिले

इस साल फरवरी में भी दो को अगवा कर मार डाला था

जम्मू, 08 मार्च (ब्यूरो)।

कठुआ जिले के बिलावर इलाके में 3 दिनों से लापता तीन नागरिकों के शव मिलने के बाद से पूरे इलाके में सनसनी फैली हुई है। इससे पहले इस साल 16 फरवरी को भी बिलावर में दो नागरिकों की आतंकियों ने हत्या कर दी थी। हालांकि इन तीन मौतों के प्रति फिलहाल पुलिस स्पष्ट तौर पर कुछ कहने को तैयार नहीं है कि उनकी हत्याएं की गई हैं या फिर वे नाले में गिर कर मारे गए हैं। पुलिस ने बताया कि कठुआ जिले के बिलावर के लोहाई मल्हार गांव में 6 मार्च की शाम को लापता हुए तीन नागरिकों के शव शनिवार को बरामद किए गए। जिले के लोहाई मल्हार इलाके में सेना तीनों के लापता होने के बाद से ही तलाशी अभियान चला रही थी। हालांकि, पुलिस इस एंगल की जांच में अभी भी जुटी है कि

तीनों की मौत नाले में डूबने से हुई है या फिर इनकी हत्या की गई है। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बिलावर के ऊपरी इलाकों में ड्रोन निगरानी का उपयोग करके नाले के पास शवों को देखा गया था, जिसके बाद उन्हें बरामद किया गया।

उनकी मौत के पीछे के कारण के बारे में पूछे जाने पर, अधिकारी ने कहा कि जांच चल रही है और चिकित्सा-कानूनी औपचारिकताएं पूरी होने के बाद विवरण साझा किए जाएंगे। यह पूछे जाने पर कि क्या इसमें आतंकवाद का पहलू था, अधिकारी ने कहा कि यह जांच का विषय है और इस समय निष्कर्ष निकालना जल्दबाजी होगी।

तीनों की पहचान वरुण सिंह, 15, पुत्र चमेल सिंह, निवासी देहोटा गांव, योगेश सिंह, 32, पुत्र शोरी लाल और दर्शन सिंह, 40, दोनों मरहून गांव के रूप में हुई है। शवों की बरामदगी सेना और पुलिस द्वारा क्षेत्र में शुरू की गई व्यापक तलाशी के बीच हुई है। हालांकि बिलावर इलाके में तीन दिन पहले संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हुए 3 लोगों की तलाश के लिए पुलिस ने अभियान तेज करने का दावा उस समय किया था जब इस मामले को लेकर इलाके के विधायक ने विधानसभा में मांग की थी। पुलिस के मुताबिक, बिलावर क्षेत्र के मेहरून गांव से लापता हुए लोगों में 15 वर्षीय वरुण सिंह, 32 वर्षीय योगेश सिंह और 40 वर्षीय दर्शन सिंह शामिल हैं. यह तीनों ग्रामीण इलाके के निवासी हैं और बीते 3 दिनों से उनका कोई सुराग नहीं मिल पाया था।

कठुआ जिले की बिलावर विधानसभा से विधायक सतीश शर्मा ने इस मामले को विधानसभा में उठाया था, जिसके बाद पुलिस सक्रिय हुई।

उन्होंने कहा था कि गुरुवार (6 मार्च) को मामला सदन में लाने के बाद पुलिस के बाद ही कुछ अधिकारी मौके पर गए। विधायक सतीश शर्मा का कहना था कि मैं दो दिन से सो नहीं पाया हूं। यह घटना बिलावर जैसे शांतिपूर्ण क्षेत्र के लिए एक बड़ी चुनौती बन चुकी है। लोग शांति से रहना चाहते हैं, लेकिन इस तरह की घटनाएं चिंताजनक हैं। अगर पुलिस इस मामले को हल नहीं कर पा रही है, तो सेना को बुलाया जाना चाहिए।

उन्होंने बताया कि चार दिन पहले यह घटना तब घटी, जब तीनों व्यक्ति जंगल के रास्ते से गुजर रहे थे और रास्ता भटक गए थे। इसके बाद उनका कोई अता-पता नहीं चला। विधायक ने कहा कि शासन-प्रशासन इस मामले में प्रयास कर रहा है, लेकिन अब तक कोई ठोस जानकारी नहीं मिल पाई है। इससे पहले 16 फरवरी को बिलावर के कोहाग गांव में दो नागरिक शमशेर (37) और रोशन (45) मृत पाए गए थे। पुलिस ने दोनों के मामले की जांच के लिए पहले ही एक विशेष जांच दल का गठन कर दिया है।

बाबा और कान्हा के दरबार से परस्पर भेजा गया उपहार

वाराणसी/लखनऊ, 08 मार्च (एजेंसियां)।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास द्वारा श्री कृष्ण जन्मस्थान मथुरा के साथ नवीन सनातन नवाचार प्रारंभ किया गया है। इसके अंतर्गत होली पर्व के अवसर पर रंगभरी एकादशी से पहले श्री काशी विश्वनाथ धाम से भगवान विश्वनाथ द्वारा श्री कृष्ण जन्मस्थान मथुरा में विराजमान लड्डू गोपाल को उपहार तथा श्री कृष्ण जन्मस्थान मथुरा से भगवान लड्डू गोपाल द्वारा श्री काशी विश्वनाथ जी को भी समारोहपूर्वक भेंट प्रेषित की गई है। श्री काशी विश्वनाथ महादेव की प्रेरणा से उत्पन्न हुए इस नवाचार के क्रियान्वयन हेतु मंदिर न्यास के अधिकारियों ने श्रीकृष्ण जन्मस्थान के अधिकारियों से बातचीत की, जिसका वहां के अधिकारियों ने भी स्वागत किया।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण ने श्री कृष्ण जन्मस्थान मथुरा के सचिव कपिल शर्मा और गोपेश्वर चतुर्वेदी से बातचीत की थी, जिसका वहां के अधिकारियों ने भी सहर्ष स्वागत एवं समर्थन किया था। इसी क्रम में शनिवार को विधि विधान पूर्वक उपहार की समस्त सामग्री श्री विश्वेश्वर को

अर्पित करने के उपरांत साज-सज्जा और धूमधाम से मंदिर न्यास के मुख्य कार्यपालक अधिकारी विश्व भूषण, अपर मुख्य कार्यपालक अधिकारी निखिलेश कुमार मिश्र, डिप्टी कलेक्टर- शंभू शरण, विशेष कार्याधिकारी- उमेश कुमार सिंह, नायब तहसीलदार- मिनी एल शेखर समेत समस्त कार्मिकों की सहभागिता से भगवान श्री लड्डू गोपाल के लिए होली के शुभ अवसर पर उपहार

सामग्री प्रेषित की गई। इसी प्रकार मथुरा में श्री कृष्ण जन्मस्थान से आज ही श्री विश्वेश्वर महादेव को अर्पित उपहार भी रवाना किए गए हैं।

मथुरा और काशी मोक्षदायिनी नगरी हैं। इन दोनों तीर्थस्थलों के बीच समन्वय और श्रद्धा का आदान-प्रदान अभिनव पहल है, जिसे इस वर्ष के रंगभरी एकादशी और होली पर्व में सम्मिलित किया जाएगा। इस उपहार आदान-प्रदान के साथ दोनों धामों के भक्तों को विशेष रूप से भगवान लड्डू गोपाल के रूप में बाल स्वरूप के भगवान और बाबा विश्वनाथ से आशीर्वाद प्राप्त होगा।

दोनों पवित्र स्थलों से उपहार भेजते तथा स्वीकार करते समय समारोहपूर्वक उत्सव भी आयोजित किया जाएगा।

श्री काशी विश्वनाथ धाम में मथुरा से प्राप्त भेंट सामग्री को रविवार (9 मार्च) को प्रातः 6.30 बजे समारोहपूर्वक ग्रहण कर भगवान विश्वनाथ तथा मथुरा में श्री कृष्ण जन्मस्थान में रविवार को ही काशी से प्राप्त उपहार सामग्री को प्रातः 9 बजे समारोह पूर्वक स्वीकार कर भगवान लड्डू गोपाल को अवलोकित कराया जाएगा। उपहार में प्राप्त प्रसाद सामग्री का वितरण दोनों धाम में श्रद्धालुओं को किया जाएगा। श्री कृष्ण जन्मस्थान मथुरा से प्राप्त रंग अबीर गुलाल का प्रयोग रंगभरी एकादशी तथा होली के पर्व पर भगवान विश्वनाथ को अर्पित करने में किया जाएगा। इसी प्रकार श्री काशी विश्वनाथ धाम से श्री कृष्ण जन्मस्थान मथुरा को प्रेषित सामग्री का प्रयोग रंगभरी एकादशी एवं होली पर्व पर भगवान लड्डू गोपाल की होली में किया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा में बोले मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ

महाराणा प्रताप ने देश धर्म की रक्षा के लिए जीवन न्यौछावर किया

ग्रेटर नोएडा, 08 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज ग्रेटर नोएडा में विभिन्न विकास परियोजनाओं का शुभारंभ करते हुए जनता को संबोधित किया। अपने संबोधन में उन्होंने वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप के बलिदान और राष्ट्रभक्ति की मिसाल को याद करते हुए कहा कि महाराणा प्रताप ने स्वदेश और स्वधर्म की रक्षा के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप के जीवन से हमें राष्ट्र के प्रति समर्पण और संघर्ष की प्रेरणा मिलती है।

सीएम योगी ने कहा कि हल्दीघाटी का युद्ध महाराणा प्रताप को एक महानायक के रूप में स्थापित करता है। मात्र 20 हजार सैनिकों के साथ उन्होंने मुगल सम्राट अकबर की लाखों की सेना का सामना किया। उन्होंने कहा कि अकबर और औरंगजेब कभी भी भारत के नायक नहीं हो सकते, क्योंकि उन्होंने राष्ट्र की आत्मा को आघात पहुंचाने का कार्य किया।

सीएम ने कहा कि स्वतंत्र भारत में राष्ट्र नायकों की प्रेरणा के बल पर ही हम आगे बढ़ रहे हैं। सीएम योगी ने कहा कि भारत की सांस्कृतिक विरासत को कमजोर करने के लिए कुछ लोग लगातार षड्यंत्र करते रहते हैं। उन्होंने महाकुंभ को बदनाम करने की साजिश का जिक्र करते हुए कहा कि इस बार कुंभ में 66 करोड़ 30 लाख श्रद्धालुओं ने आस्था की डुबकी लगाई। उन्होंने कहा कि हमारी आस्था भी अर्थव्यवस्था को मजबूती प्रदान कर सकती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि विदेशी यह समझने में असमर्थ हैं कि भारत के मथुरा, काशी और अयोध्या में क्या हो रहा है। होली के अवसर पर जब वे सबको एक साथ उमंग और उत्साह से रंगों में सराबोर देखते हैं, तो वे चकित रह जाते हैं।

सीएम योगी ने कहा कि उनकी सरकार ने प्रदेश में 1500 करोड़ रुपए के निवेश की योजनाओं को धरातल पर उतारने का काम किया है। इससे हजारों लोगों को रोजगार मिलेगा। उन्होंने कहा कि ग्रेटर नोएडा में डेटा सेंटर बनने से 1000 युवाओं को रोजगार मिलेगा, वहीं माइक्रोसॉफ्ट जैसी बड़ी कंपनियों के निवेश से हजारों लोगों को नौकरियां मिलने की संभावना है। इसके अलावा शारदा यूनिवर्सिटी में बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। मुख्यमंत्री ने 14 उद्यमियों को चेक वितरित किए और दादरी में 100 बेड का अस्पताल, खेल स्टेडियम, आईटीआई और बाईपास के निर्माण की घोषणा की।

सीएम योगी ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था को बेहतर बनाया गया है। उन्होंने महाकुंभ का उदाहरण देते हुए कहा कि इतने बड़े आयोजन में एक भी लूट, अपहरण या डकैती की घटना नहीं हुई।

उन्होंने कहा कि उत्तर प्रदेश भगवान राम, कृष्ण और महादेव की भूमि है और यही कारण है कि यहां अब विकास की वर्षा हो रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश में अब पहचान और सुरक्षा का संकट नहीं है। बेटियां सुरक्षित महसूस कर रही हैं और आगे बढ़ रही हैं। उन्होंने कहा कि उनकी सरकार किसान हितैषी नीतियों को लागू कर रही है जिससे प्रदेश के किसानों के जीवन में खुशहाली आए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जेवर में बन रहा अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा और फिल्म सिटी प्रदेश को नई ऊंचाइयों पर ले जाएगा। उन्होंने बताया कि इस जिले में पूरे देश के 65 प्रतिशत मोबाइल का निर्माण किया जा रहा है, जिससे यहां के लोगों को रोजगार मिल रहा है। सीएम ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत के विजन में उत्तर प्रदेश की भूमिका सबसे अग्रणी होगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश में निवेश और उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए सरकार लगातार कार्य कर रही है ताकि युवाओं को अधिक से अधिक रोजगार मिल सके। अंत में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेशवासियों को महिला दिवस और होली की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी सरकार हर वर्ग के विकास के लिए समर्पित है और प्रदेश को नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए प्रतिबद्ध है।

हेल्थ टूरिज्म का हब बन रहा गौतमबुद्ध नगर

ग्रेटर नोएडा में शारदा केयर-हेल्थ सिटी का लोकार्पण

गौतमबुद्ध नगर, 08 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को एक दिवसीय दौरे पर गौतमबुद्ध नगर पहुंचकर ग्रेटर नोएडा में शारदा केयर-हेल्थ सिटी का लोकार्पण किया। इस अवसर पर सीएम योगी ने शारदा ग्रुप को धन्यवाद देते हुए इसे सेवा और निवेश का अनूठा संगम बताया। अपने संबोधन में मुख्यमंत्री ने कहा कि एक सभ्य समाज के लिए अच्छी शिक्षा के साथ-साथ उत्तम स्वास्थ्य सुविधाएं आवश्यक हैं। उन्होंने निजी क्षेत्र के योगदान की सराहना करते हुए कहा कि सरकार ने स्वास्थ्य क्षेत्र में निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए कई कदम उठाए हैं। सीएम योगी ने शारदा यूनिवर्सिटी को शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण केंद्र बताया। उन्होंने कहा कि हेल्थ टूरिज्म बहुत बड़ा सेक्टर है और गौतमबुद्ध नगर इसका बड़ा केंद्र बनकर उभर रहा है। यही कारण है कि आज पूरी दुनिया की निगाह हमपर है।

सीएम ने पिछले एक दशक में स्वास्थ्य के क्षेत्र में हुई प्रगति का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि जहां 70 साल में देश में 6 एम्स खुले, वहीं पीएम नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले 10 साल में इनकी संख्या 22 हो गई। उत्तर प्रदेश में 2017 तक केवल 12 मेडिकल कॉलेज थे, लेकिन पिछले 8 साल में 40 नए मेडिकल कॉलेज बनाए गए हैं। इसके अलावा निजी क्षेत्र में 37 और पीपीपी मॉडल में 3 नए मेडिकल कॉलेज (महाराजगंज, संभल और शामली) स्थापित किए गए हैं। आने वाले समय में बलिया और बलरामपुर में भी मेडिकल कॉलेज बनेंगे, जिसके लिए बजट में व्यवस्था की गई है। इसके बाद बचे हुए 6 जनपदों में भी मेडिकल कॉलेज स्थापित होंगे।

उन्होंने बताया कि यूपी में दो एम्स (गोरखपुर और रायबरेली) और बीएचयू का आईएमएस मौजूद है। हर जनपद में निःशुल्क डायलिसिस, सीटी स्कैन और एमआरआई की सुविधा उपलब्ध कराई गई है। ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर डॉक्टर और तकनीकी कर्मचारी उपलब्ध हों, इसके लिए भी प्रयास किए गए हैं। हर रविवार को प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्रों में मुख्यमंत्री आरोग्य मेला आयोजित होता है, जहां स्वास्थ्य योजनाओं की जानकारी दी जाती है। योगी ने कहा कि देश में सर्वाधिक 10 करोड़ लोगों को आयुष्मान भारत के गोल्डन कार्ड यूपी में दिए गए हैं। इसके अलावा, आशा वर्कर, एएनएम, होमगार्ड, पीआरडी जवान और चौकीदारों को भी 5 लाख रुपए का स्वास्थ्य बीमा प्रदान किया जाएगा। पारंपरिक चिकित्सा को बढ़ावा देने के लिए भी कई अहम कदम उठाए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने हेल्थ टूरिज्म को एक बड़ा क्षेत्र बताते हुए कहा कि भारत इसमें अग्रणी हो सकता है और गौतमबुद्ध नगर एआई का बड़ा केंद्र बनने की ओर अग्रसर है। सीएम ने कोविड काल का जिक्र करते हुए कहा कि जब दिल्ली में अव्यवस्था थी, तब मेरठ, गाजियाबाद, बुलंदशहर और शामली में लोग इलाज के लिए आए। इस दौरान शारदा ग्रुप ने जनता की सेवा में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने विश्वास जताया कि शारदा केयर-हेल्थ सिटी लोगों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान करेगा। इस अवसर पर कैबिनेट मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, योगेंद्र उपाध्याय, सांसद डॉ. महेश शर्मा, सुरेंद्र नागर, विधायक धीरेंद्र सिंह, एमएलसी श्रीचंद शर्मा, मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह, शारदा विश्वविद्यालय के चांसलर पीके गुप्ता, वाइस चांसलर वाईके गुप्ता, प्रशांत गुप्ता, ऋषभ गुप्ता सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

सीएम योगी ने किया सिफी डाटा सेंटर का उद्घाटन

गौतमबुद्ध नगर, 08 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को वैदिक मंत्रोच्चार के बीच सिफी डाटा सेंटर का उद्घाटन किया। गौतमबुद्धनगर के सेक्टर 132 स्थित डाटा सेंटर के उद्घाटन व लोकार्पण समारोह में हिस्सा लेते हुए सीएम योगी ने कहा कि आज के आधुनिक युग की आवश्यकता के अनुसार, युवाओं की जरूरतों और वैश्विक परिदृश्य के अनुसार, हमने अपने अनुसंधान और विकास के माध्यम से उस प्रकार की तकनीक पर नीतियां तैयार की हैं। उन्होंने कहा कि हमने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में एक बड़ी छलांग लगाई है जिसके सकारात्मक परिणाम आज हम सबको स्पष्ट रूप से देखने को मिल रहा है। सीएम योगी ने सिफी के डाटा सेंटर का उद्घाटन फीता काटकर किया। इस दौरान उन्होंने तिरुपति बालाजी के चित्र का लोकार्पण करते हुए वेंकटेश्वर स्वामी की स्तुतियों का श्रवण किया तथा सिफी को शुभकामनाएं दीं। सीएम योगी ने कहा कि देश के शीर्ष उपलब्धि वाले राज्य के रूप में, उत्तर प्रदेश ने ईज ऑफ डूइंग बिजनेस में बड़ी उपलब्धि हासिल की है। निवेश मित्र सिंगल विंडो क्लियरेंस सिस्टम हमारी पारदर्शी प्रक्रिया को दर्शाता है और प्रदेश में उद्योगपरक नीतियों को लागू करने का ही परिणाम आज हम सब देख रहे हैं। सीएम योगी ने डाटा सेंटर का भ्रमण करते हुए विभिन्न विभागों, कार्यप्रणालियों और संचालन प्रक्रिया के साथ ही यहां लोगों को मिलने वाली सुविधाओं के बारे में भी जानकारी ली। उन्होंने कमांड सेंटर और सर्वर रूम का आवलोकन भी किया और डाटा सेंटर के विभिन्न तकनीकी पहलुओं के बारे में जानकारी ली। इस दौरान सीएम योगी के साथ वित्त मंत्री सुरेश खन्ना, औद्योगिक विकास मंत्री नंद गोपाल गुप्ता नंदी, चीफ सेक्रेटरी मनोज कुमार सिंह समेत वरिष्ठ अधिकारी तथा सिफी के निदेशक, प्रबंधक व अन्य अधिकारी गण उपस्थित रहे

अकबर हो या औरंगजेब, सबकी मानसिकता एक : योगी आदित्यनाथ

हमारे राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप, छत्रपति शिवाजी और गुरु गोविंद सिंह हैं

गौतमबुद्ध नगर, 08 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को दादरी में वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की भव्य प्रतिमा का अनावरण किया। इस अवसर पर जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने महाराणा प्रताप के स्वाभिमान, स्वधर्म और स्वदेश के प्रति अद्वितीय समर्पण को याद करते हुए उन्हें सच्चा राष्ट्रनायक करार दिया। एनटीपीसी परिसर में महाराणा प्रताप स्टेडियम में आयोजित इस भव्य समारोह में मुख्यमंत्री ने उनकी वीरता की गाथा को विस्तार से बयां किया। सीएम योगी ने यह भी कहा कि अकबर हो या औरंगजेब, हिन्दुओं के प्रति सबकी मानसिकता एक ही थी। उन्होंने कहा कि हमारे आदर्श और राष्ट्रनायक महाराणा प्रताप, वीर शिवाजी और गुरु गोविंद सिंह जी महाराज हैं, ना कि अकबर या औरंगजेब। वहीं मुख्यमंत्री ने राणा सांगा की वीरता का भी जिक्र किया। सीएम योगी ने जनसभा स्थल से ही गौतमबुद्ध नगर के लिए 1,467 करोड़ की 97 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास भी किया।

मुख्यमंत्री ने अपने संबोधन में महाराणा प्रताप के जीवन और कृतित्व पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि महाराणा प्रताप ने स्वदेश और स्वधर्म के लिए अपना पूरा जीवन समर्पित कर दिया। तनिक स्वार्थ के लिए सत्ता के सामने झुकने की बजाय, उन्होंने स्वाभिमान को चुना। चित्तौड़ के राजवंश में जन्मे और कुंभलगढ़ में पैदा हुए महाराणा प्रताप ने मात्र 28 साल की उम्र में अकबर जैसे विशाल साम्राज्य से पहला युद्ध लड़ा। सीएम योगी ने हल्दीघाटी की प्रसिद्ध लड़ाई का जिक्र करते हुए कहा कि 20 हजार सैनिकों के साथ लाखों की सेना का मुकाबला करने वाला योद्धा ही हमारा सच्चा नायक हो सकता है। हल्दीघाटी ने उन्हें राष्ट्रनायक का दर्जा दिया। उन्होंने जोर देकर कहा कि महाराणा प्रताप ने अपने जीवनकाल में मेवाड़ के खोए हुए क्षेत्रों को वापस लेकर अकबर को घुटने टेकने पर मजबूर किया। उनके घोड़े चेतक की स्वामिभक्ति भी अद्भुत थी। आज भी हल्दीघाटी की मिट्टी को लोग तीर्थ के रूप में सम्मान देते हैं। यह भारत की महान परंपरा का प्रतीक है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि अकबर कभी नायक नहीं हो सकता। चाहे अकबर हो या औरंगजेब, इनकी हिंदुओं के प्रति मानसिकता एक जैसी थी। इन्होंने भारत की सनातन परंपरा को रौंदने के लिए तमाम षड्यंत्र रचे। इसके विपरीत, महाराणा प्रताप ने अपने बलिदान से सनातन संस्कृति की रक्षा की। योगी ने छत्रपति शिवाजी महाराज और गुरु गोविंद सिंह का भी उल्लेख किया और कहा कि ये राष्ट्रनायक हमारी प्रेरणा हैं। जो इनका सम्मान नहीं करते, वे विकृत मानसिकता के शिकार हैं और उन्हें उपचार की जरूरत है। उन्होंने यह भी कहा कि वर्तमान पीढ़ी को इन महापुरुषों के जीवन से प्रेरणा लेनी चाहिए। महाराणा प्रताप का योगदान हमें सिखाता है कि स्वाभिमान और स्वधर्म से समझौता नहीं करना चाहिए। यही कारण है कि पूरा देश उन्हें याद करता है।

मुख्यमंत्री ने हाल ही में संपन्न हुए महाकुंभ और ब्रजभूमि में चल रहे होली उत्सव का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि 13 जनवरी से 26 फरवरी तक चले महाकुंभ में 66 करोड़ 30 लाख लोग आए, लेकिन कोई अप्रिय घटना नहीं हुई। यह हमारी संस्कृति और सुरक्षा का प्रमाण है। ब्रजभूमि के रंगोत्सव पर बोलते हुए उन्होंने कहा कि विदेशी आश्चर्यचकित हैं कि भारत में कोई भेदभाव नहीं, सब एक साथ रंगों में सराबोर हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन की सराहना करते हुए कहा कि आस्था और आजीविका के नए स्रोत खुल रहे हैं। हमारी संस्कृति हमारी समृद्धि का आधार बन रही है। उन्होंने कहा कि श्रीराम, श्रीकृष्ण, महादेव, मां गंगा और मां यमुना की कृपा के साथ ही अब यूपी पर मां लक्ष्मी का आशीर्वाद भी बरस रहा है।

उन्होंने कहा कि महाकुंभ को लेकर विधर्मियों ने जितनी अफवाह फैलाने की कोशिश की, सनातन धर्मावलंबियों ने उतने ही अधिक संख्या में प्रयागराज पहुंचकर संगम में आस्था की डुबकी लगाई। गंगाजल को दूषित बताया गया, मगर शायद उन्हें पता नहीं कि बहता पानी और रमता जोगी कभी अशुद्ध नहीं होता। हर सनातनी त्रिवेणी के पवित्र जल को आस्था के रूप में देखता है। पूरी दुनिया के लोग प्रयागराज आए और उत्तर प्रदेश के बारे में अच्छे विचार लेकर लौटे। सीएम योगी ने कहा कि जिन्हें भारत के इतिहास और परंपरा की जानकारी नहीं, वो भारत की नदी संस्कृति को भी नहीं जान पाएंगे। ऐसे कूप मंडूप आज भी भारत में मौजूद हैं।

सीएम योगी ने गौतमबुद्ध नगर के लिए कई घोषणाएं कीं, जिनमें राजकीय डिग्री कॉलेज, 100 बेड का चिकित्सालय, आईटीआई और स्टेडियम शामिल हैं। उन्होंने किसानों के लिए सर्किल रेट बढ़ाने और बाईपास निर्माण की बात पर भी सहमति जताई। मुख्यमंत्री ने मुख्य सचिव को कहा कि यहां ऐसा आईटीआई बनना चाहिए, जहां एआई, ड्रोन टेक्नोलॉजी सहित सभी मॉडर्न टेक्नोलॉजी की जानकारी युवाओं को दी जाए। उन्होंने बताया कि जेवर में देश का सबसे बड़ा एयरपोर्ट लगभग तैयार है, फिल्म सिटी बन रही है। गौतमबुद्ध नगर विकास के नए युग में प्रवेश कर चुका है। अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर उन्होंने प्रदेश की महिलाओं को शुभकामनाएं दीं और कहा कि आज उत्तर प्रदेश की महिलाएं सुरक्षित हैं, प्रदेश की महिलाएं स्वावलंबी होंगी, तो उत्तर प्रदेश विकसित भारत का ग्रोथ इंजन बनेगा।

मुरादाबाद में पकड़ा गया हिजबुल का आतंकी सैफुल इस्लाम

मुरादाबाद, 08 मार्च (एजेंसियां)। यूपी एटीएस ने आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिद्दीन के एक फरार आतंकवादी को गिरफ्तार किया है। आतंकी पर 25 हजार का इनाम घोषित था। वो कश्मीर के पुंछ जिले का रहने वाला है। गिरफ्तार किए गए आतंकी का नाम उल्फत हुसैन उर्फ मोहम्मद सैफुल स्लाम उर्फ अफजल उर्फ हुसैन मलिक है।

एटीएस ने बताया कि हिजबुल मुजाहिदीन के आतंकी को मुरादाबाद से गिरफ्तार किया है। यह साल 2002 से फरार चल रहा था। सैफुल इस्लाम ने हिजबुल मुजाहिदीन के पाक अधिकृत कश्मीर में स्थित सेंटर में ट्रेनिंग ली थी, उसके बाद वो मुरादाबाद में एक बड़ी आतंकी घटना को अंजाम देने के लिए पहुंचा था। इससे पहले 9 जुलाई 2001 को उल्फत हुसैन को एक एके-47, एक एके-56, दो पिस्टल, 12 हैंड ग्रेनेड, 50 डेटोनेटर, 29 किलो विस्फोटक और 507 जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया था। जमानत पर छूटने के बाद फरार हो गया था। हालांकि, जमानत पर छूटने के बाद वो फरार गया था। मुरादाबाद कोर्ट से उसके खिलाफ वारंट जारी हुआ था। मुरादाबाद पुलिस ने उल्फत हुसैन पर 25000 का इनाम घोषित कर रखा था।

एटीएस और मुरादाबाद पुलिस ने हिजबुल मुजाहिद्दीन के आतंकी उल्फत हुसैन को 18 साल बाद गिरफ्तार किया है। उस पर 25 हजार का इनाम था। उसने पाकिस्तान में आतंकी ट्रेनिंग ली थी और मुरादाबाद में बड़ी वारदात की फिराक में था। उल्फत हुसैन उर्फ मोहम्मद सैफुल इस्लाम उर्फ अफजाल उर्फ परवेज उर्फ हुसैन मलिक, निवासी फजलाबाद, सूरनकोट, पुंछ (जम्मू-कश्मीर) वर्ष 2001 में मुरादाबाद के थाना कटघर क्षेत्र से गिरफ्तार किया गया।

उसके कब्जे से भारी मात्रा में हथियार और विस्फोटक बरामद हुए थे। इस मामले में उल्फत हुसैन के खिलाफ 307 आईपीसी, आर्म्स एक्ट, पोटा और क्रिमिनल लॉ एक्ट के तहत मुकदमे दर्ज किए गए थे। वर्ष 2015 में उसके खिलाफ स्थायी गिरफ्तारी वारंट जारी किया गया था।

इसके बाद वह फरार हो गया था। दो मार्च को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक ने उस पर 25 हजार का इनाम घोषित किया था।

एटीएस की जांच में सामने आया कि उल्फत हुसैन ने 1999-2000 में आतंकी ट्रेनिंग ली थी। इसके बाद वह मुरादाबाद आया था और किसी बड़ी आतंकी घटना को अंजाम देने की फिराक में था। उसके पास से बरामद हथियार और विस्फोटक पाकिस्तान से लाए गए थे। एटीएस सहारनपुर और मुरादाबाद पुलिस की टीम ने तकनीकी और खुफिया जानकारी के आधार पर उसे जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले से गिरफ्तार किया।

उल्फत हुसैन के खिलाफ मुरादाबाद और जम्मू-कश्मीर में कई मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें आर्म्स एक्ट, विस्फोटक अधिनियम और आतंकवाद निवारण अधिनियम शामिल हैं। इस ऑपरेशन को सफल बनाने में एटीएस प्रभारी निरीक्षक सुधीर कुमार उज्जवल, थाना कटघर के उपनिरीक्षक विमल किशोर, विपिन कुमार और एटीएस की सहारनपुर फील्ड इकाई की टीम शामिल रही।

अजंता-एलोरा की गुफाएं

अजंता-एलोरा की गुफाएं हमारे इतिहास की अमूल्य धरोहर हैं। महाराष्ट्र के औरंगाबाद के निकट स्थित चट्टानों को काट कर बनाई गईं ये गुफाएं दुनिया भर में विख्यात हैं। अजंता औरंगाबाद से 106 किमी दूर है, तो एलोरा मात्र 26 किमी।

इन गुफाओं का वास्तुशिल्प और चित्रकला देख कर आप दंग रह जाएंगे। इसी विशेषता के कारण करीब डेढ हजार साल पुरानी ये गुफाएं आज भी पर्यटकों को प्रभावित करती हैं।

अजंता में कुल 29 गुफाएं हैं, जो कि नदी द्वारा निर्मित एक के दक्षिण में स्थित हैं। इनकी नदी से ऊंचाई 35 से 110 फुट तक की है। अर्धवृत्ताकार पहाड़ी में स्थित इन गुफाओं को चट्टानें काटकर बनाया गया है। ये सभी बौद्ध धर्म को समर्पित हैं। इनमें कुछ मूर्तियां भी विद्यमान है।

एलोरा गुफाएं अपने मूर्तिशिल्पों के कारण ही प्रसिद्ध हैं। एलोरा में कुल 34 गुफाएं हैं। पत्थरों को काट कर बनाई इन गुफाओं में 12 बौद्ध धर्म से जुड़ी हैं, 5 जैन तथा शेष 17 गुफाएं हिंदू मंदिरों के रूप में हैं। एलोरा की सभी गुफाएं छठीं से 10वीं शताब्दी के मध्य बनी हैं। ये भव्य गुफाएं और यहां के मूर्तिशिल्प महान कलासाधक शिल्पियों के अथक प्रयास के परिणाम हैं। पत्थर पर उकेरे गए जीवन के

विभिन्न आयामों को प्रदर्शित करते खजुराहो के देवालय आज दुनिया भर में प्रसिद्ध हैं। चंदेल राजाओं द्वारा इन भव्य मंदिरों का निर्माण एक हज़ार साल पहले करवाया गया था। उत्कृष्ट वास्तुकला और भित्तियों पर सजी सर्वोत्तम मूर्तिकला के कारण इन मंदिरों को आज विश्व विरासत का दर्जा प्राप्त है। इन मंदिरों की दीवारों पर जड़ी मूर्तियां भी इनकी विश्व में ख्याति का कारण हैं।

आज यहां केवल 22 मंदिर शेष हैं। इनमें से कुछ पंचायतन, तो कुछ सप्तरथ शैली में बने हैं। इनमें मतंगश्वर मंदिर सबसे प्राचीन है। खजुराहो के मंदिर तीन हिस्सों में बंटे हैं। यहां के महत्वपूर्ण मंदिर पश्चिमी समूह में विद्यमान हैं। पूर्वी मंदिर समूह में तीन हिंदू तथा चार जैन मंदिर हैं।

खतरनाक चींटियां

चींटियों का खलिहानों या अनाज घरों पर हमला एक ही दिन में कई किलो अनाज को चौपट कर देता है। कोमारा द्वीप की चींटियां भी बड़ी ख़तरनाक होती हैं। ये जब अपने विशाल समूह में होती हैं, तो वृक्षों तक को चट कर जाती हैं। यहां रहने वाले आदिवासी चींटियों के कहर से बचने के लिए बंदर पालते हैं, क्योंकि बंदर इन चींटियों को बड़े चाव से खाते हैं।

डाक टिकटों का जादू बेमिसाल है। शायद ही कोई व्यक्ति हो, जो किसी न किसी दौर में इस तिलिस्म से होकर न गुजरा हो। तो चलें, खोलें कुछ रोचक रहस्य और जानें डाक टिकटों के बारे में...

डाक टिकटों का खजाना

डाक टिकटें सिर्फ चिट्ठियों की रसीदें नहीं हैं। इनसे बहुत से विषयों पर कई प्रकार की जानकारी मिलती है। ये अनेक देशों और अंतरराष्ट्रीय घटनाओं की सांझा धरोहर हैं। ये टिकटें विभिन्न देशों के इतिहास, प्राकृतिक सौंदर्य और संस्कृतियों की सांझा अमानत हैं। डाक टिकट खरीदना और बेचना एक व्यवसाय भी है। अमरीका में डाक टिकट इकट्ठे करना सबसे प्रसिद्ध हॉबी है। बहुत से बच्चे जिन्होंने जीवन में कभी टिकट जमा नहीं किए, शायद यह लेख पढ़ने के बाद इस शौक में डूबेंगे।

पहली डाक टिकट

1840 में इंग्लैंड में पहली डाक टिकटें 'द पैनी ब्लैक' जारी की गईं। इनका यह नाम इसलिए पड़ा, क्योंकि इन टिकटों की कीमत एक पैनी थी और टिकट का रंग काला था। इस टिकट पर महारानी विक्टोरिया का चित्र अंकित था। 6 मई 1840 को दुनिया की सबसे पहली डाक टिकट के जन्म दिवस के तौर पर याद रखा जाता है। इसलिए इस दिन को वर्ल्ड्स फर्स्ट स्टैंप डे के तौर पर मनाया जाता है।

पहली आधुनिक डाक टिकट अमरीका द्वारा 1847 में जारी की गई। कुछ लोगों का मानना है कि इसे अमरीका के पहले पोस्ट मास्टर जनरल बैंजमिन फ्रैंकलिन ने मान्यता दी, जबकि कुछ मानते हैं कि इसे पहले राष्ट्रपति जार्ज वशिंगटन ने मान्यता दी।

स्टैंप क्लैक्शन

एक अनुमान के मुताबिक अमरीका में 20 मिलियन लोग डाक टिकट इकट्ठी करते हैं। कुछ देशों में तो डाक टिकट केवल स्टैंप क्लैक्शन के शौकीन लोगों के लिए ही जारी किए जाते हैं। इनका इस्तेमाल पत्रों पर नहीं होता। ये देश सिर्फ पैसा कमाने के लिए ही इन डाक टिकटों की छपाई करते हैं।

गलत छपाई

साल 1918 में कई डाक टिकटों पर भूलवश हवाई जहाज की उल्टी छपाई हो गई थी। उन्हें 'विचित्र जेनी' डाक टिकट के नाम से जाना जाता है। उन डाक टिकटों में से केवल 100 ही मिल पाई हैं, जोकि अमूल्य हैं।

1903 में आईलैंड के सैंट कीट्स ने डाक टिकट पर क्रिस्टोफर कोलंबस का एक चित्र अंकित किया, जिसमें उन्हें टैलिस्कोप में देखते हुए दर्शाया गया था। लेकिन इसमें भी चूक हो गई, क्योंकि टैलिस्कोप की खोज कोलंबस की मृत्यु के बाद ही हुई थी।

हूबहू चित्र

ऐसे टिकट बहुत ही कम देखने में आते हैं, जिनमें चित्र हूबहू एक हो, पर देशों के नाम अलग-अलग हों। इनमें से एक टिकट पर थाईलैंड का नाम अंकित है और दूसरे पर कैनेडा का। डाक टिकटों की दुनिया में यह एक विशेष उदाहरण है जब कैनेडा और थाईलैंड ने संयुक्त रूप से एक-से डाक टिकटों का प्रकाशन कर दो देशों के बीच सहयोग के नए दस्तावेज पर मोहर लगाई थी। कैनेडा पोस्ट के अध्यक्ष आंद्रे ओले ने इन्हें जारी करते हुए कहा था, 'ये टिकटें न केवल हमारे दोनों महान् देशों के, बल्कि दोनों देशों के डाक-विभाग के बीच अद्वितीय सहयोग की भी प्रतीक हैं। ये दोनों देशों और उनकी जनता के बीच राजदूत की भूमिका अदा करेंगी।'

मजेदार तथ्य

>> एक सर्वे के मुताबिक 200 देशों में डाक टिकटों की छपाई पिछले 150 सालों से हो रही है। अलग-अलग तरह की करीब 5 लाख डाक टिकटें दुनिया भर में हर साल जारी की जाती हैं।

>> 1973 में भूटान में म्यूजिक रिकॉर्ड्स जैसी डाक टिकटें जारी की गईं। ये सचमुच बहुत रोचक थीं, क्योंकि जब आप इस डाक टिकट को किसी रिकॉर्ड प्लेयर पर लगाते थे, तो यह भूटान का राष्ट्रीय गीत बजाती थी।

>> फरवरी 1964 में सियरा लियोन ने पहली सैल्फ-एडहैसिव स्टैंप्स जारी की।

>> डाक टिकट पर पहली व्यक्तिगत फोटो विलियम शेक्सपियर की छपी थी। इससे पहले केवल शाही लोगों के ही चित्र टिकटों पर अंकित होते थे।

>> साल 1993 में अमरीका के रॉक स्टार एलविस प्रैसली की तस्वीर वाली डाक टिकट बहुत मशहूर हुईऔर उसी साल 120 मिलियन डाक टिकटें बिक गई थीं।

>> ब्रिटेन एकमात्र ऐसा देश है जिसकी डाकटिकटों पर उसका नाम अंकित नहीं किया जाता।

>> पैसिफिक आइलैंड टोंगा में केले के आकार की डाक टिकटें जारी की गई थीं।

>> 1863 में कोलंबिया के राज्य बोलिवर ने सबसे छोटी डाक टिकट जारी की, जोकि 9.5×3.8 एमएम की थी।

>> ऑस्ट्रेलिया में एक ऐसी डाक टिकट जारी की गई, जो एकदम रत्न जैसी दिखती थी। इसे बनाने के लिए विशेष तकनीक का इस्तेमाल किया गया। ओपेल जैसी दिखने वाली डाक टिकट 1995 में जारी की गई और 1996 में असली हीरे जैसी दिखने वाली डाक टिकटें जारी की गईं।

>> स्पैशल क्रिसमस स्टैंप्स सबसे पहले 1966 में जारी की गईं, जिसकी छपाई करने वाली कंपनी रॉयल मेल हर साल 480 मिलियन स्टैंप्स तैयार करती है।

>> राष्ट्रीय टिकट संग्रहालय दिल्ली में है। यहां दुनिया भर के डाक टिकटों का अनूठा संग्रह है। यह संग्रहालय डाक भवन, सरदार पटेल चौक, नई दिल्ली में स्थित है। यहां स्टैंप कलैक्शन के शौकीन दुनिया भर की टिकटें खरीद भी सकते हैं।

माउंट एवरैस्ट बौद्ध धर्म के अनुयायियों के लिए धर्म का प्रतीक है। नेपाल में माउंट एवरैस्ट को सागरमथा कहा जाता है, जिसका अर्थ है आकाश में माथा...

सागरमथा

माउंट एवरैस्ट दुनिया की सबसे ऊंची चोटी है। इसकी ऊंचाई 8,848 मीटर (29,028 फुट) है। दुनिया की सबसे ऊंची ईमारत बुर्ज दुबई से भी यह करीब साढ़े बारह गुना ऊंची है। कई वैज्ञानिकों का मानना है कि इसकी ऊंचाई हर साल एक इंच बढ़ जाती है। तिब्बती भाषा बोलने वाले माउंट एवरैस्ट को 'चोमोलूंगमा' कहते हैं, जिसका अर्थ है 'देवी, दुनिया की मां'। इसका नाम सर जॉर्ज एवरैस्ट के नाम पर रखा गया। वह 1829 से 1843 तक भारत में सर्वेयर जनरल थे। माउंट एवरैस्ट की लोकेशन व ऊंचाई रिकॉर्ड करने वाले वह पहले व्यक्ति थे। 1856 में इस बात की पुष्टि की गई कि यह दुनिया की सबसे ऊंची चोटी है।

माउंट एवरैस्ट ग्लेशियर्स से ढंका हुआ है। यहां का तापमान शून्य से 45 डिग्री सैल्यिस नीचे तक गिर सकता है। यहां इतनी ठंड होती है कि प्लास्टिक भुरभुरा हो जाता है, बैटरियां काम करना बंद कर देती हैं और थूक जमीन पर पहुंचने से पहले ही जम जाती है। माउंट एवरैस्ट की ऊंचाई दुनिया भर के पर्वतारोहियों को आकर्षित करती है। अब तक करीब चार हजार लोगों ने इस चुनौती को पूरा करने की कोशिश की है। इनमें से अधिकतर कोशिशें मॉनसून से पहले मई में और मॉनसून के बाद सितंबर व अक्तूबर के महीनों के दौरान की गईं। 25,000 वर्ग फुट की ऊंचाई पर समुद्र के तल की अपेक्षा ऑक्सीजन केवल एक-तिहाई ही है। इस कारण हाइपोथर्मिया व फ्रोस्ट-बाइट की समस्याओं के अलावा

फेफड़ों व दिमाग से संबंधित परेशानियां भी हो सकती हैं। जो पर्वतारोही अपने साथ ऑक्सीजन लेकर चढ़ाई करते हैं, उनमें भी कमजोरी, फैसला लेने में कठिनाई, सिर दर्द, नॉजिया, डबल विजन और कई बार मतिभ्रम के लक्षण देखने को मिलते हैं। इसके बावजूद कई पर्वतारोहियों ने बगैर ऑक्सीजन के एवरैस्ट की चोटी तक पहुंचने में सफलता हासिल की है।

- 29 मई, 1953 को सर एडमंड हिलेरी और तेनजिंग नॉर्वे एवरैस्ट की चोटी पर पहुंचने वाले पहले व्यक्ति थे।
- सबसे तेज गति से पहाड़ की चोटी पर पहुंचने का रिकॉर्ड फ्रांस के जीन-मार्क बॉयविन के नाम है। वह पैराग्लाइडर से केवल 11 मिनट में एवरैस्ट की चोटी पर उतरने में सफल रहे।
- नेपाल के मोनो मुलेपति और पेम दोरजी शेरपा ने 30 मई, 2005 को यहां विवाह रचाया। शादी की रस्मों को पूरा करने के लिए वे एक पुजारी को भी अपने साथ लेकर गए। वो भी एक पर्वतारोही था।
- 76 साल की उम्र में एवरैस्ट की चोटी पर चढ़ने वाले मिन बहादुर शेरचन सबसे बड़ी उम्र के थे।
- नेपाल का 15 वर्षीय तेंबा तशेरी माउंट एवरैस्ट पर चढ़ने वाला छोटी उम्र का व्यक्ति था।
- 16 मई, 1973 को एवरैस्ट की चोटी पर पहुंचे वाली पहली महिला जापान की जूंको तबई थी।
- माउंट एवरैस्ट की चोटी पर सबसे ज्यादा समय बिताने का रिकॉर्ड बाबू चिरी शेरपा के नाम है। उन्होंने यहां साढ़े इक्कीस घंटे बिताए।

स्किन का रंग अलग-अलग होता है, क्यों?

स्किन की बाहरी लेयर के नीचे कुछ विशेष सैल्स होते हैं, जो पिगमेंट बनाते हैं, जिसे मैलानिन कहते हैं। इंसान की स्किन का रंग मुख्य रूप से शरीर में पाए जाने वाले तीन पिगमैंट्स या कलरिंग मैटीरियलस पर निर्भर करता है, ये हैं- मैलानिन, कैरोटिन और हीमोग्लोबिन। आपकी स्किन में कितना मैलानिन है, उसी से यह तय होता है कि आपका रंग गोरा होगा या काला। गोरे रंग वालों में मैलानिन कम होता है, जबकि गहरे रंग वालों में मैलानिन अधिक होता है। स्किन की भीतरी लेयर में मौजूद दूसरा पिगमेंट कैरोटीन यह तय करता है कि आपका स्किन टोन कितना पीला होगा।

आपमें पिगमेंट्स कितने हैं, यह उन जींस पर भी निर्भर करता है, जो आपको अपने पेरेंट्स से प्राप्त होते हैं। यदि शरीर में ये तीन पिगमैंट्स न हों, तो हमारी स्किन का रंग क्रीमी व्हाइट होगा। इन पिगमैंट्स की कमी के चलते स्किन पर सफेद दाग बन जाते हैं। इस रोग को 'ल्यूकोडर्मा' के नाम से जाना जाता है।

कैसे जलती है माचिस की तीली

बच्चो, हम कोई चीज जलाने के लिए माचिस का प्रयोग करते हैं। माचिस की डिबिया से हम एक तीली निकालते हैं और उसे माचिस की कम चौड़ाई वाली साइड पर रगड़ते हैं। रगड़ने पर तीली जल उठती है। क्या आप जानते हैं कि आखिर माचिस की तीली को आग कैसे लग जाती है? असल में माचिस की खुरदरी सतह फास्फोरस के योगिकों से बनी होती है। फास्फोरस जरा-सी ऊष्मा यानी गर्मी पाते ही चिंगारी देने लगती है। माचिस की तीली के काले सिरे पर पोटाशियम क्लोरेट लगा होता है। पोटाशियम क्लोरेट ज्वलनशील पदार्थ होता है। इसे माचिस की खुरदरी सतह पर रगड़ने से ऊष्मा पैदा होती है। ऊष्मा मिलते ही सतह से चिंगारी निकलती है। इस चिंगारी से तीली के सिरे पर लगा ज्वलनशील पदार्थ जलने लगता है। इस तरह जलती है तीली। अगर तीली को किसी अन्य जगह पर रगड़ा जाए, तो वह नहीं जलती। इसका मुख्य कारण यह है कि उस जगह पर फास्फोरस नहीं लगा होता, फलस्वरूप तीली नहीं जलती।

क्या आप जानते हैं?

- एक कप कॉफी में एक हजार से ज्यादा कैमिकल होते हैं।
- पृथ्वी पर कारों की संख्या पॉपुलेशन ग्रोथ के मुकाबले तीन गुणा तेजी से बढ़ रही है।
- सिर्फ एक फीसदी बैक्टीरिया बीमारी पैदा करते हैं।
- एक सिगरेट व्यक्ति की जिंदगी के पांच मिनट कम कर देती है।
- अधिकतर गाएं तब अधिक दूध देती हैं, जब वे म्यूजिक सुनती हैं।
- मधुमक्खियों की आंखों पर बाल होते हैं।
- जब हिप्पो अपसैट होता है, तब उसके पसीने का रंग लाल हो जाता है।
- बबलगम में रबड़ होता है।
- स्टारफिश का दिमाग नहीं होता।
- टीवी देखने के मुकाबले हम सोते समय अधिक कैलोरीज़ बर्न करते हैं।
- डायनामाइट में मूंगफली का इस्तेमाल किया जाता है।

>> हम बताएं, आप बनाएं

गूगल पर सर्च करते समय आपने इसके 'लोगो' के डिजाइंस को बदलते देखा होगा। इसे डूडल कहते हैं। क्या है यह डूडल, पढ़ें...

गूगल का डूडल

इंटरनैट की दुनिया में गूगल ने अपना एक अलग मुकाम बनाया है। यह मुकाम उसने अपनी रचनात्मकता के बूते बनाया है। गूगल की रचनात्मकता उसके 'लोगो' से भी झलकती रहती है। आपने गूगल के सर्च इंजन का उपयोग करते समय गूगल का लोगो तो जरूर देखा होगा। कई बार आपने ध्यान दिया होगा कि गूगल के मूल लोगो के साथ कई प्रयोग किए जाते हैं, जैसे किसी महापुरुष के जन्मदिन, नववर्ष, क्रिसमस या अन्य किसी अंतरराष्ट्रीय दिवस जैसे मदर्स-डे, फादर्स-डे, वर्ल्ड एनवायरमेंट-डे या वैलेनटाइंस-डे पर। ऐसे समय में बनाए जाने वाले विशेष लोगो को गूगल 'हॉलीडे लोगो' या 'डूडल' कहते है। ये डूडल कुछ खास दिनों के लिए बनाए जाते हैं, जो उस दिन दुनियाभर की कंप्यूटर स्क्रीन पर गूगल के लोगो की जगह दिखाई देते हैं। गूगल की प्रतिभाशाली नौजवानों की टीम के एक सदस्य डेनिस ह्वांग ही गूगल के असली डूडलर हैं। 1978 में अमेरिका के टेनेसी राज्य में पैदा हुए ह्वांग दक्षिण कोरियाई मूल के हैं। वह 2000 से गूगल के साथ जुड़े हुए हैं और ये अनोखे डूडल बना रहे हैं। ह्वांग ने कैलिफोर्निया की स्टेनफोर्ड यूनिवर्सिटी से कंप्यूटर साइंस में ग्रैजुएशन के साथ ही गूगल के साथ इंटर्नशिप भी की, जहां इन्हें वैबसाइट्स बनाने में मदद करने का काम दिया गया था। इंटर्नशिप के बाद वह गूगल इंक. में वैबमास्टर बन गए। वैबमास्टर ह्वांग गूगल के लिए सालभर में तकरीबन 50 डूडल बनाते हैं। हाल ही में ह्वांग ने गांधीजी को लेकर गूगल का लोगो बनाया था। वह बताते हैं, 'डूडल बनाने से पहले गूगल पर इमेजिस की खोज के लिए जी-तोड़ मेहनत करनी पड़ती है। फिर सारी मेहनत को ऑ ज़र्व करने के बाद ऐसा डिजाइन बनाते हैं, जो लैटर्स के आकार के साथ इंटरैक्ट करे। यह सचमुच बहुत मजेदार होता है।' 14 जुलाई 2000 को ह्वांग ने बेस्टाईल डे (फ्रांस का राष्ट्रीय दिवस) पर पहला डूडल बनाया। यह इतना हिट हुआ कि पेज और ब्रिन ने ह्वांग को ही स्थाई डूडलर नियु त कर दिया। हालांकि गूगल के लिए पहला डूडल तो खुद गूगल के जनक लैरी पेज और सर्जेई ब्रिन ने ही बनाया था, जो खुद बहुत ही क्रिएटिव माइंड के हैं। कुछ समय पहले ही गूगल ने विभिन्न देशों के बच्चों के बीच एक प्रतियोगिता भी आयोजित कराई थी, जिसमें डूडलर खोजा जाना था। इसमें गूगल का सर्वश्रेष्ठ डूडल बनाने वाले बच्चे को एक लैपटॉप और उसके स्कूल को कई हजार डॉलर की स्कॉलरशिप मिलनी थी। अमेरिका में यह प्रतियोगिता क्रिस्टीन एनजिलबर्थ ने जीती, जिसे 15 हजार डॉलर की कॉलेज स्कॉलरशिप और एक लैपटॉप मिला। इसके अलावा उसके स्कूल को 25 हजार डॉलर की टै नोलॉजी ग्रांट भी दी गई। अभी कई देशों के विजेता बच्चों की घोषणा की जानी है। इन विजेता बच्चों के देश में एक विशेष दिन गूगल उनके बनाए गए डूडल का प्रदर्शन करेगा, जिसे करोड़ों लोग अपनी कप्यूटर स्क्रीन पर देख पाएंगे।

पाक ने अफगानी शरणार्थियों को 31 मार्च तक देश छोड़ने को कहा, अप्रैल से शुरू होगा जबरन निर्वासन

इस्लामाबाद , 08 मार्च (एजेंसियां) ।

अवैध शरणार्थियों के खिलाफ पाकिस्तान भी अमेरिका की तरह सख्त कदम उठाने जा रहा है। पाकिस्तान ने अवैध शरणार्थियों और अफगान नागरिक कार्ड (एसीसी) धारकों को 31 मार्च तक देश छोड़कर जाने को कहा है। निर्धारित समय के भीतर अगर उन्होंने स्वेच्छा से पाकिस्तान नहीं छोड़ा तो उन्हें 1 अप्रैल से जबरन निर्वासित किया जाएगा। यह निर्णय सरकार के अवैध विदेशी वापसी कार्यक्रम (आईएफआरपी) का हिस्सा है, जो शहबाज शरीफ सरकार ने 1 नवंबर 2023 से लागू किया था।

रिपोर्ट के मुताबिक, गृह मंत्रालय ने घोषणा की है कि सभी अफगान नागरिकता कार्ड धारकों और अवैध विदेशी नागरिकों को 31 मार्च 2025 तक देश छोड़ना होगा। जो लोग इस समय सीमा के भीतर स्वेच्छा से वापस नहीं लौटेंगे, उनके 1 अप्रैल 2025 से जबरन निर्वासन की प्रक्रिया शुरू होगी। गृह मंत्रालय ने भरोसा दिलाया है कि निष्कासन की प्रक्रिया के दौरान किसी प्रकार का दुर्व्यवहार नहीं किया जाएगा।

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान अपनी सीमा में हो रहे आतंकवादी हमलों और अपराधों के लिए लगातार अफगान नागरिकों को दोषी ठहरा रहा है। इन आरोपों के आधार पर साल 2023 में पाकिस्तान सरकार ने अवैध अफगान शरणार्थियों को वापस भेजने का अभियान शुरू किया था।

संयुक्त राष्ट्र के मुताबिक 2023 के बाद से अब तक 8 लाख से अधिक अफगानी पाकिस्तान से अफगानिस्तान लौट चुके हैं। पाकिस्तान ने लगभग 2.8 करोड़ अफगान शरणार्थियों को शरण दी है। अफगानिस्तान में पिछले 40 साल से जारी संघर्षों के दौरान ये शरणार्थी अलग-अलग समय पर पाकिस्तान पहुंचे हैं।खास बात यह है कि अफगानिस्तान में तालिबान के सत्ता में आने के बाद लाखों अफगान नागरिकों ने पड़ोसी देशों का रुख किया जिनमें सबसे ज्यादा संख्या में पाकिस्तान और ईरान पहुंचे। पाकिस्तान में पहले से ही लगभग 30 लाख अफगान शरणार्थी थे, जो 80 के दशक में आए थे।

न्यूज ब्रीफ

व्हाइट हाउस में विदेश मंत्री रुबियो और मस्क के बीच हुई भिड़ंत, ट्रंप ने किया बीच बचाव

वाशिंगटन। पद और प्रतिष्ठा गुस्से के आगे बौनी दिखाई देती है। दुनिया का सबसे शक्तिशाली अमेरिकी विदेश मंत्री और एलन मस्क को गुस्सा आया तो दोनों ने पद और प्रतिष्ठा की परवाह नहीं कि और एक दूसरे से भिड़ गए। व्हाइट हाउस में गुरुवार को एक उच्च-स्तरीय कैबिनेट बैठक के दौरान अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो और अरबपति सलाहकार एलन मस्क के बीच तीखी नोकझोंक देखने को मिली। इस घटना से ट्रंप प्रशासन के भीतर गहरे मतभेद खुलकर सामने आ गए। यह नोकझोंक उस समय हुई जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपनी कैबिनेट के साथ मौजूद थे और अंततः खुद उन्हें ही बीच-बचाव करना पड़ा। रिपोर्ट के अनुसार, यह तनाव कई हफ्तों से बना हुआ था, लेकिन इसने उस समय विस्फोटक रूप ले लिया जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की मौजूदगी में दोनों के बीच गरमागरम बहस हुई। दरअसल मस्क सरकार के खर्चों में भारी कटौती के प्रबल समर्थक रहे हैं और उन्होंने रुबियो पर उनके विभाग में पर्याप्त छंटनी न करने का आरोप लगाया। मस्क ने तंज कसते हुए कहा, आपने किसी को भी नहीं निकाला। मस्क ने विदेश मंत्रालय को अनावश्यक रूप से बड़ा करार दिया।इस पर रुबियो ने पलटवार करते हुए कहा कि उनके विभाग से 1,500 कर्मचारियों ने पहले ही स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति (बायआउट) ली है। उन्होंने व्यंग्यात्मक लहजे में मस्क से पूछा कि क्या वह इन लोगों को फिर से नौकरी पर रखना चाहते हैं ताकि उन्हें दिखावे के लिए निकाला जा सके। लेकिन मस्क इस सफाई से असंतुष्ट दिखे।

टोरंटो के पब में ताबड़तोड़ फायरिंग से मचा हड़कंप, 11 लोग घायल आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

टोरंटो, 08 मार्च (एजेंसियां) । कनाडा के टोरंटो शहर में शुक्रवार रात एक पब में हुई गोलीबारी की घटना में 11 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, यह घटना रात करीब 10:30 बजे प्रोग्रेस एवेन्यू और कॉर्पोरेट ड्राइव के पास स्थित एक पब में हुई।टोरंटो पुलिस ने बताया कि गोलीबारी की घटना के बाद आरोपी मौके से फरार होने में सफल रहा। घायल हुए सभी 11 लोगों को तत्काल प्रभाव से स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहाँ उनका इलाज चल रहा है। फिलहाल घायलों की स्थिति के बारे में विस्तृत जानकारी उपलब्ध नहीं है।पुलिस अधिकारी अभी तक इस बात की पुष्टि नहीं कर पाए हैं कि गोलीबारी के पीछे हमलावर का मकसद क्या था। यह भी स्पष्ट नहीं है कि हमले में किस प्रकार के हथियार का इस्तेमाल किया गया। जांचकर्ताओं की टीम घटनास्थल पर सबूत जुटा रही है और घटनाक्रम की कड़ियों को जोड़ने का प्रयास कर रही है। पुलिस ने घटना स्थल के आसपास रहने वाले निवासियों को सतर्क रहने की सलाह जारी की है। अधिकारियों ने आम जनता से अपील की है कि यदि उनके पास घटना के संबंध में कोई भी जानकारी है तो वे तुरंत पुलिस से संपर्क करें।पुलिस का कहना है कि वे मामले की गंभीरता से जांच कर रहे हैं और आरोपी को पकड़ने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं। फिलहाल, इस गोलीबारी की घटना से टोरंटो शहर में दहशत का माहौल है।

अब अमेरिका में नागरिकता पाने देनी होगी अपने सोशल मीडिया की जानकारी, जांच में गलत निकली जानकारी तो भुगतनी होगी सजा

वाशिंगटन। अब सोशल मीडिया पर सालों पहले की गई पोस्ट पर आपको सजा मिल सकती है। अब अमेरिका में

ग्रीन कार्ड या नागरिकता के लिए आवेदन करने वालों को अपने सोशल मीडिया अकाउंट्स की जानकारी भी देनी होगी। 5 मार्च 2025 को अमेरिकी गृह सुरक्षा विभाग ने जारी अधिसूचना में कहा है कि प्रवासियों को अब अपने सोशल मीडिया प्रोफाइल्स की जानकारी साझा करनी होगी। यह नया नियम कार्यकारी आदेश पर राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने हस्ताक्षरित किए थे। इस आदेश का मुख्य उद्देश्य राष्ट्रीय सुरक्षा को मजबूत करना और संभावित खतरों को रोकना है। इस बीच, यह साफ किया गया है कि इमिग्रेशन अधिकारी केवल सोशल मीडिया हैंडल्स की जानकारी ही मांगेंगे, पासवर्ड नहीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक हर साल अनुमानित 35 लाख से ज्यादा प्रवासियों पर यह नियम लागू हो सकता है। यूएस डिपार्टमेंट ऑफ होमलैंड सिक्योरिटी ने जनता को इस प्रस्ताव पर प्रतिक्रिया देने के लिए 60 दिन का समय दिया गया है, जिसके बाद यह तय किया जाएगा कि इसे लागू किया जाए ।

अमेरिका में रह रहे लाखों यूक्रेनी लोगों की होगी घर वापसी ट्रंप ने कहा, हम किसी को चोट पहुंचाना नहीं चाहते

वाशिंगटन, 08 मार्च (एजेंसियां) ।

अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि वह इस बात पर विचार कर रहे हैं कि युद्ध की वजह से अमेरिका में रह रहे लाखों यूक्रेनी नागरिकों की अस्थायी संरक्षित स्थिति को रद्द किया जाए या नहीं, हालांकि इस पर कोई अंतिम निर्णय नहीं लिया गया है। अमेरिकी मीडिया के मुताबिक ट्रंप ने ओवल ऑफिस में मीडिया कहा कि हम किसी को चोट पहुंचाना नहीं चाहते, मैं इस पर विचार कर रहा हूं, और कुछ लोग सोचते हैं कि यह उचित है, कुछ लोग नहीं सोचते हैं, और मैं जल्द ही इस पर निर्णय लूंगा। ट्रंप ने कहा कि यूक्रेन के लोगों को बहुत कुछ सहना पड़ा है। अमेरिकी राष्ट्रपति की यह टिप्पणी ऐसे समय में आई जब मीडिया रिपोर्ट में दावा किया गया कि ट्रंप प्रशासन ने लगभग 2,40,000 यूक्रेन के लोगों की सुरक्षा रद्द करने की योजना बनाई है। ये लोग फरवरी 2022 में यूक्रेन पर रूसी हमले के बाद अमेरिका आ गए थे। अगर यूक्रेनी लोगों की सुरक्षा रद्द की जाती है तो यह कदम उन व्यक्तियों को निर्वासित करने के लिए आधार तैयार करेगा।हालांकि व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव ने इस रिपोर्ट को यह कहते हुए खारिज कर दिया था कि कोई फैसला नहीं लिया गया है। बाइडेन प्रशासन ने घोषणा की थी कि वह यूक्रेन के लोगों को यूनाइटिंग फॉर यूक्रेन के माध्यम से देश में प्रवेश की अनुमति देगा। प्रवासियों को दो साल के लिए देश में पैरोल पर रहने की अनुमति दी जाएगी। बशर्ते वे अमेरिका स्थित प्रायोजक को सुरक्षित करने में सक्षम हों।

बाइडेन प्रसाशन की तरफ से अपने कार्यकाल के आखिरी महीने में यह ऐलान भी किया गया कि वह यूक्रेनवासियों के लिए अस्थायी संरक्षित स्थिति (टीपीएस) को अक्टूबर 2026 तक बढ़ा रहा है। ट्रंप प्रशासन ने इसी तरह के अन्य प्रोग्राम को भी निशाना बनाया है जो हैती, क्यूबा, निकारागुआ और वेनेजुएला के नागरिकों को देश में प्रवेश की अनुमति देते हैं। जनवरी में होमलैंड सुरक्षा सचिव क्रिस्टी नोएम ने अमेरिका में रहने वाले लगभग 6,00,000 वेनेजुएलावासियों की अस्थायी संरक्षित स्थिति को निलंबित कर दिया था, और उसके बाद लगभग 5,20,000 हैतीवासियों के लिए भी इसी प्रकार का कदम उठाया गया।

पहले जेलेंस्की को हड़काया अब पुतिन को धमकाने लगे ट्रंप, कहा- तत्काल अमेरिका पहुंचें

वॉशिंगटन

अमेरिका डॉन की तरह काम कर रहा है। जब चाहे जिसे चाहे हड़का देता है और किसी को भी व्हाइट हाउस में तलब कर लेता है। पहले यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को अपने दफ्तर बुलाकर धमकाया रुस को लगा ये बढिया रहा। लेकिन अब रुस को भी अमेरिका ने धमकी भरे अंदाज में व्हाइट हाउस बुलाया है।अमेरिकी प्रेसिडेंट डोनाल्ड ट्रंप ने रूस को खुली चेतावनी दे डाली है। ट्रंप ने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन को बड़े पैमाने पर प्रतिबंध और टैरिफ लगाने की धमकी दी है। उन्होंने रूस और यूक्रेन से तुरंत बातचीत की मेज पर आने के लिए कहा। ट्रंप ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म ट्रुथ सोशल पर कहा, इस तथ्य के आधार पर कि रूस इस समय युद्ध के मैदान में यूक्रेन पर पूरी तरह से पिटाई कर रहा है, मैं रूस पर बड़े पैमाने पर बैंकिंग प्रतिबंध, और टैरिफ लगाने पर गंभीरता से विचार कर रहा हूं, जब तक कि युद्ध विराम और शांति पर अंतिम समझौता नहीं हो जाता। ट्रंप ने आगे लिखा, रूस और यूक्रेन, इससे पहले कि बहुत देर हो जाए, अभी बातचीत की मेज पर आ जाइए। धन्यवाद! ट्रंप ने यह मांग उस हमले के बाद की है, जब यूक्रेन के ऊर्जा ग्रिड पर रात भर हुए बड़े पैमाने पर मिसाइल अटैक के बाद जेलेंस्की ने मॉस्को के साथ हवाई युद्धविराम का प्रस्ताव रखा है। कुछ ही घंटे पहले, यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की ने बताया कि वह शांति वार्ता के लिए क्राउन प्रिंस से मिलने के लिए अगले सोमवार को सऊदी अरब में होंगे। इसके बाद उनकी टीम मध्य पूर्व में अमेरिकी प्रतिनिधियों के साथ बातचीत करने के लिए रुकेगी, क्योंकि वे तत्काल एक सफल शांति समझौते की तलाश में हैं।

रूस से डील करने की तैयारी में ट्रंप, यूक्रेन से बातचीत को बताया मुश्किल

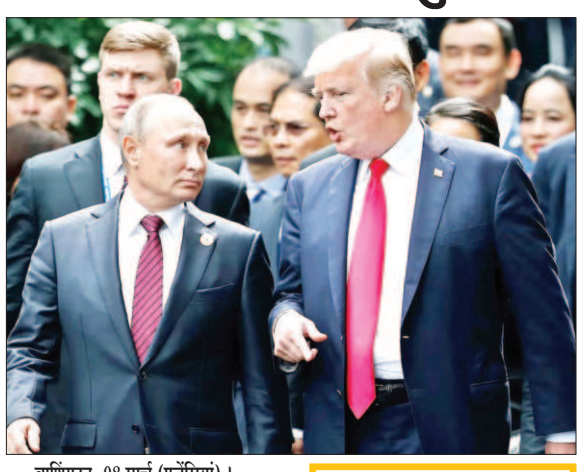

वाशिंगटन, 08 मार्च (एजेंसियां) ।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप रूस और यूक्रेन के युद्ध को खत्म करना चाहते हैं लेकिन ऐसा नहीं लगता कि वह इसके लिए यूक्रेन को मनाने की कोशिश करेंगे। उनका मानना है कि युद्ध को खत्म करने के लिए रूस के साथ किसी अंतिम समझौते पर पहुंचना यूक्रेन की तुलना में ज्यादा आसान है।

उन्होंने कहा कि अब सब कुछ रूसी राष्ट्रपति पुतिन के हाथ में है। अमेरिका ने यूक्रेन को सैन्य सहायता रोक दी है, जिसके बाद रूस जमकर हवाई हमले कर रहा है। इसे लेकर ट्रंप ने कहा कि मौजूदा स्थिति को देखते हुए पुतिन की जगह कोई भी होता तो वह यूक्रेन पर बमबारी कर रहा होता। हालांकि ट्रंप ने कहा कि वह यूक्रेन की मदद करना चाहते हैं लेकिन यूक्रेन को गंभीरता दिखानी होगी और शांति समझौते की दिशा में काम करना होगा। ट्रंप ने ओवल ऑफिस में कहा कि मुझे लगता है कि हम रूस के साथ अच्छी तरह आगे बढ़ रहे हैं, लेकिन अभी वे यूक्रेन पर जमकर बमबारी कर रहे हैं। यूक्रेन के साथ काम कर पाना बहुत मुश्किल हो रहा है, क्योंकि उनके पास ज्यादा विकल्प नहीं हैं। उन्होंने आगे कहा कि अंतिम समझौते पर पहुंचने के मामले में रूस के साथ डील करना आसान हो सकता है, जो आश्चर्यजनक है, क्योंकि उनके पास सभी कार्ड हैं। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि युद्ध समाप्त करने के लिए यूक्रेन और अमेरिका के बीच वार्ता अगले सप्ताह सऊदी अरब में होगी। जेलेंस्की ने कहा कि वह सोमवार को सऊदी अरब जाएंगे और उनकी टीम अमेरिकी अधिकारियों के साथ बातचीत करने के लिए वहीं रुकेगी।

ट्रंप ने कहा, अब सब कुछ रूसी राष्ट्रपति पुतिन के हाथ में

दिमाग की नसों में खून का थक्का जमने से होता है ब्रेन स्ट्रोक

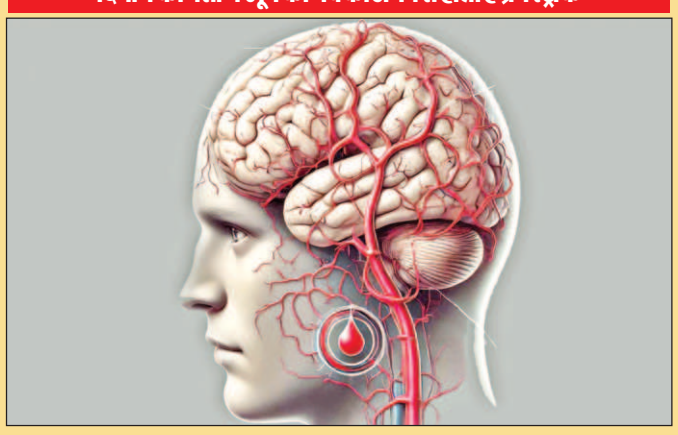

विशेषज्ञों के अनुसार, अगर ब्रेन स्ट्रोक के लक्षणों को समय रहते पहचान लिया जाए, तो इस गंभीर स्थिति से बचा जा सकता है। अक्सर बड़े स्ट्रोक से पहले मरीज को एक छोटा अटैक आता है, जिसे मिनी ब्रेन स्ट्रोक या ट्रांसिएंट इस्केमिक अटैक कहा जाता है। यह एक अस्थायी स्थिति होती है, जिसमें दिमाग की नस कुछ समय के लिए ब्लॉक हो जाती है, लेकिन यह 24 घंटे के अंदर खुद ही ठीक हो सकती है। हालांकि, इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए क्योंकि यह आगे चलकर बड़े स्ट्रोक का संकेत हो सकता है। ब्रेन स्ट्रोक तब होता है जब दिमाग की नसों में खून का थक्का जम जाता है और रक्त संचार बाधित हो जाता है। इसके लक्षणों में शरीर के एक तरफ कमजोरी महसूस होना, बोलने या समझने में कठिनाई, अचानक चक्कर आना, तेज सिरदर्द, संतुलन खोना, और आंखों की रोशनी प्रभावित होना शामिल है।

दोबारा गृहयुद्ध की चपेट में आता सीरिया सुरक्षाबल व असद समर्थकों में खूनी संघर्ष

दमिश्क, 08 मार्च (एजेंसियां) ।

सीरिया एकबार फिर गृहयुद्ध की चपेट में है। देश के नये शासन और पूर्व राष्ट्रपति बशर अल असद समर्थकों के बीच गुरुवार को शुरू हुआ खूनी संघर्ष लगातार जारी है। इस टकराव में अबतक करीब 200 लोगों की जान जा चुकी है। दिसंबर में विद्रोहियों ने असद को सत्ता से हटा दिया था, जिसके बाद से पहली बार सीरिया में हिंसा का यह दौर शुरू हुआ है। 14 साल तक गृहयुद्ध की आग में जले सीरिया में पिछले साल तब शांति का दावा किया जा रहा था जब इस्लामी समूह हयात तहरीर अल-शाम के नेतृत्व वाले विद्रोही समूह ने देश की सत्ता पर कब्जा कर लिया। पूर्व राष्ट्रपति बशर अल असद ने देश छोड़कर रूस में शरण ली।

हालांकि चंद महीने बाद ही गुरुवार को दोबारा हिंसा शुरू हो गई। समाचार एजेंसी सना के मुताबिक सरकारी सुरक्षा बलों ने तटीय शहर जबलेह के पास एक वांछित व्यक्ति को हिरासत में लेने की कोशिश की और असद समर्थकों ने इसका विरोध करते हुए सुरक्षाबलों पर हमला कर दिया।

जिसके बाद से सुरक्षा बल के जवान, पूर्व राष्ट्रपति असद समर्थकों पर हमले कर रहे हैं। खासतौर पर उन इलाकों में सुरक्षा बलों की यह कार्रवाई चल रही है जहां असद समर्थक और उनके परिवार का गढ़ है। सीरिया के तटीय प्रांत लातकिया में सुरक्षा बलों और बंदूकधारियों के बीच ऐसा ही खूनी टकराव हुआ जिसमें 70 लोगों की मौत हो गई।

मैक्रों ने रूस को बताया खतरा, पुतिन बोले-कुछ लोग भूल गए नेपोलियन का अंजाम

मास्को, 08 मार्च (एजेंसियां) ।

फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों के रूस को यूरोप के लिए एक खतरा बताने पर रूसी राष्ट्रपति पुतिन ने कहा कि लगता है कुछ लोग भूल गए कि नेपोलियन के साथ क्या हुआ था। दरअसल, पुतिन का यह जवाब मैक्रों के उस बयान के बाद आया है जिसमें उन्होंने कहा था कि रूस केवल यूक्रेन ही नहीं बल्कि पूरे यूरोप और उसके बाद अमेरिका के लिए भी खतरा बन सकता है। यूरोप की बेहतरी के लिए अमेरिका को तुरंत ही रूस से अलग हो जाना चाहिए। उन्होंने इससे निपटने के लिए पूरे यूरोप को न्यूक्लियर अम्ब्रैला के नीचे लाने का प्रस्ताव भी दिया।

राष्ट्रपति पुतिन ने मैक्रों का नाम लिए बिना कहा कि यूरोप में अभी भी कुछ लोग हैं, जो नेपोलियन के समय में वापस जाना चाहते हैं। वह भूल गए हैं कि

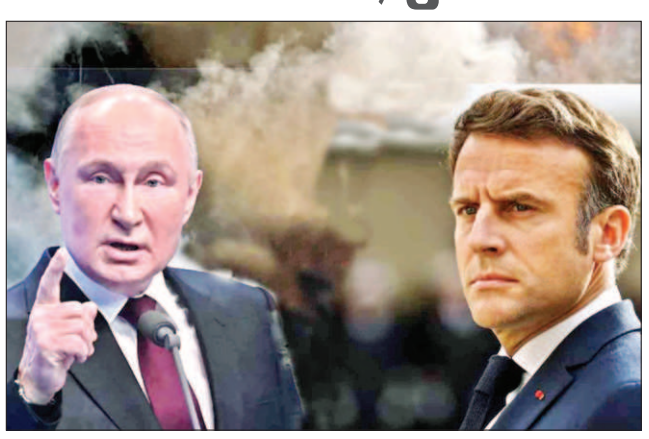

नेपोलियन का अंजाम क्या हुआ था। पुतिन 19वीं सदी में फ्रांस के सम्राट रहे नेपोलियन की बात कर रहे थे, जिन्होंने 1812 में मॉस्को पर हमला किया था लेकिन भारी सर्दी की वजह से उन्हें काफी नुकसान उठाना पड़ा था और उनकी करारी हार हुई थी।

बता दें राष्ट्रपति ने मैक्रों ने कहा था कि रूस केवल यूक्रेन के लिए खतरा नहीं है बल्कि पूरे यूरोप के लिए खतरा है। उन्होंने कहा कि हमारे सहयोगी अमेरिका ने इस युद्ध में अपनी स्थिति को बदल दिया है, वह यूक्रेन को कम समर्थन दे रहे हैं, ऐसे में आगे क्या होगा इस पर कुछ भी नहीं कहा जा सकता। मैं उम्मीद करूंगा कि अमेरिका हमारे पक्ष में ही रहेगा लेकिन अगर ऐसा नहीं होता है तो हमें हर परिस्थिति के लिए तैयार रहना होगा।

पुतिन के नेपोलियन वाले बयान के पहले रूसी विदेश मंत्री ने मैक्रों की निंदा की। उन्होंने कहा कि फ्रांस के राष्ट्रपति द्वारा परमाणु नीति की बात करना रूस के लिए एक नया खतरा पैदा कर रहा है। उनका भाषण परमाणु धमकी का संकेत है। फ्रांस की महत्वाकांक्षा अब पूरे यूरोप का संरक्षक बनने की है। यह अमेरिकी परमाणु सुरक्षा व्यवस्था को भी चुनौती देता है। यह न तो फ्रांस की सुरक्षा के लिए सही होगा और न ही उसके सहयोगियों के लिए।

शकीरा ने 6 सौ घंटे में तैयार किया गया गाउन पहना

रियो डी जनेरियो। शकीरा के वर्ल्ड टूर की भव्य शुरुआत, भारतीय डिजाइनर गौरव गुप्ता के गाउन में बिखेरा जलवा। मशहूर पॉप स्टार शकीरा ने अपने वर्ल्ड टूर की शानदार शुरुआत रियो डी जनेरियो, ब्राजील में की। उनके जबरदस्त परफॉर्मेंस ने फैंस को खूब एंटरटेन किया, लेकिन इसके साथ ही उनका आउटफिट भी चर्चा का विषय बन गया। इस खास मौके पर शकीरा ने भारतीय डिजाइनर गौरव गुप्ता द्वारा डिजाइन किया हुआ बेहद खूबसूरत गाउन पहना, जिसे बनाने में 600 घंटे से ज्यादा का समय लगा। शकीरा ने जिस गाउन को पहना, उसे लूनर ब्लू वुल्फ गाउन नाम दिया गया है। यह एक अनोखी ड्रेस थी, जिसमें मेटालिक ब्रेस्टप्लेट लगा हुआ था। इस ब्रेस्टप्लेट पर भेड़िए (वुल्फ) का डिजाइन बना था, जो शक्ति और आजादी का प्रतीक है। इस गाउन का निचला हिस्सा रेशमी ऑर्गेंजा से बना था, जिसकी डिजाइन समुद्र की लहरों जैसी दिखाई दे रही थी। इस खूबसूरत गाउन ने शकीरा के लुक में ड्रामा और एलिगेंस का परफेक्ट बैलेंस जोड़ा। भारतीय डिजाइनर गौरव गुप्ता अपने आर्टिस्टिक और बोल्ड डिजाइन्स के लिए जाने जाते हैं। उन्होंने शकीरा की इस खास ड्रेस को कलेक्शन से प्रेरणा लेकर डिजाइन किया था। यह कलेक्शन पहली बार पेरिस कूट्यूर वीक में देखा गया था। गाउन का मेटालिक ब्रेस्टप्लेट शकीरा को एक वॉरियर (योद्धा) जैसा लुक दे रहा था, जिससे उनका स्टेज परफॉर्मेंस और भी पावरफुल लग रहा था। शकीरा ने अपने लुक को सिंपल लेकिन ग्लैमरस रखा। उनके लंबे सुनहरे बालों को हल्के कर्ल्स में स्टाइल किया गया और बीच से पार्टिंग दी गई।

अरविंद चितांबरम ने प्राग मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट का खिताब जीता

प्राग, 08 मार्च (एजेंसियां) ।

भारत की शतरंज में बादशाहत जारी रखते हुए ग्रैंडमास्टर अरविंद चितांबरम ने अपने करियर का पहला बड़ा खिताब जीता। उन्होंने प्रतिष्ठित प्राग मास्टर्स शतरंज टूर्नामेंट में कई दिग्गज खिलाड़ियों को पछाड़ते हुए पहला स्थान हासिल किया। तमिलनाडु के 25 वर्षीय अरविंद ने नौवें और अंतिम दौर में तुर्की के गुरेल एदिज के खिलाफ ड्रॉ खेलते हुए कुल छह अंकों के साथ खिताब अपने नाम किया।

विश्व नंबर 8 आर प्रज्ञानानंदा इस टूर्नामेंट में पांच अंकों के साथ संयुक्त रूप से दूसरे स्थान पर रहे। उन्हें अंतिम दौर में डच ग्रैंडमास्टर अनीश गिरि के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। चीन के शीर्ष वरीयता प्राप्त खिलाड़ी वेई यी और गिरि भी प्रज्ञानानंदा के साथ पांच अंकों पर रहे।

निर्णायक मुकाबले में दिखाया धैर्य

अंतिम दौर में अरविंद ने काले मोहरों से खेलते हुए कैरो-कान डिफेंस का उपयोग किया। उनके प्रतिद्वंदी गुरेल एदिज ने किंग्स पॉन ओपनिंग का एडवांस वेरिएशन चुना। हालांकि, जल्द ही उन्हें एक मोहरा गंवाना पड़ा और खेल जटिल हो गया।

अरविंद ने संयम बनाए रखा और स्थिति को नियंत्रण में रखा। कई चालों की पुनरावृत्ति के बाद दोनों खिलाड़ियों ने ड्रा पर सहमति जताई।

जीत के बाद अरविंद की प्रतिक्रिया

अरविंद चितांबरम ने जीत के बाद अपनी खुशी व्यक्त करते हुए कहा, मैंने पिछले दो दिनों से अच्छी नींद नहीं ली थी। सातवें दौर तक मैं पूरी तरह ठीक था, लेकिन बढ़त मिलने के बाद दबाव महसूस हुआ। उन्होंने अपने कोच ग्रैंडमास्टर आर बी रमेश को धन्यवाद दिया और इस टूर्नामेंट में अनीश गिरि के खिलाफ अपने प्रदर्शन को सर्वश्रेष्ठ करार दिया।

प्रज्ञानानंदा के लिए कठिन मुकाबला

दूसरी ओर, प्रज्ञानानंदा ने अनीश गिरि के खिलाफ आक्रामक शुरुआत की, लेकिन उन्हें सफलता नहीं मिली। उन्होंने किंग्स इंडियन डिफेंस अपनाया, लेकिन गिरि ने शानदार रणनीति के साथ एक महत्वपूर्ण मौके पर रुक के बदले लघु मोहरा लेकर खेल को अपने पक्ष में मोड़ लिया और जीत दर्ज की।

अन्य खिलाड़ियों का प्रदर्शन

अंतिम दौर के अन्य मुकाबलों में चेक गणराज्य के डेविड नवारा और अमेरिका के सैम शैंकलैंड के बीच बाजी ड्रॉ रही। वहीं, जर्मनी के विंसेंट केमर के खिलाफ चेक खिलाड़ी गुयेन थाई दाई वान जीत के करीब पहुंचकर भी मुकाबला ड्रॉ खेलने को मजबूर हुए।

महिला चैलेंजर्स वर्ग में भारत की दिव्या देशमुख ने ग्रीस के स्टामाटिस कौर्कुलोस-अर्डिटिस को हराकर जोरदार वापसी की। इस वर्ग में उज्बेकिस्तान के नोदिरबेक याकुब्बोएव और डेनमार्क के जोनास बुहक ब्जेरे सात अंकों के साथ संयुक्त विजेता बने।

न्यूज ब्रीफ

सीबीए के स्टार गार्ड सुन मिंगहुई पैर की चोट के कारण नियमित सत्र के शेष भाग से बाहर

हांगझोउ। झेजियांग लायंस ने शुक्रवार को घोषणा की कि उनके स्टार गार्ड सुन मिंगहुई दाहिने एड़ी की हड्डी में फ्रैक्चर के कारण चीनी बास्केटबॉल संघ (सीबीए) के शेष नियमित सत्र से बाहर हो गए हैं। 28 वर्षीय सुन मिंगहुई को 5 मार्च को शान्शी लूंग्स के खिलाफ 98-100 की करीबी हार के दौरान चोट लगी। एक रिबाउंड प्रयास के दौरान उनका दायां पैर बाहरी ओर मुड़ गया। मेडिकल जांच में कैल्केनियस फ्रैक्चर की पुष्टि हुई, जिसके बाद उन्हें कम से कम चार सप्ताह के आराम की सलाह दी गई है। झेजियांग लायंस वर्तमान में 31-5 के रिकॉर्ड के साथ अंकतालिका में शीर्ष पर हैं, लेकिन अपने मुख्य खिलाड़ी के बिना उन्हें इस स्थिति को बनाए रखने के लिए अतिरिक्त दबाव का सामना करना पड़ेगा। इस सत्र में सुन मिंगहुई ने औसतन 14.8 अंक, 2.9 रिबाउंड और 9.5 असिस्ट प्रति मैच का प्रदर्शन किया है।

भारत में पहली शूटिंग लीग 24 नवंबर से

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय निशानेबाजी खेल महासंघ (आईएसएसएफ) ने भारत में आयोजित होने वाली पहली शूटिंग लीग (शूटिंग लीग ऑफ इंडिया-एसएलआई) के लिए 24 नवंबर से 7 दिसंबर तक की तारीखें आवंटित कर दी हैं। इस लीग को आईएसएसएफ की आधिकारिक मान्यता मिलने से इसे वैश्विक स्तर पर उच्च गुणवत्ता वाली प्रतियोगिता का दर्जा प्राप्त होगा। राष्ट्रीय रायफल संघ (एनआरएआई) के अध्यक्ष कलिकेश सिंह देव ने शुक्रवार को एक बयान में कहा, हम उम्मीद करते हैं कि इस लीग में दुनिया के शीर्ष निशानेबाज भाग लेंगे, क्योंकि भारत का इस खेल में अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत प्रोफाइल है। आयोजन को सफल बनाने के लिए कई स्तरों पर काम जारी है और आईएसएसएफ द्वारा तारीखों का आवंटन हमें इसे विश्व स्तरीय इवेंट बनाने के लिए और अधिक प्रेरित करता है। एनआरएआई ने पहले ही घोषणा की थी कि एलेना नॉर्मन को इस लीग का सलाहकार नियुक्त किया गया है और न्यू होराइजन्स अलायंस प्राइवेट लिमिटेड को व्यावसायिक और मार्केटिंग एजेंसी के रूप में शामिल किया गया है। भारत में इस लीग के आयोजन से निशानेबाजी खेल को नई ऊंचाइयां मिलने की उम्मीद है।

न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे अधिक रन बनाने वाले पांच भारतीय खिलाड़ियों में विराट दूसरे नंबर पर

दुबई। भारतीय टीम रविवार को आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी क्रिकेट टूर्नामेंट के फाइनल में न्यूजीलैंड से खेलेगी। इस टूर्नामेंट में दोनो ही टीमों के बीच रोमांचक मुकाबला होना तय है। न्यूजीलैंड के खिलाफ अब तक सचिन तेंदुलकर सहित पांच भारतीय खिलाड़ियों ने ने एकदिवसीय में एक हजार से ज्यादा रन बनाये हैं। इनमें से केवल विराट कोहली ही वर्तमान में खेल रहे हैं। बाकि सभी पूर्व क्रिकेटर हैं। न्यूजीलैंड के खिलाफ सबसे अधिक रनों की बात करें तो वह सचिन तेंदुलकर ने बनाए हैं। उन्होंने 42 मैचों की 41 पारियों में 46 के औसत से 1750 रन बनाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 186 रनों का रहा है। सचिन ने 5 शतक और 8 अर्धशतक लगाये हैं। वहीं दूसरे नंबर पर विराट हैं। विराट ने 32 मैचों में 1656 रन बनाए हैं। उनका सर्वोच्च स्कोर 154 का रहा है। विराट ने 57 के औसत से रन बनाए हैं। इसमें 6 शतक और 9 अर्धशतक हैं। तीसरे नंबर पर पूर्व सलामी बल्लेबाज वीरेंद्र सहवाग हैं। सहवाग ने 23 मैचों की 23 पारियों में 52.59 के औसत से 1157 रन बनाए हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर 130 का रहा है। सहवाग ने 6 शतक और 3 अर्धशतक लगाये हैं। चौथे नंबर पर मोहम्मद अजहरउद्दीन हैं।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल मुकाबला आज

दुबई, 08 मार्च (एजेंसियां) ।

भारत और न्यूजीलैंड के बीच चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल मुकाबला आज दुबई में खेला जाएगा। भारत ने ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड ने साउथ अफ्रीका को हराकर फाइनल में जगह बनाई है। भारत इस सीरीज में अभी तक कोई मैच नहीं हारा है, न्यूजीलैंड को भारत से हार का सामना करना पड़ा है। सबके मन में एक ही सवाल है कि फाइनल कौन जीतेगा। हमारी सहयोगी वेबसाइट ने दुनिया के प्रमुख एआई प्लेटफॉर्म पर इस सवाल का जवाब जानने की कोशिश की। दुनिया के प्रमुख जेनरेटिव एआई जैसे- चैटजीपीटी, गूगल का जेमिनी, डीपसीक, माइक्रोसॉफ्ट कोपायलट चैट से पूछा कि भारत और न्यूजीलैंड के बीच इस महामुकाबले में कौन जीतेगा? दावा है कि सभी एआई चैटबॉट्स ने एकजैसा ही जवाब दिया।

एआई चैटबॉट्स से पूछा गया कि भारत बनाम न्यूजीलैंड: चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का फाइनल मैच कौन जीतेगा और क्यों? 100 शब्दों में जवाब बताएं। यह सवाल चैटबॉट्स के फ्री वर्जन से पूछा गया। जो जवाब मिला, वह एक तरह से भविष्यवाणी जैसा था। सवाल के जरिए यह जानने की कोशिश की गई थी कि एआई चैटबॉट किस टीम की जीत की भविष्यवाणी करते हैं। किस चैटबॉट ने क्या बताया, आइए जानते हैं।

सवाल का जवाब देते हुए त्रिशाळपळ एआई ने कहा कि दोनों टीमों के बीच कांटे की टक्कर होगी। हालांकि एआई ने भारत को थोड़ी बढ़त दी। एआई ने कहा कि फाइनल मैच की भविष्यवाणी करना मुश्किल है। दोनों टीमों मजबूत स्थिति में हैं, लेकिन भारत के पास बढ़त है। एआई ने कहा कि रोहित, विराट और राहुल जैसे खिलाड़ी मैच जिताने में सक्षम हैं। जरूरत है कि भारत के गेंदबाजों को अनुशासन बनाए रखने की। आखिर में जेमिनी ने अनुमान लगाया कि भारत ही विजेता बनेगा।चैटजीपीटी ने भारत की जीत की भविष्यवाणी की है। विराट कोहली और श्रेयस जैसे खिलाड़ियों को जीत की वजह बताया है। चैटजीपीटी ने यह भी कहा कि केन विलियम्सन और रचिन रविंद्र जैसे खिलाड़ियों के साथ न्यूजीलैंड की टीम भारत के लिए चुनौती पेश कर सकती है। एआई ने दोनों टीमों के बीच दमदार मुकाबले का अनुमान जताया। एआई का कहना था कि दुबई में भारत का दबदबा है। न्यूजीलैंड से वह एक मुकाबला पहले जीत चुके हैं। यह टीम की ताकत को बताता है।चाइनीज एआई डीपसीक ने फाइनल के विजेता की भविष्यवाणी को अटकल बाजी बताया। कहा कि कि दोनों टीमों के पास ताकत है। भारत के पास स्टार बल्लेबाज रोहित शर्मा और विराट कोहली हैं। एआई ने गेंदबाजों में बुमराह का नाम शामिल कर दिया, जो यह सीरीज नहीं खेल रहे। न्यूजीलैंड की तरफ से एआई ने केन विलियमसन और ट्रेंट बोल्ट का नाम लिया। चाइनीज एआई ने दोनों टीमों को बराबरी का बताया।माइक्रोसॉफ्ट के एआई कोपायलट ने भारतीय टीम की जीत की भविष्यवाणी की। कहा कि अपने लगातर प्रदर्शन और मजबूत लाइनअप के कारण भारत पसंदीदा है। वह टूर्नामेंट में नाबाद रहा है। एआई ने यह भी कहा कि न्यूजीलैंड, भारत के खिलाफ खेले गए मैच में संघर्ष कर रहा था। एशियाई माहौल में भारत का अनुभव और क्षमता उन्हें मैच में बढ़त देती है।भारत बनाम न्यूजीलैंड मैच पर एंथ्रोपिक के क्लाउड ने भी भविष्यवाणी की है। एंथ्रोपिक के क्लाउड ने कहा कि भारतीय टीम सभी डिपार्टमेंट में बेहतर है। वह चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल जीतने के लिए तैयार है।

रोहित को 25 ओवर तक बल्लेबाजी करनी चाहिये : गावस्कर

दुबई, 08 मार्च (एजेंसियां) ।

महान बल्लेबाज सुनील गावसकर चैम्पियंस ट्रॉफी में भारतीय क्रिकेट टीम के कप्तान रोहित शर्मा के प्रदर्शन से खुश नहीं हैं। गावस्कर ने फाइनल से ठीक पहले कहा कि रोहित को अति आक्रामक रुख अपनाने की जगह तकरीबन 25 से 30 ओवर तक बल्लेबाजी करनी चाहिये। गावस्कर ने कहा कि अगर रोहित इस प्रकार खेलते हैं तो भारतीय टीम एक बड़ा स्कोर बनाने में सफल रहेगी जिसका एक अलग प्रभाव पड़ेगा। गावस्कर ने कहा है कि रोहित को शुरुआ में तेजी से 25 से 30 रन बनाकर ही संतुष्ट नहीं होना चाहिये। इसकी जगह उन्हें करीब 25 ओवर तक बल्लेबाजी करनी चाहिए। अगर वह ऐसा करते हैं तो टीम को लाभ होगा। गावस्कर ने कहा, अगर रोहित 25 ओवर भी बल्लेबाजी करते हैं, तो भारतीय टीम करीब 200 रनों तक पहुंच जाएगी। ऐसे में 50 ओवरों के बाद टीम का स्कोर 350 या उससे अधिक पहुंच जाएगा। भारत और न्यूजीलैंड की टीम 9 मार्च को आमने सामने होगी.

गावस्कर ने साथ ही कहा, उसे भी इस पर थोड़ा विचार करने की जरूरत है। आक्रामक तरीके से खेलना एक बात है, लेकिन 25-30 ओवर तक बल्लेबाजी करने के लिए समझदारी से काम लेना होता है। अगर वह ऐसा करता है, तो वह खेल दूसरी टीम से काफी दूर ले जा सकते हैं।इस तरह का प्रभाव मैच जीतने वाला होता है। गावस्कर ने आगे कहा, मुझे लगता है एक बल्लेबाज के रूप में क्या आप 25-30 रन बनाकर खुश हैं पर मेरा मानना है किआपको नहीं होना चाहिए।

आईपीएल ट्रॉफी के बिना अधूरा रहेगा विराट कोहली का करियरः एबी डिविलियर्स

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर विराट कोहली का शानदार करियर तब और खास हो जाएगा जब वह आरसीबी को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) का खिताब जिताएंगे। यह मानना है दक्षिण अफ्रीका और रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी) के पूर्व दिग्गज बल्लेबाज एबी डिविलियर्स का। विराट कोहली 2008 में आईपीएल की शुरुआत से ही आरसीबी से जुड़े हुए हैं और उन्होंने 140 मैचों में टीम की कप्तानी भी की है। हालांकि, अब तक वह एक भी आईपीएल ट्रॉफी नहीं जीत पाए हैं, जिससे उनकी उपलब्धियों की सूची में यह एक अधूरा सपना बना हुआ है। विराट कोहली आईपीएल में सबसे ज्यादा रन बनाने वाले खिलाड़ी हैं।

आईबीएसई विश्व चैम्पियनशिप

न्यूयार्क में आईबीएसई विश्व चैम्पियनशिप में भाग लेते हुए ब्रिटेन के मैट विटसन।

वॉट्सन के तेज शतक से ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स जीता

वडोदरा, 08 मार्च (एजेंसियां) ।

शेन वॉटसन की आक्रामक बल्लेबाजी से ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स ने इंटरनेशनल मास्टर्स लीग 2025 के एक मैच में में दक्षिण अफ्रीका मास्टर्स को 137 रनों से हरा दिया। इस मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स ने वाटसन के 61 गेंदों में बनाये 122 रनों की सहायता से एक विकेट पर 260 रन बनाये। इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीकी मास्टर्स 123 रनों पर ही सिमट गयी। ऑस्ट्रेलियाई टीम की ओर से बेन लॉफलिन ने तीन विकेट लिए जबकि जेवियर डोहर्टी और ब्राइस मैकगेन ने दो-दो विकेट लिए। नाथन कूल्टर-नाइल और नाथन रियरडन को भी एक-एक विकेट मिला।

इस जीत के साथ ही ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स ने वडोदरा लेग का शानदार समापन किया। इस टूर्नामेंट में पहले दो मैच हारने के बाद ऑस्ट्रेलियाई मास्टर्स ने शानदार वापसी करते हुए जीत हासिल की। पहले बल्लेबाजी करते हुए वॉटसन ने आक्रामक बल्लेबाजी की। ये बल्लेबाजी ऐसी थी जैसी वह संन्यास से पहले राष्ट्रीय टीम की ओर से करते थे।

ऑस्ट्रेलिया मास्टर्स की पारी की शुरुआत कैलम फर्ग्यूसन ने की। उन्होंने नाबाद 85 रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी के लिए आए वॉटसन ने तेजी से रन बनाये। इन दोनों ने मात्र 15 ओवरों में 186 रन बनाए। इसके बाद वॉटसन ने बेन डंक के नाबाद 34 रनों के साथ मिलकर 74 रन बनाए और टीम को एक विकेट पर 260 रनों तक पहुंचाया। वॉटसन ने अपनी पारी में जमकर चौके, छक्के लगाये।

इसके बाद लक्ष्य का पीछा करते हुए दक्षिण अफ्रीका मास्टर्स की शुरुआत अच्छी नहीं रही। सलामी बल्लेबाज हेनरी डेविड्स शुरुआत में ही पेवेलियन लौट गये। इसे बाद हाशिम अमला ने 19 गेंदों में सात चौकों की सहायता से 30 रन बनाए, जबकि रिचर्ड लेवी और अल्वीरो पीटरसन ने 22 और 28 रन बनाए। कप्तान जैक कैलिस चोटिल होने की वजह से बल्लेबाजी नहीं कर पाये और दक्षिण अफ्रीका मास्टर्स 17 ओवरों में 123 रन ही बना पायी।

वेन मैडसेन फिर बने डर्बीशायर के कप्तान, काउंटी चैम्पियनशिप में संभालेंगे टीम की कमान

डर्बीशायर, 08 मार्च (एजेंसियां) ।

इंग्लिश काउंटी क्लब डर्बीशायर ने अनुभवी बल्लेबाज वेन मैडसेन को दोबारा अपना कप्तान नियुक्त किया है। वह इस समर काउंटी चैम्पियनशिप में टीम की अगुवाई करेंगे।

41 वर्षीय मैडसेन ने यह भूमिका सीजन की शुरुआत से ठीक एक महीने पहले स्वीकार की, डेविड लॉयड के कप्तानी छोड़ने के फैसले के बाद उन्हें यह जिम्मेदारी दी गई। इससे पहले, मैडसेन 2012 से 2016 तक डर्बीशायर के कप्तान रह चुके हैं और अपनी कप्तानी के पहले ही सीजन में टीम को डिविजन टू से प्रमोशन दिलाया था।

डर्बीशायर के हेड कोच मिकी आर्थर ने मैडसेन को कप्तानी सौंपने पर खुशी जाहिर की। उन्होंने क्लब की ओर से जारी एक बयान में कहा,वेन हमेशा से बेहतरीन लीडर रहे हैं और वह ड्रेसिंग रूम में काफी लोकप्रिय भी हैं। मैं बेहद खुश हूं कि वह 2025 में हमारी टीम का नेतृत्व करेंगे। उनकी अनुभवशीलता अनमोल है—उन्होंने पहले भी

कप्तान के तौर पर प्रमोशन हासिल किया है और मुझे उनके नेतृत्व में टीम के प्रदर्शन को देखने की उम्मीद है।

आर्थर ने यह भी कहा कि मैडसेन मैदान पर अपनी मेहनत और पेशेवर रवैये से उदाहरण पेश करते हैं। डर्बीशायर के लिए 2024 का सीजन निराशाजनक रहा था, जहां टीम डिविजन टू में सबसे निचले स्थान पर रही। हालांकि, व्यक्तिगत तौर पर मैडसेन ने शानदार प्रदर्शन किया और 1005 रन (औसत 50.25) बनाकर टीम के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाज रहे। यह 12 सीजन में सातवीं बार था जब उन्होंने 1000 से ज्यादा रन बनाए। वह अब तक डर्बीशायर के लिए 14,601 फर्स्ट-क्लास रन बना चुके हैं, जिससे वह क्लब के टॉप 10 रन-स्कोरर्स की सूची में नौवें स्थान पर पहुंच गए हैं। कप्तानी मिलने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए मैडसेन ने कहा, डर्बीशायर की कप्तानी दोबारा संभालना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। मैं जानता हूं कि इस शानदार काउंटी और उसके समर्थकों का प्रतिनिधित्व करने का क्या मतलब है, और टीम का नेतृत्व करने पर मुझे गर्व महसूस हो रहा है।

कैसे माही की एक सलाह ने मुझे आत्मविश्वास दिलायाः राहुल त्रिपाठी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेटर राहुल त्रिपाठी ने बताया कि कैसे पूर्व कप्तान एमएस धोनी की सलाह ने उन्हें 2017 में आईपीएल में पदार्पण के दौरान मदद की। फ्रैंचाइजी के लिए अपने पहले मैच से पहले माही ने त्रिपाठी को शांत करने में मदद की। उन्होंने कहा, अपना पहला मैच खेलने से दो दिन पहले, मैं ड्रेसिंग रूम में उन्हें देख रहा था। उन्होंने मुझे बुलाकर कहा कि मैं कुछ भी अतिरिक्त करने या सोचने की कोशिश न करूं और मुझे प्रशिक्षण के दौरान जिस तरह से खेल रहा था, उसी तरह खेलने के लिए माही ने कहा। यह देखते हुए कि यह सलाह उस कद के क्रिकेटर से आई थी और यह तथ्य कि मैं अपना पहला मैच खेलने जा रहा था, इससे मुझे बहुत आत्मविश्वास मिला। माही की इस सलाह ने वास्तव में मेरी घबराहट को शांत किया। उन्होंने कहा, मैं भाग्यशाली हूं कि मुझे उनके साथ समय बिताने का मौका मिला। क्रिकेट जगत में कई लोगों का सपना होता है कि वे उनके साथ क्रिकेट के अनुभव साझा करें और उनके साथ खेलें। उनके साथ रहकर मैंने देखा है कि वे कितने सरल हैं। लंबे इंतजार के बाद राहुल ने आखिरकार 31 साल की उम्र में जनवरी 2023 में श्रीलंका के खिलाफ टी201 सीरीज के दौरान भारत के लिए अपना अंतरराष्ट्रीय डेब्यू किया। राहुल ने कहा, मैंने कभी हार नहीं मानी। कई बार यह कठिन था और ऐसा लगा कि भारत का प्रतिनिधित्व करने का सपना सपना ही रह जाएगा है। लेकिन मैंने कोशिश करते रहने का फैसला किया और हमेशा विश्वास किया कि एक दिन मुझे वह मौका मिलेगा जिसका मैं इंतजार कर रहा था। और मुझे लगता है कि यह विश्वास ही एक कारण था कि मुझे आखिरकार मौका मिला। यह बहुत ही भावुक क्षण था। टीम के साथ 6-7 घंटे की यात्रा करने के बाद मैं आखिरकार अपना टी20आई डेब्यू करने में सक्षम हो गया।

फरवरी में ईवी बिक्री में 18 फीसदी गिरावट

तिपहिया और यात्री वाहनों में मामूली बढ़त

नई दिल्ली, 08 मार्च (एजेंसियां)।

देश में फरवरी के दौरान इलेक्ट्रिक वाहनों (ईवी) की बिक्री में कुछ मुश्किलों की वजह से सालाना आधार पर 1.9 प्रतिशत और मासिक आधार पर 18.2 प्रतिशत की गिरावट आई और यह घटकर 1,39,026 रह गई। फेडरेशन ऑफ ऑटोमोबाइल डीलर्स एसोसिएशन (फाडा) के आंकड़ों से यह जानकारी मिली है। हालांकि ईवी की सभी चार श्रेणियों की बिक्री में मासिक आधार पर दो अंकों में गिरावट दर्ज की गई। लेकिन तिपहिया वाणिज्यिक और यात्री वाहनों में सालाना आधार पर एक अंक में वृद्धि देखी गई। फरवरी के दौरान टीवीएस मोटर, एथर एनर्जी और ओला इलेक्ट्रिक की बिक्री घटकर 18,762, 11,807 और 8,647 रह गई जिससे देश में दोपहिया वाहनों की बिक्री में 22.1 प्रतिशत की गिरावट आई। हालांकि इसी श्रेणी में बजाज ऑटो की मासिक बिक्री में कुछ सुधार नजर आया। सालाना आधार पर बिक्री में 8 प्रतिशत की गिरावट आई। पिछले महीने तिपहिया वाहनों की बिक्री में मासिक आधार पर 11.4 प्रतिशत की गिरावट आई। हालांकि सालाना आधार पर इसमें 4.9 प्रतिशत की वृद्धि हुई और कुल बिक्री 53,116 रही। ओमेगा सेकी को छोड़कर सभी मूल उपकरण विनिर्माताओं (ओईएम) ने मासिक आधार पर तिपहिया वाहनों की अपनी बिक्री में भारी गिरावट देखी।

महिला निवेशकों का औसत एसआईपी आकार पुरुषों से 22 फीसदी अधिक : रिपोर्ट

नई दिल्ली। एक रिपोर्ट के अनुसार महिला निवेशकों का औसत एसआईपी आकार पुरुषों से 22 फीसदी अधिक है। एकमुश्त निवेश के मामले में भी महिलाओं की निवेशक भागीदारी 45 फीसदी अधिक है। इस रिपोर्ट के मुताबिक, महिला निवेशक न केवल भागीदारी कर रही हैं, बल्कि सक्रियता के साथ निवेश भी कर रही हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि उन्होंने 1 जनवरी 2024 से लेकर 31 दिसंबर 2024 तक 1 लाख महिला निवेशकों के निवेश पैटर्न का अध्ययन किया है। इस अध्ययन में पाया गया कि 90 फीसदी महिला निवेशकों ने एसआईपी के जरिये उनके प्लेटफॉर्म पर म्युचुअल फंड निवेश की शुरुआत की है। इसके साथ ही, रिपोर्ट में दर्ज है कि करीब 72 फीसदी महिला निवेशक बी30 (शीर्ष 30 को छोड़कर) शहरों से हैं, जिससे प्रमुख शहरों के अलावा भी फंडों की बढ़ती पहुंच का पता चलता है।

न्यूज ब्रीफ

भारत शुल्क कटौती करने पर सहमतः ट्रंप

न्यूयॉर्क। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा कि भारत अपने शुल्क में पर्याप्तः कटौती करने के लिए सहमत हो गया है, क्योंकि भारत अमेरिका पर बहुत अधिक शुल्क लगाता है, जिससे वहां उत्पाद बेचना मुश्किल हो जाता है। ट्रंप ने ओवल ऑफिस से दिए बयान में कहा कि आर्थिक, वित्तीय और व्यापारिक दृष्टिकोण से हमारे देश को दुनिया के लगभग हर देश ने पूरी तरह से ठगा है उन्होंने कहा कि कनाडा, मेक्सिको और फिर आप सीधे लाइन में चले जाइए। भारत हम पर बहुत ज्यादा शुल्क लगाता है। आप भारत में कुछ भी नहीं बेच सकते। यह लगभग प्रतिबंधात्मक है। हम अंदर बहुत कम व्यापार करते हैं। ट्रंप ने कहा, वैसे, वे इस बात पर सहमत हो गए हैं कि अब वे अपने शुल्क में कटौती करना चाहते हैं, क्योंकि अब कोई तो उनके किए की पोल खोल रहा है। उन्होंने कहा कि चीन के साथ भी यही बात है। अन्य कई देशों के साथ भी यही बात है, तथा यूरोपीय संघ इस देश का बहुत ज्यादा दुरुपयोग कर रहा है। ट्रंप की यह टिप्पणी उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल की उनके अमेरिकी समकक्ष हॉवर्ड लुटनिक के साथ व्यापार वार्ता के लिए अमेरिका यात्रा के बाद आई है। ट्रंप ने इस सप्ताह तीसरी बार भारत द्वारा लगाए गए उच्च शुल्क की आलोचना की है। इससे पहले ट्रंप ने कहा कि भारत बहुत उच्च शुल्क वाला देश है और उन्होंने दोहराया कि अमेरिकी वस्तुओं पर शुल्क लगाने वाले देशों पर जवाबी शुल्क दो अप्रैल से लागू होंगे ।

अमेरिका के एक्सचेंज ऑपरेटर नेस्डेक इंक में अब 24 घंटे होगी ट्रेडिंग!

वाशिंगटन। अमेरिका के दूसरे सबसे बड़े एक्सचेंज ऑपरेटर नेस्डेक इंक ने अपने इक्विटी एक्सचेंज पर सप्ताह में पांच दिन, 24 घंटे ट्रेडिंग शुरू करने की योजना बनाई है। एक्सचेंज ने यह फैसला अमेरिकी शेयर बाजार की बढ़ती वैश्विक मांग को देखते हुए लिया है, जिससे अंतरराष्ट्रीय निवेशकों को अधिक अवसर हासिल होंगे। नेस्डेक के प्रेसिडेंट के मुताबिक नियामकीय मंजूरी और इंडस्ट्री के अन्य भागीदारों के साथ तालमेल के बाद यह सुविधा 2026 की दूसरी छमाही तक शुरू हो सकती है। शुरुआत में नेस्डेक कुछ बड़े मार्केट-कैप स्टॉक्स पर एक्सटेंडेड ट्रेडिंग की टेस्टिंग कर सकता है। यह देखना दिलचस्प होगा कि एक्सचेंज इस सुविधा के लिए अतिरिक्त शुल्क लेता है या नहीं। नेस्डेक ने अपनी योजना की पुष्टि करते हुए कहा है कि वह जल्द ही अमेरिकी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन से अप्रूवल के लिए आवेदन करेगा।

एनबीएफसी पर आरबीआई की कार्रवाई लगाया भारी जुर्माना

मुंबई। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने चार गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनियों (एनबीएफसी) पर कुल 76.60 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। यह कार्रवाई पीयर-टू-पीयर लेंडिंग प्लेटफॉर्म्स द्वारा आरबीआई के निर्देशों के कुछ प्रावधानों का पालन न करने के कारण की गई है। गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी - पीयर-टू-पीयर लेंडिंग प्लेटफॉर्म (रिजर्व बैंक) निर्देश, 2017 के उल्लंघन पर फेयरएसेट्स टेक्नोलॉजीज इंडिया पर 40 लाख रुपए, जबकि ब्रिज फिनटेक सॉल्यूशंस और रंग दे पी2पी फाइनेंशियल सर्विसेज पर 10-10 लाख रुपए का जुर्माना लगाया गया है। आरबीआई ने विजनरी फाइनेंसपीयर पर 16.6 लाख रुपए का जुर्माना लगाया है। केंद्रीय बैंक ने कहा है कि यह जुर्माना नियामकीय अनुपालन में कमियों के आधार पर लगाया गया है और इसका उद्देश्य संस्थाओं द्वारा ग्राहकों के साथ किए गए किसी भी लेनदेन या समझौते की वैधता पर निर्णय लेना नहीं है। आरबीआई ने अलग-अलग विज्ञप्तियों के माध्यम से इस जुर्माने की जानकारी दी।

ट्रिपल फोल्डेबल स्मार्टफोन लाएगी सैमसंग

नई दिल्ली, 08 मार्च (एजेंसियां)।

हाल ही में साउथ कोरियाई कंपनी सैमसंग ने अपने गैलेक्सी अनपैक्ड इवेंट में बताया कि वह भी ट्रिपल फोल्डेबल स्मार्टफोन लाएगी। उसकी एक झलक कंपनी ने प्रेजेंटेशन में दिखाई थी। ताजा रिपोर्ट्स में बताया गया है कि सैमसंग के ट्राई-फोल्डेबल स्मार्टफोन का प्रोडक्शन जल्द शुरू हो सकता है। इस फोन को गेलेक्क्सी झेड सीरीज में आने वाले फोल्डेबल फोन्स के साथ लाया जा सकता है। यह लॉन्च इस साल की तीसरी तिमाही यानी जुलाई से सितंबर के बीच होने की उम्मीद है। सैमसंग गेलेक्सी ट्री फोल्ड पर लेटेस्ट इन्फर्मेशन आई है। इस साउथ कोरियाई पब्लिकेशन ने बताया है कि कंपनी अप्रैल महीने से जरूरी पार्ट्स को जुटाना शुरू करेगी और उसके साथ ही गेलेक्क्सी झेड सीरीज के फोल्डेबल फोन्स का प्रोडक्शन शुरू कर दिया जाएगा।

रिपोर्ट में सुझाव दिया गया है कि कंपनी अपने ट्राई-फोल्ड फोन को जुलाई से सितंबर के बीच यानी तीसरी तिमाही में लॉन्च कर सकती है। उसी दौरान गेलेक्क्सी झेड फलीप को रिलीज किया जाएगा। एक सवाल यह भी पूछा जा रहा है कि सैमसंग के ट्राई-फोल्डेबल फोन का नाम क्या होगा। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया है कि फोन को गेलेक्सी जी फोल्ड कहा जा सकता है। यह जेड सीरीज में आने वाले फोल्ड से अलग होगा। इसकी वजह फोन का तीन बार मुड़ना है। हालांकि फोन का मुड़ने वाला मैकनिज्म, हुवावे के फोल्डेबल से अलग हो सकता है। कहा जाता है कि सैमसंग का ट्राई-फोल्ड अंदर की तरफ दो बार फोल्ड होगा। सैमसंग गेलेक्सी ट्री फोल्ड के स्पेसिफकेशंस पर काफी वक्त से चर्चाएं हैं। तमाम रिपोर्ट्स में कहा गया है कि फोन में 9.96 इंच का डिस्प्ले मिलेगा, जब उसे पूरा अनफोल्ड किया जाएगा। हालांकि हुवावे मेट एक्सटी में 10.2 का डिस्प्ले मिलता है। सैमसंग का ट्राई-फोल्ड, डिस्प्ले साइज में भले हुवावे के फोल्ड से कम हो सकता है, लेकिन सैमसंग के बाकी फोल्डेबल के मुकाबले वह बड़ा डिस्प्ले ऑफर करेगा। वजन में फोन उतना ही हो सकता है, जितना हुवावे का ट्राई फोल्ड है। हुवावे ट्राई फोल्ड का वजन 298 ग्राम है। हालांकि अंदर की तरफ मुड़ने के कारण सैमसंग ट्राई फोल्ड थोड़ा मोटा हो सकता है। बता दें कि तीन बार मुड़ने वाला स्मार्टफोन मेट एक्सटी सबसे पहले चीनी कंपनी हुवावे ने पिछले साल पेश किया था। फोन को कुछ वक्त पहले ही ग्लोबल मार्केट्स में रिलीज किया गया है।

लॉर्सन एंड टुब्रो चीफ देगी महिला कर्मचारियों को मेंस्ट्रुअल लीव

मुंबई। पिछले दिन लॉर्सन एंड टुब्रो चीफ एस एन सुब्रह्मण्यम ने सप्ताह में 90 दिन काम करने की बात कही थी। इस बीच अब उनका नया ऐलान सुर्खियां पा रहा है। देश की दिग्गज कंस्ट्रक्शन कंपनी लॉर्सन एंड टुब्रो ने वुमेंस डे पर अपनी महिला कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। उन्होंने मेंस्ट्रुअल लीव देने का ऐलान किया। पॉलिसी को अपने इंडस्ट्री में लाने वाली एल एंड टी पहली कंपनी बनी है। कंपनी के फैसले से करीब 5000 महिला कर्मचारियों को इसका फायदा मिलेगा। बता दें, एल एंड टी के पास 60,000 महिला कर्मचारियों की टीम है। कंपनी ने साफ कर दिया है कि इस मेंस्ट्रुअल लीव का फायदा इंजीनियरिंग और कंस्ट्रक्शन कंपनी को मिलेगा। फाइनेंशियल और टेक्नोलॉजी सब्सिडियरी को पॉलिसी से बाहर रखा गया है। कंपनी के इन सेगमेंट में वर्क फ्रॉम होम जैसी सुविधाएं हैं। हालांकि, यह स्पष्ट नहीं हो पाया है यह मेंस्ट्रुअल लीव मौजूदा पेड लीव का हिस्सा होगा या इससे उससे बाहर रखा जाएगा। दरअसल सुब्रह्मण्यम साल की शुरुआत में एक बयान दिया था जिससे वे विवादों में घिर गए थे। उन्होंने कहा था, आप घर पर बैठकर क्या करते हैं आप कितना देर अपनी पत्नी को निहारते रह सकते हैं। उनके इस बयान खूब आलोचना हुई थी। ना सिर्फ सामान्य लोगों ने बल्कि दिग्गजों ने भी बयान की निंदा की थी। इसके बाद कंपनी के एचआर की तरफ से इस बयान को लेकर सफाई भी पेश की गई थी। भारत में मेंस्ट्रुअल पॉलिसी क्या है देश भर के लिए कोई मेंस्ट्रुअल पॉलिसी नहीं है। जिसके आधार पर छुट्टी मिल सके। लेकिन कुछ राज्य और कंपनियों ने मेंस्ट्रुअल पॉलिसी को अपनाया है। 2024 में उड़ीसा पहला राज्य बन गया था जिसने निजी और सरकारी कर्मचारियों को एक दिन की मेंस्ट्रुअल लीव देना शुरू कर दिया था। इसके अलावा कर्नाटक भी पेड मेंस्ट्रुअल लीव लाने पर विचार कर रहा है।

एलन मस्क पर कानूनी शिकंजा! ट्विटर डील को लेकर कोर्ट में होगी पूछताछ

सैन फ्रांसिस्को, 08 मार्च (एजेंसियां)।

2022 में ट्विटर की खरीद से जुड़ा है मामला

एलन मस्क को 3 अप्रैल को वॉशिंगटन डीसी में निवेशकों के वकीलों के सामने पेश होना होगा। एक रिपोर्ट के अनुसार यह मामला 2022 में ट्विटर की खरीद से जुड़ा है।

निवेशकों का आरोप है कि मस्क ने जानबूझकर डील को टालमटोल किया और कंपनी की आलोचना कर ट्विटर के शेयर गिरा दिए। इससे उन्हें सस्ते में सौदा करने का मौका मिला। पहले मस्क के वकील उनकी गवाही को लेकर राजी नहीं थे, लेकिन अब उन्होंने इसे स्वीकार कर लिया है। मस्क ने ट्विटर खरीद को लेकर कई बार अपना फैसला बदला, जिससे निवेशकों को नुकसान हुआ। आखिरकार, कानूनी लड़ाई के बाद उन्होंने 44 अरब डॉलर में ट्विटर खरीदा और इसे एक्स क्राप नाम से रीब्रांड कर दिया।

इस बीच, मस्क अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप के सलाहकार के रूप में भी काम कर रहे हैं और अपनी कई कंपनियों से जुड़े कानूनी मामलों में उलझे हुए हैं। सैन फ्रांसिस्को की एक संघीय अदालत ने दिसंबर 2023 में एलन मस्क की उस याचिका को खारिज कर दिया, जिसमें उन्होंने एक केस को रद्द करने की मांग की थी। जज ने कहा कि मस्क के बयान वास्तविक स्थिति से काफी अलग थे।

अमेरिकी सिक्योरिटीज एंड एक्सचेंज कमीशन (एसईसी) ने जनवरी में मस्क पर केस दर्ज किया था। एसईसी का आरोप है कि मस्क ने ट्विटर में अपनी हिस्सेदारी बढ़ाने की जानकारी समय पर नहीं दी और शेयरों को गुपचुप तरीके से कम कीमत पर खरीदते रहे।

इस वजह से कई निवेशकों ने अपने शेयर सस्ते में बेच दिए और उन्हें 150 मिलियन डॉलर (करीब 1,200 करोड़ रुपये) का नुकसान हुआ। यह मामला यूएस डिस्ट्रिक्ट कोर्ट, नॉर्दर्न डिस्ट्रिक्ट ऑफ कैलिफोर्निया (सैन फ्रांसिस्को) में चल रहा है।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

जनहित कानून...

(नोक्टेस द्वारा प्रचलित), आका और प्रकृति पूजक (दुन्यी-पोलो के उपासक सहित) सहित कई स्वदेशी धर्मों की पहचान की थी, जिनका धर्म धोखाधड़ी के जरिए परिवर्तित कराया गया। अरुणाचल प्रदेश धर्म की स्वतंत्रता अधिनियम की धारा 3 में स्पष्ट रूप से कहा गया है, कोई भी व्यक्ति किसी व्यक्ति को बल प्रयोग या प्रलोभन या किसी धोखाधड़ी के माध्यम से, सीधे या अन्यथा, एक धार्मिक विश्वास से दूसरे धार्मिक विश्वास में परिवर्तित नहीं करेगा या परिवर्तित करने का प्रयास नहीं करेगा और न ही कोई व्यक्ति ऐसे किसी भी धर्मांतरण को बढ़ावा देगा।कानून यह भी स्पष्ट करता है कि धारा 3 का उल्लंघन करने वाले किसी भी व्यक्ति पर 10,000 रुपए तक का जुर्माना और अधिकतम 2 साल तक की कैद की सजा हो सकती है। यह किसी व्यक्ति के एक धार्मिक आस्था से दूसरे में धर्म परिवर्तन के बारे में विशेष जिले (अरुणाचल प्रदेश में) के डिप्टी कमिश्नर की नकल करना भी अनिवार्य करता है। ऐसा न करने पर 1 साल तक की कैद और 1000 रुपए तक के जुर्माने का प्रावधान है। कानून की धारा 6 में कहा गया है, इस अधिनियम के तहत अपराध संज्ञेय होगा और इसकी जांच पुलिस निरीक्षक के पद से नीचे के अधिकारी द्वारा नहीं की जाएगी। साथ ही, यह स्पष्ट रूप से कहता है कि अधिनियम के तहत अभियोजन के लिए पुलिस उपायुक्त से पूर्व मंजूरी या अतिरिक्त सहायक आयुक्त के पद से नीचे के अधिकारी से प्राधिकरण की आवश्यकता होती है। कानून यह भी स्पष्ट करता है कि सरकार अधिनियम के कार्यान्वयन के लिए नियम बनाएगी। अरुणाचल प्रदेश धर्म स्वतंत्रता अधिनियम पूर्वोत्तर राज्य में स्वदेशी समुदायों को शिकारी प्रचारक समूहों द्वारा अनैतिक और धोखेबाज धर्मांतरण से बचाने के लिए बनाया गया था। उस समय, पीके थुंगन अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री थे। संदर्भ के लिए, 1971 की जनगणना के आंकड़ों के अनुसार राज्य में ईसाई आबादी 0.79 प्रतिशत थी। 40 वर्षों के भीतर, ईसाई आबादी में भारी वृद्धि हुई है और यह अरुणाचल प्रदेश की कुल आबादी का 30.26 प्रतिशत हो गई है (2011 की जनगणना के आंकड़े)।46 साल पहले 1978 में धर्मांतरण विरोधी कानून लागू होने के बावजूद, ईसाई समूहों के विरोध के कारण इसे कभी लागू नहीं किया गया। यह अरुणाचल प्रदेश धर्म स्वतंत्रता अधिनियम के कार्यान्वयन के खिलाफ बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शनों की व्याख्या करता है क्योंकि राज्य में स्वदेशी जनजातियों का धोखे से धर्मांतरण दंडनीय हो जाएगा। अरुणाचल प्रदेश सरकार द्वारा धर्मांतरण विरोधी कानून के कार्यान्वयन के लिए नियम बनाने की मांग करते हुए गुवाहाटी उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका (पीआईएल) दाखिल की गई थी। मामले में बड़ी सफलता सितंबर 2024 में मिली।जस्टिस कर्दक एटे और बुदी हबंग की 2 जजों की बेंच ने एडवोकेट जनरल आई. चौधरी के जवाब की जांच करने के बाद जनहित याचिका स्थगित कर दी गई थी। बताया गया कि सरकार को नियम बनाने के लिए 6 महीने की आवश्यकता होगी। गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने 30 सितंबर 2024 को अपने आदेश में कहा, हम उम्मीद करते हैं कि संबंधित अधिकारी अपने दायित्वों के प्रति सचेत रहेंगे और मसौदा नियमों को आज से 6 (छह) महीने की अवधि के भीतर अंतिम रूप दिया जाएगा। न्यायालय द्वारा निर्धारित समय सीमा से केवल 3 सप्ताह दूर होने के साथ, ईसाई समूहों ने कानून का विरोध करने का अपना अभियान तेज कर दिया है।दूसरी ओर, मूलनिवासी समूहों ने अरुणाचल प्रदेश धर्म की स्वतंत्रता अधिनियम 1978 को अपना समर्थन दिया है। इंडीजीनस फेथ एंड कल्चरल सोसायटी ऑफ अरुणाचल प्रदेश नाम का एक संगठन मूलनिवासी समूह के धार्मिक अधिकारों के लिए लड़ रहा है। उन्होंने इस कानून के प्रति अपना हार्दिक समर्थन व्यक्त करने के लिए प्रदर्शन और पदयात्राएं की हैं। गुवाहाटी उच्च न्यायालय में जनहित याचिका दाखिल करने वाले अधिवक्ता टैम्बो तामिन ने बताया, यह कोई कठोर कानून नहीं है। हमें सभी धार्मिक समूहों की स्वतंत्रता के लिए इसकी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अरुणाचल प्रदेश धार्मिक स्वतंत्रता अधिनियम 1978 का क्रियान्वयन सभी व्यक्तियों की स्वतंत्रता के लिए आवश्यक है। संगठन की महासचिव माया मुर्तेम ने बताया, नियम केवल जबरन धर्म परिवर्तन और प्रलोभन के खिलाफ होंगे। जो लोग इसका विरोध कर रहे हैं, वे दिखा रहे हैं कि उनका इरादा गलत है। जबकि हमें इसकी आवश्यकता है क्योंकि वर्तमान में धर्म परिवर्तन बिल्कुल भी दर्ज नहीं किए जा रहे हैं और हमारे पास इसका कोई डेटा नहीं है। कानून के अनुसार प्रत्येक धर्म परिवर्तन की रिपोर्ट करना आवश्यक होगा।इस बीच, अरुणाचल प्रदेश के मुख्यमंत्री पेमा खांडू ने कहा है कि यह कानून बौद्धों, हिंदुओं, ईसाइयों या मुसलमानों के खिलाफ नहीं हैं। सरकार से स्वदेशी (आस्थाओं) को कुछ और सुरक्षा देने के लिए नियम बनाने को कहा गया है। सरकार 44 वर्षों से निष्क्रिय पड़े इस कानून को लागू करने से पहले सभी हितधारकों से बात करने को तैयार है।

मैं दुनिया का ...

सामान्य पृष्ठभूमि से आने वाली हमारी राष्ट्रपति ने इस बिल पर मुहर लगाई। वह दिन दूर नहीं जब आप में से कोई सांसद या विधायक बनेगा। गांधी जी कहते थे कि देश की आत्मा ग्रामीण भारत में बसती है। आज मैं इसमें एक और पंक्ति जोड़ता हूं, ग्रामीण भारत की आत्मा ग्रामीण नारी के सशक्तिकरण में बसती है। प्रधानमंत्री ने कहा, यहां नवसारी के इस कार्यक्रम में हम नारी शक्ति के सामर्थ्य को देख सकते हैं। इस आयोजन की पूरी जिम्मेदारी महिलाओं ने संभाली है। इतने बड़े आयोजन की सुरक्षा में तैनात पुलिसकर्मी और अधिकारी सभी महिलाएं हैं। कांस्टेबल, एसपी, डीएसपी से लेकर वरिष्ठ अधिकारी तक, यहां सुरक्षा व्यवस्था महिलाओं द्वारा संभाली जा रही है। यह नारी शक्ति के सामर्थ्य का एक उदाहरण है। जब मैं आप सभी से मिलता हूं, तो मेरा विश्वास मजबूत होता है कि एक विकसित भारत का संकल्प पूरा होकर रहेगा और नारी शक्ति इसमें बड़ी भूमिका निभाएगी। चाहे राजनीति हो या खेल का मैदान, न्यायपालिका हो या पुलिस, महिलाएं देश के हर क्षेत्र और आयाम में परचम लहरा रही हैं। 2014 के बाद से देश में महत्वपूर्ण पदों पर महिलाओं की भागीदारी तेजी से बढ़ी है। 2014 के बाद से केंद्र सरकार में सबसे ज्यादा महिलाएं मंत्री बनी हैं और संसद में भी महिलाओं की मौजूदगी में बड़ी बढ़ोतरी हुई है। पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा, महिलाओं को इज्जत-घर (शौचालय) देकर हमने उन्हें सम्मान दिया। महिलाओं के बैंक खाते खोलकर उनका सशक्तिकरण किया गया। उज्जवल योजना से उन्हें स्वास्थ्य लाभ दिया गया। पहले महिलाओं को 12 हफ्ते का मातृत्व अवकाश मिलता था, लेकिन हमने उसे बढ़ाकर 26 हफ्ते किया।

प्रधानमंत्री ने कहा कि आज यहां गुजरात सफल और गुजरात मैत्री, इन दो योजनाओं का शुभारंभ भी हुआ है। अनेक योजनाओं के पैसे भी महिलाओं के बैंक खातों में सीधे ट्रांसफर किए गए हैं। मैं इसके लिए भी आप सभी को बधाई देता हूं। आज का दिन महिलाओं को समर्पित है। प्रधानमंत्री ने कहा मुस्लिम महिलाओं की मांग थी कि उन्हें सुरक्षा दी जाए तो मुस्लिम महिला (शादी में सुरक्षा का अधिकार) कानून, 2019 के तहत उनकी जिंदगी को बर्बाद होने से बचाया गया। जब कश्मीर में अनुच्छेद 370 लागू था तो वहां महिलाओं को कई अधिकारों से वंचित रखा गया था। अगर वे राज्य से बाहर शादी करतीं तो उन्हें संपत्ति में अधिकार नहीं मिलता था। अनुच्छेद 370 हटने के बाद अब उन्हें भी देश की अन्य महिलाओं की तरह समान अधिकार हैं।पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि महिलाओं को शौचालय (इज्जत घर) देकर हमने उन्हें सम्मान दिया। महिलाओं के बैंक खाते खोलकर उनका सशक्तिकरण किया गया। उज्जवल योजना से उन्हें स्वास्थ्य लाभ दिया गया। पहले महिलाओं को 12 हफ्ते का मातृत्व अवकाश मिलता था, लेकिन हमने उसे बढ़ाकर 26 हफ्ते किया।

पीएम मोदी ने कहा कि हम सबको ये देखकर गर्व होता है कि आज दुनिया में सबसे बड़ी संख्या में महिला पायलट, हमारे भारत में हैं। ये नारी शक्ति के सामर्थ्य का ही उदाहरण है। राजनीति का मैदान हो या खेल का मैदान, न्यायपालिका हो या फिर पुलिस, देश के हर सेक्टर में, हर आयाम में महिलाओं का परचम लहरा रहा है। 2014 के बाद से अब तक करीब 3 करोड़ महिलाएं घर की मालकिन बन चुकी हैं। आज पूरी दुनिया में जल जीवन मिशन की भी बड़ी चर्चा है। जल जीवन मिशन के जरिए आज देश के गांव-गांव में पानी पहुंच रहा है। गांधी जी कहते थे कि देश की आत्मा ग्रामीण भारत में बसती है। आज मैं उसमें एक पंक्ति और जोड़ता हूं कि ग्रामीण भारत की आत्मा ग्रामीण नारी के सशक्तिकरण में बसती है।पीएम मोदी ने इससे पहले गुजरात को 2,587 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात भी दी। शुक्रवार को पीएम ने सिलवासा में 450 बिस्तरों वाले नमो अस्पताल का उद्घाटन किया। उन्होंने सायली स्टेडियम से 62 परियोजनाओं का उद्घाटन व शिलान्यास भी किया।

जनता की...

मुझे यह स्वीकार करने में कोई हर्ज नहीं है कि गुजरात प्रदेश कांग्रेस के नेता दिशा दिखाने में असफल रहे हैं। राहुल ने कहा, मैं यहां सिर्फ कांग्रेस पार्टी के लिए नहीं आया हूं, बल्कि प्रदेश के युवाओं, किसानों, महिलाओं और छोटे व्यापारियों के लिए आया हूं।

भारत-रूस में ...

इसके अलावा 40 साल से भी अधिक पुराने इन टैंकों को अपग्रेड करने के साथ ही इन युद्धक टैंकों को भविष्य के लिए लड़ाकू वाहनों (एफआरसीवी) से बदलने के लिए भी एक योजना पर काम किया जा रहा है। माना जा रहा है कि एफआरसीवी पूरी तरह से भारत की भविष्य की जरूरतों को पूरा करने पर फोकस करता है। यह उन्नत तकनीकों से लैस और मल्टी वेपन प्लेटफॉर्म पर कार्य करने में सक्षम है।

उल्लेखनीय है कि गलवान में मई 2020 में चीन की पीएलए के साथ झड़प के बाद भारतीय सेना ने टी-72 और टी-90 टैंकों को अपने बेड़े में शामिल करना पड़ा। चीन पहले से ही सीमा पर पैदल सेना के साथ बख्तरबंद गाड़ियां तक तैनात कर रखी हैं।

वानुआतु के ...

हासिल की है। यहां नागरिकता लेने वालों में चीनी सबसे आगे हैं। वानुआतु गणराज्य, दक्षिण प्रशांत महासागर में स्थित एक द्वीप राष्ट्र है। यह द्वीपसमूह ज्वालामुखीय मूल का है और उत्तरी ऑस्ट्रेलिया से लगभग 1,750 किलोमीटर पूर्व में स्थित है। इसके अतिरिक्त, वानुआतु न्यू कैलेडोनिया के 500 किलोमीटर पूर्वोत्तर में, फिजी के पश्चिम में और सोलोमन द्वीपों के निकट न्यू गिनी के दक्षिण-पूर्व में स्थित है। यह देश खासतौर से अपनी प्राकृतिक सुंदरता, वन्य जीवन और सांस्कृतिक धरोहर के लिए मशहूर है। उल्लेखनीय है कि आईपीएल की शुरुआत करने वाले ललित मोदी 15 साल पहले भारत से ब्रिटेन भाग गए थे। भारत लगातार उनके प्रत्यर्पण की मांग करता रहा है, और कानूनी लड़ाई भी चल रही है लेकिन अब उन्होंने भारत की नागरिकता त्यागने का फैसला किया है। इससे मामले में एक नया मोड़ आ गया है। ललित मोदी ने अब जिस देश वानुआतु की नागरिकता ली है, वहां की आबादी पुडुचेरी से भी कम है।

हर महीने...

जवाहर लाल नेहरू स्टेडियम में भाजपा के दिल्ली महिला मोर्चा द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि केवल भाजपा में ही महिलाओं का सम्मान होता है। कांग्रेस काल में जब इंदिरा गांधी प्रधानमंत्री थीं तो उस समय उनके अलावा कोई अन्य महिला कैबिनेट में नहीं थी।

वहीं आम आदमी पार्टी (आपा) की सरकार में महिला सांसद को घर पर बुलाकर पीटा जाता था। सीएम रेखा ने कहा, दिल्ली के हर जिले में वन स्टॉप सेंटर बनाया जाएगा। हर जरूरत की जगह पर पिंक शौचालय बनाएंगे। महिलाओं से जो वादा किया है उसे भी पूरा करेंगे।

आज पुष्य नक्षत्र में कारोबार में शानदार सफलता पाएंगे कर्क और तुला सहित अन्य राशियों के लोग

रविवार
आज 9 मार्च को रवि पुष्य योग के शुभ संयोग में कर्क और तुला सहित 5 राशियों के लोगों को जबर्दस्त मिलना की उम्मीद है। आपका दिन शुभ होगा और रुके कार्य पूर्ण होने मन प्रसन्नता से भरा होगा। आपको कारोबार में सफलता प्राप्त होगी और आपका दिन खुशियों से भरा होगा। आपकी तरक्की होगी और हर योजना में सफलता प्राप्त होगी।

मेष : करियर में लाभ के अच्छे योग हैं

मेष राशि वालों के लिए करियर में लाभ के अच्छे योग हैं। तरक्की मिल सकती है और धन लाभ भी होगा। परिवार के साथ कहीं किसी यात्रा पर जाने के योग बन रहे हैं और आपको व्यापार में तरक्की से खुशी मिलेगी। आपके प्रयास रंग लाएंगे। दांपत्य जीवन सुखमय रहेगा। विद्यार्थियों को मानसिक तनाव से छुटकारा मिलेगा। यात्रा के दौरान कोई जरूरी और काम की जानकारी आपको मिल सकती है और आपको धन लाभ होगा।

वृषभ : मनचाहा फल मिलेगा

वृषभ राशि वालों के लिए दिन सफलता से भरा रहेगा। मनचाहा फल मिलेगा। धन लाभ होगा और रुके हुए काम पूरे होंगे। कोई अच्छी खबर मिलने से खुशी होगी। परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा। घर में सुख-समृद्धि बनी रहेगी। तरक्की के योग हैं और लाभ मिलेगा। धन में वृद्धि होगी और योजनाएं सफल होंगी और आपको मनचाहा लाभ होगा। जीवन में सफलता के योग बन रहे हैं।

मिथुन : शुभ समाचार मिलेंगे

मिथुन राशि वालों के लिए दिन फायदेमंद रहेगा। शुभ समाचार मिलेंगे। फिजूलखर्ची कम होगी। सेहत का ध्यान रखें, वरना बीमारी बढ़ सकती है। सामाजिक कार्य में रुकावट आ सकती है। सोच-समझकर काम करें। अचानक धन लाभ हो सकता है। धार्मिक कामों में रुचि बढ़ेगी। बच्चों से जुड़ी अच्छी खबर मिल सकती है। शाम को धार्मिक कार्य में मन लगेगा। धन में वृद्धि होगी और कारोबार में भाग्य का साथ मिलेगा।

कर्क : किस्मत का साथ मिलेगा

कर्क राशि वालों के लिए दिन शुभ है। किस्मत का साथ मिलेगा। मेहनत का फल मिलेगा। बच्चों पर भरोसा बढ़ेगा। मन प्रसन्न रहेगा और आपको ननिहाल पक्ष के लोगों से आर्थिक मदद मिल सकती है। शान-शौकत पर खर्च होगा। दुश्मन परेशान रहेंगे। माता-पिता का ख्याल रखें, उनका आशीर्वाद मिलेगा। सभी काम बिना रुकावट पूरे होंगे। धन में वृद्धि होगी और भाग्य का पूरा साथ मिलेगा।

सिंह : धन खर्च हो सकता है

सिंह राशि वालों के लिए दिन मिला-जुला रहेगा। ऑफिस के काम से मानसिक तनाव हो सकता है। काम में मन नहीं लगेगा। माता-पिता का सहयोग मिलेगा। ससुराल पक्ष से अनबन हो सकती है, इसलिए मीठा बोलें और पैसों के मामले में लेनदेन न करें। सेहत खराब हो सकती है, डॉक्टर के पास जाना पड़ सकता है। इसमें धन खर्च हो सकता है। तरक्की के योग हैं और भाग्य का पूरा साथ मिलेगा।

कन्या : तरक्की के योग बन रहे हैं

कन्या राशि वालों के लिए दिन सामान्य रहेगा। रुके हुए कार्य पूर्ण होंगे और धन के मामले में लाभ होगा। मन प्रसन्न रहेगा। मुश्किल काम को भी पूरा कर लेंगे। परिवार का सहयोग मिलेगा। जीवन में खुशहाली आएगी। फिजूलखर्ची से बचें। दूसरों की बातों को नजरंदाज न करें। व्यापार में लाभ होगा। दिन आनंद में बीतेगा। कहीं से रुका हुआ धन मिल सकता है। तरक्की के योग बन रहे हैं।

तुला : धन में वृद्धि होगी

तुला राशि वालों के लिए करियर और धन के मामले में दिन अच्छा है। अधिकार और संपत्ति में वृद्धि होगी। दूसरों के कामों के लिए ऑफिस के चक्कर लगाने पड़ सकते हैं। गुरु का सम्मान करें। नए काम में निवेश करने से न डरें। धन के मामले में लाभ होगा और कार्यक्षेत्र में सभी प्रकार का सहयोग मिलेगा। धन में वृद्धि होगी और रुके हुए काम पूरे होंगे।

वृश्चिक : कार्ययोजनाएं सफल होंगी

वृश्चिक राशि वालों का मन अशांत रहेगा। व्यापार बढ़ाने के प्रयास असफल हो सकते हैं। शाम तक बुद्धि और धैर्य से दुश्मनों पर विजय प्राप्त करेंगे। कोर्ट-कचहरी के मामलों में जीत मिल सकती है। भाग्य में वृद्धि होगी। मन प्रसन्न रहेगा और फायदा होगा। तरक्की के योग बन रहे हैं। दिन तरक्की से भरा होगा और कार्ययोजनाएं सफल होंगी। इससे मन प्रसन्न रहेगा। दिन सफलता से भरा होगा।

धनु : आपका दिन सफलता से भरा होगा

धनु राशि वालों के लिए दिन आनंददायक रहेगा। विद्या और ज्ञान में वृद्धि होगी। तरक्की के योग बन रहे हैं। दान-पुण्य करने का मन करेगा। सभी लोग मदद करेंगे। ऑफिस में काम की प्रशंसा होगी। किस्मत का साथ मिलेगा। आर्थिक स्थिति बेहतर होगी। बाहर का खाना खाने से बचें तो वरना सेहत खराब हो सकती है, इसलिए ध्यान रखें। आपकी कार्ययोजनाएं सफल होंगी और आपका दिन सफलता से भरा होगा।

मकर : सम्मान की प्राप्ति से खुशी होगी

मकर राशि वालों के लिए दिन मिला-जुला रहेगा। कीमती चीजें मिल सकती हैं। लेकिन कुछ जरूरी खर्चे भी होंगे। ससुराल से सम्मान मिलेगा। व्यापार में अच्छा मुनाफा होगा। काम में मन लगेगा। रुके हुए काम पूरे होंगे। नए काम में निवेश का मौका मिलेगा, जिससे भविष्य में फायदा होगा। कहीं से शुभ समाचार आ सकता है। सम्मान की प्राप्ति से खुशी होगी। धन के मामले में लाभ के योग हैं।

आज रवियोग का शुभ संयोग, सूर्यदेव की कृपा से वृषभ कन्या समेत पांच राशियों के जातक रहेंगे सौभाग्यशाली

आज रविवार को फाल्गुन शुक्ल दशमी तिथि का संयोग बना है। दिन के स्वामी सूर्य देव रहेंगे और सोने पर सुहागा यह है कि रविवार के दिन रवियोग का भी संयोग बना है। और चंद्रमा कल मिथुन उपरांत कर्क राशि में प्रवेश करेंगे और सौभाग्य योग के साथ पुनर्वसु नक्षत्र का भी संयोग बनेगा। जिससे कल सूर्यदेव की कृपा का लाभ पाएंगे वृषभ,कन्या, तुला, मकर और मीन राशि के जातक। साथ ही यह जानें कि आज रविवार को कौन से उपाय करने से दिन बनेगा लाभकारी।

वृषभ -वृषभ राशि के लिए आज दिन का दूसरा भाग बहुत ही अच्छा रहेगा। आपको कल अपने किसी करीबी संबंधी से मिलने का मौका मिलेगा साथ ही आपको परिवार से पूरा सहयोग भी मिलेगा। आपको कल के दिन कोई गिफ्ट भी मिल सकता है। बिजनेस करने वाले जातकों के लिए भी कल का दिन लाभदायक रहेगा। जो लोग सामाजिक और राजनीतिक क्षेत्र से जुड़े हुए हैं उनके सम्मान और प्रभाव में वृद्धि होगी। आप परिवार के साथ कहीं यात्रा का भी कार्यक्रम बना सकते हैं। चाचा ताऊ की ओर से आपको लाभ मिल सकता है। आपको मनपसंद भोजन भी मिलने वाला है।

कन्या - कन्या राशि के लोगों के लिए कल का दिन लाभदायक रहेगा। आपको जीवनसाथी के साथ वक्त बिताने का मौका मिलेगा। आप आज अपने लिए कोई खरीदारी कर सकते हैं जिससे आपको खुशी मिलेगी। होटल और वस्त्रों के कारोबार से जुड़े जातकों की कमाई में कल वृद्धि होगी। आपको कल किसी धार्मिक अथवा सामाजिक कार्यों में भाग लेने का मौका मिलेगा। किसी संबंधी की ओर से आपको आज कोई खुशखबरी मिलेगी। आपके घर आज किसी मेहमान का भी आगमन हो सकता है जिससे आपके परिवार में चहल पहल का माहौल बना रहेगा। आपके कुछ महत्वपूर्ण काम भी कल बन सकते हैं जिससे आपको खुशी मिलेगी। वाहन सुख मिलने का भी कल संयोग बना हुआ है।

तुला - आज तुला राशि के लिए दिन शुभ और सुखद रहेगा। आपकी कोई बड़े दिनों की चाहत पूरी हो सकती है। भाई बहनों की ओर से आप आज सहयोग पा सकेंगे। किसी मित्र या पड़ोसी की मदद भी आपको आज मिलने वाली है। आपको परिवार के साथ यात्रा पर भी जाने का मौका मिलेगा। वैवाहिक जीवन में जीवनसाथी के साथ आपका रोमांटिक समय बीतेगा और आपकी कोई उलझन परेशानी भी दूर होगी। आपके घर पर किसी मेहमान के आगमन का संयोग बनेगा जिससे घर में चहल पहल का माहौल रहेगा। पूर्व किए गए काम और निवेश का आपको फायदा मिलेगा। आपका कोई काम किसी वरिष्ठ व्यक्ति के सहयोग से पूरा हो सकता है।

मकर-मकर राशि के लिए कल का दिन लाभदायक होने के साथ ही आनंद देने वाला रहेगा। आपको कल कोई ऐसी खबर मिल सकती है जिसका आप काफी समय से इंतजार कर रहे थे। जो लोग किसी साझेदारी में काम करते हैं उनको साझेदारों से सहयोग और लाभ मिल सकता है। आपको किसी संस्था अथवा सामाजिक क्षेत्र से जुड़कर काम करने का मौका मिलेगा। वैवाहिक जीवन के मामले में आपका दिन आज सुखद रहेगा। आप जीवनसाथी के साथ कल प्रेमपूर्ण समय बिता सकते हैं। ससुराल पक्ष से भी आपके संबंध मधुर बने रहेंगे। किसी भौतिक सुख साधनों के भी मिलने का योग बना हुआ है। आप अपने किसी शौक को पूरा कर पाने से प्रसन्न होंगे।

मीन - मीन राशि के लिए आज सूर्य देव सहायक रहने वाले हैं। आपकी कोई चाहत पूरी होने से आपको खुशी मिलेगी। आप आज परिवार में जीवनसाथी और बच्चों से भी सहयोग पा सकेंगे। राजनीतिक और सामाजिक संपर्क का आपको आज फायदा मिल सकता है। पिता और पैतृक संपत्ति से भी आपको लाभ मिलने का योग बना हुआ है। अगर आपके कोई संबंधी विदेश में हैं तो आपको उनसे कोई प्रसन्नतादायक खबर मिलेगी। आप खेल और शिक्षा प्रतियोगिता में सफलता पाएंगे। भौतिक सुख साधनों के मिलने से भी आपको कल खुशी मिलेगा।

वनवास के दौरान यहां हुआ था भगवान श्रीराम और भरत जी का मिलाप, आज भी मौजूद हैं साक्ष्य

वाल्मीकि जी द्वारा रचित रामायण के उत्तरकाण्ड में भरत मिलाप का प्रसंग मिलता है। इस प्रसंग को पढ़ने, सुनने या फिर देखने के बाद ही व्यक्ति का मन करुणा से भर उठता है।

चित्रकूट में स्थित उस स्थान का महत्व आज भी उतना ही बना हुआ है, जितना कि उस समय में था जब प्रभु श्रीराम और भरत जी का मिलाप हुआ था। इस स्थान पर आज एक मंदिर भी स्थापित है, जिसे भरत मिलाप मंदिर के नाम से जाना जाता है। आज हम आपको उसी मंदिर के बारे में बताने जा रहे हैं।

क्यों खास है ये मंदिर

मध्य प्रदेश के चित्रकूट में भगवान कामतानाथ परिक्रमा मार्ग पर भरत मिलाप मंदिर स्थित है। रामायण में वर्णित कथा के अनुसार, जब भगवान राम वनवास को गए, तो इस बात का पता चलते ही भरत भी उन्हें मानने के लिए चित्रकूट आए। उन्होंने भगवान राम से वापिस अयोध्या चलने की प्रार्थना की, लेकिन अपने वचन को पूरा करने के लिए भरत को स्नेह के साथ वापिस भेज दिया था।

दोनों भाइयों के मिलन का यह दृश्य इतना भावपूर्ण था कि आसपास स्थित लोगों के साथ-साथ प्रकृति भी भावुक हो गई और आस-पास के पत्थर भी पिघल गए। इसका वर्णन गोस्वामी तुलसीदास जी ने श्रीरामचरितमानस में भी किया है -

द्रवहिं बचन सुनि कुलिस पषाना।
पुरजन पेमु न जाइ बखाना।।
बीच बास करि जमुनहिं आए।
निरखि नीरु लोचन जल छाए।।4।।

राम जी के प्रति भरत का प्रेम

इस मंदिर में आज भी राम जी और भरत जी के पैरों के निशान एक शिला पर देखे जा सकते हैं। राम-भरत मिलाप मंदिर के साथ-साथ कौशल्या-सीता मिलन और लक्ष्मण-शत्रुघन मिलन मंदिर भई स्थापित है। अंत में जब भरत राम जी को वापिस अयोध्या चलने के लिए मनाने में असफल रहे, तो वह उनकी चरण पादुका को ही अपने साथ ले गए और उन्हीं पादुका को सिंहासन पर विराजमान कर अयोध्या का राज चलाया।

इसके बिना अधूरी है यात्रा

भरत मिलाप मंदिर से कुछ दूरी पर एक विशाल कुआं भी मौजूद है, जिसे भरत कूप के नाम से जाना जाता है। चित्रकूट की तीर्थयात्रा इस पवित्र पूजा स्थल की यात्रा के बिना अधूरी मानी जाती है। ऐसा कहा जाता है कि भरत जी, भगवान राम का एक राजा के रूप में अभिषेक करना चाहते थे, इसलिए उन्होंने सभी पवित्र तीर्थों के जल को एकत्रित किया। बाद में ऋषि अत्रि की सलाह मानकर उन्होंने जल को इस कुंए में डाल दिया था। इसलिए इसे भरत कूप के नाम से जाना जाता है।

घर की उत्तर दिशा में रख दें ये वस्तुएं, हर तरफ से मिलेगा लाभ

माना जाता है कि अगर आप अपने घर व कार्यक्षेत्र में वास्तु नियमों का ध्यान रखते हैं, तो इससे पॉजीटिव एनर्जी का प्रवाह बना रहता है। साथ ही इससे खुशनुमा माहौल भी देखने को मिलता है। ऐसे में आप हर दिशा में वास्तु नियमों का ध्यान रखते हैं, तो इससे आपको कई अच्छे परिणाम देखने को मिलते हैं। आज हम आपको उत्तर दिशा से संबंधित वास्तु नियम बताने जा रहे हैं।

नहीं होगी आर्थिक तंगी

वास्तु शास्त्र के नियमों के अनुसार अगर आप घर की उत्तर दिशा में धन या तिजोरी आदि रखते हैं, तो इससे आपके ऊपर कुबेर देव और मां लक्ष्मी की कृपा बनी रहती है। साथ ही आप इस दिशा में माता लक्ष्मी की मूर्ति या चित्र भी स्थापित कर सकते हैं, जिससे आपको लिए धन लाभ के योग बनने लगते हैं।

कौन-से पौधे रखें

वास्तु शास्त्र के मुताबिक आप उत्तर दिशा में मनी प्लांट और तुलसी के पौधे रख सकते हैं। जहां मनी प्लांट को धन वृद्धि से जोड़कर देखा जाता है, वहं सनातन धर्म में तुलसी के पौधे को बहुत ही पवित्र माना गया है। ऐसे में इस दोनों पौधों को उत्तर दिशा में रखने से आपको विशेष लाभ देखने को मिल सकता है।

रसोई से संबंधित नियम

वास्तु के अनुसार, आपकी रसोई भी उत्तर दिशा में ही होनी चाहिए। ऐसा करने से मां अन्नपूर्णा की कृपा आपके ऊपर बनी रहती है, जिससे व्यक्ति को कभी अन्न की कमी का सामना नहीं करना पड़ता।

रख सकते हैं ये चीजें

वास्तु के अनुसार आप उत्तर दिशा में छोटा-सा फाउंटेन, धातु से बना या क्रिस्टल का कछुआ, आईना आदि रख सकते हैं। ऐसा करना काफी शुभ माना जाता है। लेकिन ध्यान रखें कि घर की उत्तर दिशा में जूते-चप्पल, कूड़ेदान या भारी सामान आदि न रखें, क्योंकि इससे सकारात्मक ऊर्जा का प्रवाह अवरुद्ध हो सकता है।

भालचंद्र संकष्टी चतुर्थी पर राशि अनुसार करें दान, हर काम में मिलेगी सफलता!

पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि को भालचंद्र संकष्टी चतुर्थी के नाम से जाना जाता है। इस बार भालचंद्र संकष्टी चतुर्थी 17 मार्च को मनाई जाएगी। इस दिन विधिपूर्वक भगवन गणेश की पूजा होती है। साथ ही विशेष चीजों का दान किया जाता है। इससे साधक को गणपति बप्पा की कृपा प्राप्त होती है। साथ ही धन लाभ के योग बनते हैं।

अगर आप भगवान गणेश को प्रसन्न करना चाहते हैं, तो भालचंद्र संकष्टी चतुर्थी पर पूजा करने के बाद राशि अनुसार दान करें। इससे साधक को शुभ फल की प्राप्ति होती है। साथ ही मनचाहा करियर मिलता है।

भालचंद्र संकष्टी चतुर्थी पर राशि अनुसार दान

मेष राशि के जातक भालचंद्र संकष्टी चतुर्थी पर शहद का दान करें। इससे गणपति बप्पा प्रसन्न होंगे।

वृषभ राशि के जातक भालचंद्र संकष्टी चतुर्थी पर सफेद बर्फी का दान करें। इससे चंद्र दोष दूर होगा।

मिथुन राशि के जातक भालचंद्र संकष्टी चतुर्थी पर अन्न का दान करें। इससे सुख-शांति की प्राप्ति होगी।

कर्क राशि के जातक भालचंद्र संकष्टी चतुर्थी पर कपड़ों का दान करें। इससे रुके हुए काम जल्द पूरे होंगे।

सिंह राशि के जातक भालचंद्र संकष्टी चतुर्थी पर गुड़ का दान करें। इससे हर काम में सफलता मिलेगी।

कन्या राशि के जातक भालचंद्र संकष्टी चतुर्थी पर फल का दान करें। इससे पूजा का पूरा फल प्राप्त होगा।

तुला राशि के जातक भालचंद्र संकष्टी चतुर्थी पर खीर का दान करें। इससे चंद्र ग्रह मजबूत होगा।

वृश्चिक राशि के जातक भालचंद्र संकष्टी चतुर्थी पर लाल रंग के वस्त्र का दान करें। इससे वैवाहिक जीवन खुशहाल होगा।

धनु राशि के जातक भालचंद्र संकष्टी चतुर्थी पर तुलसी के पौधे का दान करें। इससे मां लक्ष्मी प्रसन्न होंगी।

मकर राशि के जातक भालचंद्र संकष्टी चतुर्थी पर हरी चूड़ी का दान करें। इससे सुख-सौभाग्य की प्राप्ति होगी।

कुंभ राशि के जातक भालचंद्र चतुर्थी पर धन का दान करें। इससे हमेशा पैसों से तिजोरी भरी रहेगी।

मीन राशि के जातक भालचंद्र संकष्टी चतुर्थी पर केले का दान करें। इससे भगवन विष्णु प्रसन्न होंगे।

नितिन स्टारर रॉबिनहुड 28 को सिनेमाघरों में देगी दस्तक

हीरो नितिन अपनी बहुप्रतीक्षित डकैती कॉमेडी रॉबिनहुड के साथ मनोरंजन करने के लिए पूरी तरह तैयार हैं, जिसका निर्देशन वेंकी कुदुमुला ने किया है, जिन्होंने पहले उनके साथ एक ब्लॉकबस्टर भीष्म बनाई थी। माइथ्री मूवी मेकर्स द्वारा निर्मित इस फिल्म में श्रीलीला नितिन के साथ अभिनय करती हैं। निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज की तारीख की घोषणा कर दी है, और रॉबिनहुड 28 मार्च को सिनेमाघरों में आने के लिए पूरी तरह तैयार है, जो गर्मियों की रिलीज के सबसे बड़े आकर्षणों में से एक है।रिलीज डेट पोस्टर में नितिन को एक आकर्षक, विशेष एजेंट अवतार में दिखाया गया है, जो स्टाइल के साथ चलते हुए शान से पेश आ रहा है।

फिल्म की प्रचार गतिविधियाँ जल्द ही शुरू होंगी, जिसमें केतिका शर्मा की विशेषता वाला दूसरा सिंगल कुछ ही दिनों में रिलीज़ होने वाला है। फिल्म का संगीत जीवी प्रकाश कुमार ने तैयार किया है, और पहले सिंगल, झलक और अन्य प्रचार सामग्री को शानदार प्रतिक्रिया मिली है।नवीन येरनेनी और वाई रविशंकर द्वारा निर्मित इस फिल्म की सिनेमैटोग्राफी साई श्रीराम ने की है, जबकि कोटी संपादक हैं और राम कुमार कला निर्देशक हैं। कलाकारों में नितिन, श्रीलीला, राजेंद्र प्रसाद, वेनेला किशोर और अन्य शामिल हैं।

अपने प्रतिभाशाली क्रू और कलाकारों के साथ, रॉबिनहुड के एक बड़ी हिट होने की उम्मीद है, और प्रशंसक 28 मार्च को इसकी रिलीज का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।जैसे-जैसे रिलीज की तारीख नजदीक आ रही है, रॉबिनहुड को लेकर उत्साह बढ़ता जा रहा है।

एक्शन, कॉमेडी और स्टाइल के अपने अनूठे मिश्रण के साथ, यह फिल्म गर्मियों के सबसे बड़े आकर्षणों में से एक बनने के लिए तैयार है। रॉबिनहुड के रोमांचकारी सफर को मिस न करें - 28 मार्च के लिए अपने कैलेंडर पर निशान लगाएँ और बेहतरीन हीस्ट कॉमेडी का अनुभव करने के लिए तैयार हो जाएँ!

इन गलियों में फिल्म का ट्रेलर जारी

सोशल मीडिया के दुनिया में सच्ची प्रेम कहानी दिखाएगी फिल्म

इन गलियों में फिल्म का बहुप्रतीक्षित ट्रेलर आखिरकार रिलीज हो गया है। फिल्म में आज के जमाने की प्रेम कहानी दिखाई गई है, जहां दो दिल सोशल मीडिया के माध्यम से जुड़ते हैं, लेकिन अपने प्यार को हासिल करने के लिए उन्हें दुनिया से लडऩा है, जिसकी सच्चाई यह है कि वह अलग-अलग मजहबों में दोस्ती तो बर्दाश्त कर सकते हैं, लेकिन प्रेमी नहीं।अपने होली सॉन्ग उड़ा हवा में रंग है से लोगों का दिल जीतने के बाद अब फिल्म का ट्रेलर सोशल मीडिया पर लोगों को आकर्षित कर रहा है। अविनाश दास के निर्देशन में बनी यह फिल्म आज की दुनिया में प्यार, सामाजिक रिश्तों और सोशल मीडिया की ताकत पर आधारित है।

ट्रेलर में दिखाया गया है कि सोशल मीडिया के जरिए विवान शाह को अवंतिका से प्यार हो जाता है और अभिनेत्री को प्रपोज करने में वह खूब पापड़ बेलते हैं।हालांकि, जब दोनों के बीच प्यार होता है, तब समाज की वो परेशानी उनके सामने आती है, जिससे लडऩे में खुद को कमजोर महसूस कर रहे हैं। कहानी उन गलियों की है, जहां हिंदू-मुस्लिम साथ रहते तो हैं, लेकिन दिल से साथ नहीं दिखते। वहीं, सोशल मीडिया पर दोनों के प्यार को लोग समर्थन दे रहे हैं। ऐसे में दो प्रेमियों का प्यार क्या उनके रीति-रिवाजों से आगे बढ़ अपनी मंजिल हासिल करेगा या नहीं? यह फिल्म में ही पता चलेगा।अवंतिका और विवान शाह फिल्म में मुख्य भूमिकाओं में हैं। उनके साथ जावेद जाफरी अहम भूमिका निभा रहे हैं। यदुनाथ फिल्म्स द्वारा प्रस्तुत इन गलियों में विनोद यादव और नीरू यादव द्वारा निर्मित और जांनिसार हुसैन, आदर्श सक्सेना, संजीव गोस्वामी और अल्कोर प्रोडक्शंस द्वारा सह-निर्मित है। अविनाश दास द्वारा निर्देशित यह फिल्म 14 मार्च 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

सिनेमाघरों के बाद ओटीटी प्लेटफॉर्म पर धमाल मचाएगी छावा

11 अप्रैल को नेटफ्लिक्स पर होगी रिलीज

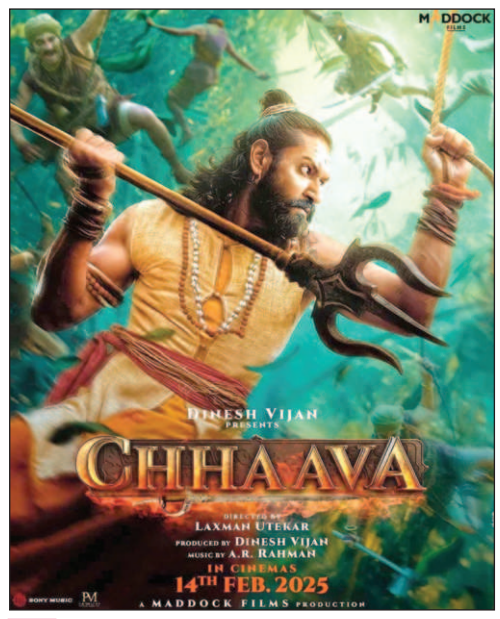

सनसनीखेज ब्लॉकबस्टर 11 अप्रैल को सभी भाषाओं में नेटफ्लिक्स पर आ रही है। इस बीच, फिल्म 7 मार्च को तेलुगु में सिनेमाघरों में रिलीज हुई। सिनेमाघरों में रिलीज होने के बावजूद, फिल्म अभी भी शानदार प्रदर्शन कर रही है, जिसका हिंदी संस्करण भारत में 500 करोड़ का आंकड़ा पार करने वाला है।फिल्म की बड़ी सफलता का श्रेय इसकी आकर्षक कहानी, प्रभावशाली अभिनय और ऐतिहासिक महत्व को दिया जा सकता है। मैडॉक फिल्म्स द्वारा समर्थित, छावा छत्रपति शिवाजी महाराज के पुत्र छत्रपति संभाजी महाराज के जीवन पर आधारित एक ऐतिहासिक ड्रामा है। यह फिल्म अभिनेता विक्की कौशल और रश्मिका मंदाना के बीच पहली बार सहयोग की निशानी है। विक्की को छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका में उनके बेजोड़ प्रदर्शन के लिए बहुत सराहना मिली, जबकि रश्मिका ने उनकी पत्नी येसुबाई भोंसले का किरदार निभाया है।ए.आर. रहमान द्वारा रचित इस फ़िल्म के संगीत को दर्शकों से सकारात्मक प्रतिक्रिया नहीं मिली।

हालाँकि, इससे फ़िल्म की समग्र सफलता में कोई बाधा नहीं आई। छावा का विशाल बॉक्स ऑफ़िस कलेक्शन इसकी आकर्षक कहानी और प्रभावशाली अभिनय का प्रमाण है। अप्रैल में नेटफ्लिक्स पर फ़िल्म की ओटीटी रिलीज़ से इसकी लोकप्रियता में और वृद्धि होने की उम्मीद है, जिससे यह व्यापक दर्शकों तक पहुँच पाएगी।चूँकि छावा बॉक्स ऑफ़िस पर धूम मचा रही है, इसलिए इसकी ओटीटी रिलीज़ का बेसब्री से इंतज़ार किया जा रहा है। अपने ऐतिहासिक महत्व, आकर्षक कहानी और प्रभावशाली अभिनय के साथ, छावा के नेटफ्लिक्स पर भी हिट होने की उम्मीद है। सभी भाषाओं में नेटफ्लिक्स पर इस सनसनीखेज ब्लॉकबस्टर को देखने के लिए 11 अप्रैल को अपने कैलेंडर पर निशान लगाएँ!

विक्की कौशल अभिनीत बॉलीवुड की बड़ी ब्लॉकबस्टर फिल्म छावा बॉक्स ऑफिस पर शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से सर्वसम्मति से सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है और इसके ओटीटी स्ट्रीमिंग विवरण सामने आ गए हैं।

आईफा के मंच पर साथ नजर आए करीना और शाहिद, एक-दूजे को लगाया गले

जयपुर में चल रहे अंतरराष्ट्रीय भारतीय फिल्म अकादमी पुरस्कार (आईफा) में अभिनेता करीना कपूर खान और शाहिद कपूर मंच पर एक-दूसरे को गले लगाते नजर आए।करीना और शाहिद 4-5 साल तक एक-दूसरे के साथ रहने के बाद अलग हो गए थे।

करीना ने आईफा के 25वें सीजन में अपनी अपकमिंग प्रस्तुति के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, हेलो, यहां आकर बहुत अच्छा लग रहा है। मैं बहुत खुश हूं कि आईफा ने मुझे प्रस्तुति देने के लिए निमंत्रण दिया। मेरी प्रस्तुति बहुत खास होगी, क्योंकि मेरे दादा राज कपूर की 100वीं जयंती है और हम उन्हें श्रद्धांजलि देने जा रहे हैं। मैं बहुत उत्साहित हूं। यह बहुत भावुक क्षण है और मैं कल रात का इंतजार नहीं कर सकती।

करीना और शाहिद साल 2007 में रिलीज हुई प्रतिष्ठित फिल्म 'जब वी मेट' में साथ काम कर चुके हैं। फिल्म की शूटिंग के अंतिम चरण के दौरान, करीना और शाहिद अलग हो गए थे। इस फिल्म ने हिंदी सिनेमा में रोमांटिक-कॉमेडी शैली की दिशा बदल दी और इम्तियाज़ अली को एक जाना-माना नाम बना दिया। फिल्म की शूटिंग मुख्य रूप से मुंबई, भटिंडा और शिमला में की गई। फिल्म की कहानी आदित्य कश्यप (शाहिद कपूर) पर आधारित है, जिसका दिल टूट चुका है। वह एक ट्रेन में चढ़ता है, जहां उसकी मुलाकात एक चुलबुली पंजाबी लड़की गीत ढिल्लन (करीना कपूर) से होती है। उनकी ट्रेन छूट जाती है और फिर शुरू होती है कहानी। दोनों में दोस्ती होती है, जो प्यार में बदल जाती है। इस फिल्म में इम्तियाज, संगीतकार प्रीतम और गीतकार इरशाद कामिल ने साथ काम किया।फिल्म के बाद करीना ने सैफ अली खान को 5 साल तक डेट किया, जिसके बाद साल 2012 में दोनों ने शादी कर ली। शाहिद ने भी साल 2015 में मीरा राजपूत से शादी की, इस जोड़े के दो बच्चे हैं, एक बेटी जिसका नाम मीशा है और एक बेटा जिसका नाम जैन है। मीशा का जन्म 2016 में हुआ और जैन का जन्म 2018 में हुआ।

अदाकारी के बाद निर्देशन में कदम रखने जा रहीं राधिका आप्टे

अपनी अलग अदाकारी के लिए मशहूर अभिनेत्री राधिका आप्टे जल्द ही फिल्म कोट्या से निर्देशन में डेब्यू करने जा रही हैं। राधिका आप्टे ने कई बॉलीवुड फिल्मों में बेहतरीन अदाकारी की है। उन्होंने पिछले कुछ सालों में पैडमैन, अंधाधुन, मोनिका और माय डार्लिंग जैसी फिल्मों में बेहतरीन काम किया है। अब राधिका आप्टे एक्शन-फंतासी फिल्म के साथ निर्देशन में कदम रखने जा रही हैं।खबरों के मुताबिक राधिका आप्टे की फिल्म कोट्या एक हिंदी/मराठी एक्शन-फंतासी है। इसमें एक प्रवासी नौजवान की कहानी दिखाई गई है। नायक एक गन्ना काटने वाला शख्स है। जबरदस्ती की एक चिकित्सा प्रक्रिया के बाद नौजवान को कुछ ताकतें मिलती हैं। इसके बाद वह उन ताकतों का इस्तेमाल अपने परिवार का कर्ज उतारने के लिए करता है। फिल्म का प्रोडक्शन विक्रमादित्य मोटवानी कर रहे हैं। रिधिका के काम की बात करें तो वह हाल ही में सिस्टर मिडनाइट में नजर आईं थीं। इस फिल्म को कान्स फिल्म फेस्टिवल में दिखाया गया था। फिल्म को बाफ्टा अवॉर्ड के नामांकित किय गया था। राधिका को बीआईएफए अवॉर्ड के लिए नामांकित किया गया था। राधिका ने फिल्म में उस महिला का किरदार निभाया था जिसे जबरदस्ती अरेंज मैरिज में घसीटा जाता है।राधिका आप्टे ने साल 2012 में शादी कर ली थी। पिछले साल राधिका आप्टे ने अपने पति बेनेडिक्ट के साथ अपने बच्चे का स्वागत किया था। इंस्टाग्राम पर राधिका ने एक नवजात बच्चे की तस्वीर साझा की थी। इसमें वह बच्चे को स्तनपान करा रही थी। फोटो में छुट्टी के बाद काम पर उनकी वापसी को दिखाया गया था।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज छात्रों के लिए सुनहरा दिन रहेगा , आपकी लोकप्रियता दिनोंदिन बढेगी . इस अवधि के दौरान व्यवसाय के हिसाब से यात्रा हो सकती हैं. आपके द्वारा अपनी पूरी कार्य क्षमता का प्रयोग आपको हर हल में सफल बनाएगा. प्रेमी जोडों के लिए समय शुभ नहीं है. आपको अपने जीवनसाथी का ख्याल रखने की जरुरत है. सहोदर सम्बन्ध मे कुछ मतभेद आ सकते हैं. चिकनाई वाला भोजन आप को हृदय सम्बंधित तकलीफ दे सकता हैं संतुलित आहार लें।

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

तकनीकी क्षेत्र से जुडे हुए व्यवसायी को अधिक महनत करनी पडेगी उस के बाद भी आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे. आप जिस काम को करेंगे, वो समय से पहले पूरा हो जायेगा. किसी जरूरी काम में जीवनसाथी की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा. निजी क्षेत्र मे जॉब करने वाले लोगों के लिए आज का दिन फायद–मंद है. सोचे हुए सभी काम समय पर पूरे होंगे. आपके आत्मविश्वास में बढ़ोतरी होगी. आप की सन्तान कन्या के रूप मे है तो कुछ ना कुछ उपहार जरूर दे।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आप कलाकार हैं तो आप की बडे स्तर पर पहचान बनेगी धन कोष मे भी बढोत्तरी होगी नयी कम्पनी से जुडने का आफर भी मिल सकता हैं. अपने जीवन साथी की इच्छाओं को आप पूरा करने का भरपूर प्रयास करेंगे रिश्तोमे मे मीठास बढेगी । ध्यान रखें रिश्तों के प्रति अपनी इच्छाओं को इतना न बढ़ाते चले जाएं कि उसका बुरा असर अपने जीवन रेखा की धारा को ही मोड दें।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज सुबह बडे बुजुर्गो का सम्मान एवं आशीर्वाद लेकर चलें। कठिनाइयों को दूर करने मे आप सक्षम होंगे. आपकी मेहनत का बराबर महन्ताना आप को मिलेगा आज व्यावसायिक रूप से आपके पास अपने आर्थिक पक्ष को बढाने के लिए बहुत अच्छे अवसर होंगे. आज साझेदारी का कारोबार भी आप को लाभ की स्थिति मे ले आएगा बढ़े हुए व्यय के कारण साझेदारी मे कुछ समस्याएं आ सकती है. आज आप थोड़े लापरवाह मूड में हो सकते हैं। आप को पारिवारिक जरुरतों को पहले पूरा करना चाहिए सेहत तंदुरुस्त रहेगी।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आज धार्मिकता मन मे बढेगी आपका दिन ठीक–ठाक रहेगा. शिक्षकों को अपने छात्रों पर कड़ी मेहनत करने की जरुरत है. किसी भी काम को शुरूआत करने से पहले जीवनसाथी से राय– मशविरा कर लेने से अच्छा रहेगा. आप कहीं लंबी यात्रा पर जा सकते हैं. कुछ मामलों में आप अपनी बातों पर कायम नहीं रह पायेंगे.कोई नया दोस्त बन सकता है. शाम का समय कठिन परिस्थितियो वाला हो सकता हैं अपने भरोसेमंद साथीयो से मदद मिल जाएगी।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज आप अपनी शारीरीक क्षमताओं के बलबूते अपने विरोधियों को परास्त करने मे सफल होंगे अपने काम को भी आगे बढाएंगे . आप अपनी बुरी आदतों को छोड़ कर अच्छी आदतों को अपनाना चाहेंगे. आप अपने रिश्तों पर भी एक नजर डालेंगे और उन्हें और अच्छा बनाने की सोचेंगे. आज अज्ञात कारण वश मन चिंतित रहेगा. प्राप्त हुआ धन आपकी उम्मीद के मुताबिक नहीं होगा. कामकाज के क्षेत्र में भी अपने साथीयों का पूरा सहयोग रहेगा , स्वास्थ्य ठीक रहेगा।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

अपनी कार्यशैली को सुधारने की आवश्यकता हैं किसी सहकर्मी की मदद लेने की जरुरत पडेगी . आपको अपनी क्षमताओं का प्रदर्शन करने के लिए पर्याप्त अवसर मिलेंगे. राजनीति मे नई जिम्मेदारियां मिल सकती हैं. मीडिया से जुड़े क्षेत्रों के लोगों के पास खुद को व्यस्त रखने के लिए पर्याप्त काम होगा. बच्चे और परिवार भी आप की सफलता का भरपूर आनंद उठाएंगे . अपने बच्चों के लिए विवाह के लिए नये रिश्ते आ सकते हैं आप की जिम्मेदारी पूरी हो सकती हैं ।

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज कुछ जरुरतमंदो को अनाज दान करें सहयोग करें आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा. आप को बड़े अधिकारियों का सहयोग मिलेगा. आमदनी में इज़ाफ़ा होने के आसार नज़र आ रहे हैं. पूरे दिन खुद को तरोताज़ा महसूस करेंगे. आप सामाजिक क्षेत्र से जुड़े हुए है तो आज यात्रा का बन रहा हैं. घर परिवार का वातावरण शांतिदायक रहेगा. आध्यात्मिकता की ओर आपका रुझान रहेगा. कुछ अन्तराल के बाद परिवार के साथ पहाड़ी क्षेत्र पर सैरसपाटे के लिए जाएंगे ।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज मन तो शान्त रहेगा परन्तु नौकरी में संगी–साथी से मतभेद के चलते कार्यक्षेत्र में परिवर्तन हो सकता है. किसी भी चीज को छोटा न समझें, आप के जीवन मे नए संबंध बन सकते हैं आप के लिए लाभकारी रहेगा . वाहन खरीदने के योग बनेंगे सुख–सौभाग्य बना रहेगा. कारोबार के क्षेत्र का वातावरण अनुकूल रहेगा. सभी कार्य किसी रूकावट के बिना पूर्ण होंगे । गणेश जी को बूंदी के लड्डू का भोग लगाए।

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज धन सम्बन्धित चिंता से मुक्त रहेंगे परन्तु स्वास्थ्य को लेकर आप परेशान हो सकते हैं आर्थिक मामलों में सुधार होगा. जो काम आरंभ करेंगे उस मे सफ़लता मिलेगी. प्रभावशाली एवं महत्वपूर्ण व्यक्तियों से आपका मिलना होगा और इससे आपको फायदा भी होगा. लाभप्रद सौदे हाथ लगेंगे. परिवार के साथ आनंददायी समय बीतेगा. बच्चे शिक्षा पढाई को लेकर आप को परेशान कर सकते हैं योग प्राणायाम करते रहें तभी स्वास्थ्य सुधरेगा।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज गणेश मंत्र का जप करके ही कार्य का आरंभ करें धन लाभ निश्चित होगा आपका दिन शानदार रहेगा. लोगों का विश्वास आप पर बना रहेगा. अगर आप हाई एजुकेशन पाने की ख्वाहिश रखते हैं तो गणेश जी के मंत्र के साथ सरस्वती मंत्र का जप करें । शिक्षा मे उन्नति होगी बच्चों की तरफ से शुभ समाचार मिलेंगें. घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा. दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य उत्तम रहेगा. नियमित कामकाज में आपका मन लगेगा. रोजमर्रा के कामों से फायदा होगा. अगर आप का पैसा कारोबार में रूका हुआ हैं तो बहते हुए जल मे आटा और चीनी प्रवाहित करें पैसा वापस मिलेगा ।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप को सतर्क रहना पडेगा अकस्मात कुछ घट सकता हैं प्रातः काल सूर्य को अर्घ्य और शिवमंत्र का जप करें आज आप का मान–सम्मान बढ़ेगा और धनलाभ होगा. हर काम को बड़ी कुशलता से निपटा लेगे. भावनाओं में बहकर किसी अनुचित काम ना करें. वैवाहिक जीवन के लिए अच्छा दिन है. नौकरी मे मुश्किलें बन रही है तो अपने मित्रों का सहयोग लेने से मत कतराएं आप का आसान हो जाएगा ।

रविवार का पंचांग

दिनांक : 09 मार्च 2025 , रविवार
विक्रम संवत : 2081
मास : फाल्गुन , शुक्ल पक्ष
तिथि : दशमी प्रातः 07:47 तक
नक्षत्र : पुनर्वसु रात्रि 11:56 तक
योग : सौभाग्य दोपहर 02:57 तक
करण : गर प्रातः 07:47 तक
चन्द्रराशि : मिथुन सायं 05:46 तक
सूर्योदय : 06:28 , सूर्यास्त 06:24 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:31, सूर्यास्त 06:29 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:23 , सूर्यास्त 06:22 (तिरुपति)
सूर्योदय : 06:19 , सूर्यास्त 06:16 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया

चल : 07:30 से 09:00
लाभ : 09:00 से 10:30
अमृत : 10:30 से 12:00
शुभ : 01:30 से 03:00
राहुकाल : सायं 04:30 से 06:00
दिशाशूल : पश्चिम दिशा
उपाय : गुड खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : भद्रा रात्रि 07:42 से , रविपुष्य सिद्धि योग रात्रि

※ पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें ※

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

मुख्यमंत्री भजनलाल ने सीतापुरा स्थित रीको परिसर में आईफा गार्डन का उद्घाटन किया

जयपुर,08 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि हमारे गौरवशाली राज्य की राजधानी जयपुर में इंटरनेशनल इंडियन फिल्म एकेडमी अवार्ड (आईफा) का सिल्वर जुबली का आयोजन होना गर्व की बात है। उन्होंने कहा कि आईफा केवल एक अवॉर्ड समारोह नहीं, बल्कि भारतीय सिनेमा और संस्कृति के वैश्विक विस्तार का प्रतीक है, जिससे राजस्थान को अंतरराष्ट्रीय फिल्म और मनोरंजन उद्योग में नई पहचान मिलेगी। उन्होंने कहा कि प्रतिष्ठित आईफा अवार्ड्स का आयोजन राजस्थान में पहली बार हो रहा है।

शर्मा शनिवार को नोवोटल कन्वेंशन सेंटर में आईफा प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत को वैश्विक मनोरंजन और सांस्कृतिक उद्योग का केंद्र बनाने की दिशा में तेजी से कार्य हो रहा है। आईफा का यह आयोजन उसी विजन का एक सशक्त प्रतिबिंब है। उन्होंने कहा कि आईफा का आयोजन राजस्थान को एक वैश्विक फिल्म शूटिंग स्थल, डेस्टिनेशन वेडिंग और लाइव इवेंट्स के लिए प्रमुख केंद्र के रूप में भी स्थापित करेगा। साथ ही, राजस्थान में कॉनसर्ट टूरिज्म के नए आयाम भी खुलेंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान सदियों से अपनी भव्यता, शाही विरासत और राजसी आतिथ्य के लिए प्रसिद्ध रहा है। हर साल हजारों विवाह यहां के भव्य महलों, किलों, हवेलियों और होटलों में होते हैं। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय सेलेब्रिटी भी राजस्थान को अपनी ड्रीम वेडिंग के लिए चुन रहे हैं। देश की 75 प्रतिशत हेरिटेज प्रॉपर्टी यहां है, जो इसे डेस्टिनेशन वेडिंग का सबसे आकर्षक स्थल बनाती हैं। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में राजस्थान में विवाह एवं ऐसे अन्य भव्य आयोजनों से होटल, पर्यटन, स्थानीय कारीगरों और पारंपरिक हस्तशिल्प उद्योग को लाभ हुआ है।

शर्मा ने कहा कि पिछले एक वर्ष में राजस्थान में 61 वेब सीरीज, डॉक्यूमेंट्री, विज्ञापन फिल्म, फीचर फिल्म, टीवी शो, टीवी सीरियल और म्यूजिकल वीडियो की शूटिंग हुई है। उन्होंने कहा कि जयपुर, जोधपुर, उदयपुर, अजमेर, बीकानेर, पाली, जैसलमेर और शेखावाटी जैसे क्षेत्र निर्माता–निर्देशकों की विशेष पसंद बन रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान की अनुपम संभावनाएं फिल्म निर्माण के लिए इसे आदर्श गंतव्य बनाती हैं। यहां की सुनहरी रेत, विशाल किले, शांत झीलें, वन्य जीव अभयारण्य, अरावली के पहाड़, चम्बल का किनारा और जीवंत ग्रामीण जीवन फिल्मकारों के अपने सपनों को साकार करने के लिए एक कैनवास प्रदान करते हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान के बिना बॉलीवुड की कल्पना नहीं की जा सकती है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राजस्थान सड़क, रेल, और हवाई मार्ग से देश और दुनिया से बेहतरीन तरीके से जुड़ा हुआ है। जयपुर, जोधपुर, किशनगढ़, जैसलमेर, उदयपुर और बीकानेर जैसे शहर भी हवाई मार्ग से जुड़े हैं। उन्होंने कहा कि यशस्वी प्रधानमंत्री के राजस्थान पर विशेष स्नेह के कारण यहां से देश के हर कोने के लिए ट्रेनें उपलब्ध हैं। राजस्थान का समृद्ध सड़क तंत्र राष्ट्रीय राजमार्गों के साथ दूर–दराज के इलाकों तक पहुंच सुनिश्चित करता है।

शर्मा ने कहा कि बॉलीवुड के कलाकार राजस्थान के ब्रांड एम्बेसडर हैं। वे जब राजस्थान की धरती पर आते हैं तब धरती धोरां री और पधारो म्हारे देश की संस्कृति को दुनियाभर में लेकर जाते हैं। यहां की सड़कें न केवल शहरों को जोड़ती हैं, बल्कि ग्रामीण क्षेत्रों तक फिल्म निर्माण की राह आसान बनाती हैं। उन्होंने कहा कि फिल्म निर्माण को सरल बनाने के लिए राजस्थान सरकार की सिंगल विंडो सुविधा एक वरदान है। यहां ऑनलाइन परमिशन सिस्टम के जरिए सभी क्लीयरेंस 15 दिनों के भीतर जारी हो जाते हैं। वन्य जीवन पर आधारित फिल्में और डॉक्यूमेंट्री बनाने वालों के लिए राजस्थान एक स्वर्ग है। जवाई और झालाना में लेपर्ड की मौजूदगी, रणथंभौर और सरिस्का जैसे प्रोजेक्ट टाइगर रिजर्व जैव–विविधता को दर्शाते हैं।

मुख्यमंत्री ने फिल्मजगत के अतिथियों से अनुरोध करते हुए कहा कि राजस्थान में फिल्म बनाना केवल एक प्रोजेक्ट नहीं, बल्कि एक अनुभव है जहाँ प्रकृति, इतिहास और संस्कृति आपके हर दृश्य को अमर कर देती है। राजस्थान की धरती आपको बुला रही है। उन्होंने आइफा के सफल आयोजन के लिए राजस्थान की 8 करोड़ जनता की ओर से शुभकामनाएं देते हुए कहा कि राजस्थान की मेहमान नवाजी सभी को पसंद आती है।

उपमुख्यमंत्री दिया कुमारी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के विजन के अनुरूप मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा के नेतृत्व में पर्यावरण संरक्षण के लिए प्रदेश का पहला ग्रीन बजट इस वर्ष पेश किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जल आवश्यकता की पूर्ति के लिए मध्यप्रदेश और हरियाणा के साथ जल समझौते किए गए हैं। प्रधानमंत्री की पहल पर संचालित एक पेड़ मां के नाम अभियान में राजस्थान पौधारोपण में अग्रणी राज्य रहा। उन्होंने कहा कि आईफा अवार्ड आयोजन से प्रदेश में और अधिक फिल्मों की शूटिंग होंगी साथ ही, पर्यटन का बढ़ावा मिलेगा। इसके बाद मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने सीतापुरा स्थित रीको परिसर में आईफा गार्डन का उद्घाटन किया तथा पौधारोपण भी किया। इस दौरान अतिरिक्त मुख्य सचिव (मुख्यमंत्री कार्यालय) शिखर अग्रवाल, प्रमुख शासन सचिव अजिताभ शर्मा, आईफा अवार्ड आयोजन समिति के सब्बास जोसेफ, विराफ सरकारी एवं आंद्रे टीमिन्स सहित फिल्म जगत के कलाकार उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर राज्य स्तरीय सम्मान समारोह

लाडो प्रोत्साहन योजना के तहत सेविंग बॉन्ड की राशि बढ़ाने की घोषणा

जयपुर,08 मार्च (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि महिलाओं का विकसित भारत–विकसित राजस्थान बनाने में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने कहा कि महिलाएं राजनीति, कला, खेल, शिक्षा, स्वास्थ्य, सुरक्षा सहित हर मोर्चे पर अपने उत्कृष्ट कार्यों से देश और प्रदेश को गौरवान्वित कर रही हैं। मुख्यमंत्री ने मातृशक्ति का आह्वान किया कि अंतिम पंक्ति पर खड़ी जरूरतमंद महिलाओं को मुख्य धारा में लाने के लिए मिलकर प्रयास करें और देश–प्रदेश को सशक्त बनाने में अपनी महत्ती भूमिका निभाएं।

मुख्यमंत्री शर्मा शनिवार को बिड़ला सभागार में अंतरराष्ट्रीय महिला दिवस पर आयोजित राज्य स्तरीय महिला सम्मान समारोह को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि महिलाएं त्याग, करुणा, स्नेह, धैर्य, सहनशीलता, संवेदनशीलता, सौम्यता, विनम्रता, वीरता व सहानुभूति जैसे अनेक गुणों की प्रतिमूर्ति होती हैं। यह दिन मातृशक्ति के योगदान को सम्मान देने का अवसर तथा हर क्षेत्र में महिलाओं की शानदार उपलब्धियों पर गर्व करने का दिन है। उन्होंने कहा कि हर बच्चे के लिए उसकी मां ही प्रथम गुरु होती है तथा व्यक्ति को सुशिक्षित एवं सभ्य बनाने में नारी का बहुत बड़ा योगदान होता है। हमारी संस्कृति में नारी को हमेशा सम्मान दिया गया है। शास्त्रों में भी कहा गया है कि जहां नारी की पूजा की जाती है वहां देवता निवास करते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के फैसलों से देश में महिलाएं सशक्त तथा आत्मनिर्भर बन रही हैं। इसी कड़ी में आज के दिन प्रधानमंत्री के डिजिटल सोशल मीडिया अकाउंट की जिम्मेदारी भी नारी शक्ति को ही सौंपी गई है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जहां घर–घर में शौचालय बनवाकर नारी शक्ति को उचित सम्मान दिया वहीं, उज्ज्वला योजना से घर–घर तक रसोई गैस सिलेंडर पहुंचाया। हमारी सरकार भी 450 रुपये में रसोई गैस सिलेंडर देने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने आधी आबादी की उन्नति और प्रगति के लिए नारी शक्ति वंदन अधिनियम पारित करवाया जिससे महिलाओं के लिए लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में 33 फीसदी आरक्षण का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

शर्मा ने कहा कि प्रदेश में हमारी सरकार महिलाओं के कल्याण और हितों के लिए काम कर रही है। राज्य सरकार द्वारा लखपति दीदी योजना के तहत 3 लाख से ज्यादा महिलाएं लाभान्वित हो रही हैं। साथ ही, मातृवंदन योजना से करीब 5 लाख महिलाएं लाभान्वित हुई हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार द्वारा आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं तथा साथिन बहनों के मानदेय में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी, बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ योजना के तहत 10 हजार से अधिक ग्राम पंचायतों पर पौधारोपण जैसे कार्य किए गए हैं।

इस दौरान मुख्यमंत्री ने अतंरराष्ट्रीय शूटिंग महिला खिलाड़ी मानिनी कौशिक तथा पर्वतारोही आशा को 25 बीघा कृषि भूमि का आवंटन पत्र सौंपा। मुख्यमंत्री ने पन्नाधाय सुरक्षा एवं सम्मान योजना के तहत बेटी बचाओ–बेटी पढ़ाओ, मुख्यमंत्री नारी शक्ति उद्यम प्रोत्साहन, सेनिटरी नैपकिन उत्पादन में सर्वश्रेष्ठ स्वयं सहायता समूह, सर्वश्रेष्ठ महिला एवं बाल विकास कर्मी सहित विभिन्न श्रेणियों में राज्य स्तरीय पुरस्कार वितरित किए। इससे पहले मुख्यमंत्री महिला एवं बाल विकास विभाग द्वारा आयोजित प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

वर्ष 2025 की प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ

5 लाख से अधिक प्रकरणों का आपसी समझाइश से होगा निस्तारण

जयपुर,08 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान उच्च न्यायालय के न्यायाधिपति एवं राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के कार्यकारी अध्यक्ष इन्द्रजीत सिंह ने शनिवार को राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर पीठ परिसर में वर्ष 2025 की प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत का शुभारंभ किया। शुभारंभ समारोह को संबोधित करते हुए न्यायाधिपति सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत के माध्यम से आपसी समझाइश द्वारा लंबित प्रकरणों के निस्तारण की मूल भावना को साकार किया जाता है। जिससे पक्षकारों के समय की बचत के साथ–साथ उनके मध्य वैमनस्य का भाव भी समाप्त होता है।

न्यायाधिपति सिंह ने कहा कि राजस्थान उच्च न्यायालय, जयपुर पीठ में आयोजित प्रथम राष्ट्रीय लोक अदालत में लंबित प्रकरणों सहित प्री–लिटिगेशन स्तर तक के समस्त प्रकरणों का आपसी समझाइश से निस्तारण किया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रकरणों की सुनवाई ऑनलाइन व ऑफलाइन माध्यमों से की जाएगी।

राजस्थान राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के सदस्य सचिव हरि ओम अत्रि ने बताया कि जन सामान्य के द्वारा अपने प्रकरणों को राजीनामे के माध्यम से निपटाने हेतु प्रकरण राष्ट्रीय लोक अदालत में रखवाए जाएंगे। इन प्रकरणों की सुनवाई हेतु अधीनस्थ न्यायालयों की कुल 468 बैंचों का गठन किया गया। श्री अत्रि ने बताया कि 24 फरवरी तक इन बैंचों में 3 लाख 39 हजार 344 प्री–लिटिगेशन तथा न्यायालयों में लम्बित 2 लाख 8 हजार 605 प्रकरणों सहित कुल 5 लाख 47 हजार 949 प्रकरणों की सुनवाई की जाएगी।

अत्रि ने बताया कि राष्ट्रीय लोक अदालत के प्रति आमजन एवं पक्षकारों में काफी उत्साह है। पक्षकार स्वयं आगे बढ़कर अपने मामलों को लोक अदालत में लगवाने के लिए आ रहे हैं।

एसीबी ने भ्रष्टाचार के आरोपी को किया गिरफ्तार

झज्जर,08 मार्च (एजेंसियां)। एसीबी की रोहतक टीम ने भ्रष्टाचार के एक मुकदमे में आरोपी ताराचन्द निवासी बहादुरगढ़ जिला झज्जर को गिरफ्तार किया है। आरोपी को न्यायालय एसीजेएम सोनीपत में पेश किया गया जहां से कोर्ट आदेश के तहत आरोपी ताराचन्द को जिला जेल सोनीपत में बन्द करवाया गया है। प्रकरण के मुताबिक मामला यह था कि वर्ष 1966 में मदनमोहन निवासी अमृतसर (पंजाब) ने रामनाथ वगैरा निवासी गाँव राठधाना जिला सोनीपत से लगभग 12 एकड जमीन खरीद की गई तथा इस जमीन का इन्द्राज राजस्व रिकार्ड में वसीका नम्बर 2017 दिनांक 7 फरवरी 1966 और इंतकाल नम्बर 774, 775 दिनांक 25.05.1970 अनुसार हुआ। इसके बाद 28.05.1994 को इस जमीन के असल मालिक मदन मोहन की मृत्यु उपरांत इस जमीन का इंतकाल नंबर 2524 दिनांक 28.03.2006 को विरासत के आधार पर मदन मोहन की पत्नी संतोष व मदन मोहन के बेटे नरेन्द्र के नाम राजस्व रिकार्ड में पंजीकृत हुआ।

वर्ष 1982 से मदन मोहन द्वारा खरीद की गई उपरोक्त जमीन पर उमेद सिंह द्वारा पट्टे के आधार पर खेती की गई तथा उमेद सिंह की मृत्यु उपरान्त वर्ष 2012 के बाद उमेद के पुत्र दीपक द्वारा इस जमीन पर खेती की गई। उपरोक्त जमीन पर बार–बार कोई व्यक्ति अपने आप को मदन मोहन का वारिस बताकर व स्वयं मदन मोहन बनकर फर्जी वसीयतनामा के आधार इस जमीन पर अपना हक साबित करने के लिए खडा होता रहा है तथा राजस्व रिकार्ड अनुसार इस विवादित जमीन के 5 बार इंतकाल अलग–अलग समय में राजस्व रिकार्ड में दर्ज भी हुए है।

अवैध खनन: खनिज वाहनों के ई रवन्ना बिल की हरियाणा सरकार कर रही मॉनिटरिंग

फरीदाबाद,08 मार्च (एजेंसियां)। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी प्रदेश में आधारभूत ढांचागत विकास कराने के साथ ही सरकारी नियमों की अनुपालना प्रभावी ढंग से सुनिश्चित हो, इस पर विशेष फोकस कर रहे हैं। सरकारी योजनाओं को धरातल पर लागू करने के साथ ही योजनाओं के क्रियान्वयन पर भी हरियाणा सरकार विशेष ध्यान केंद्रित कर रही है। हरियाणा सरकार खनन विभाग के माध्यम से राज्य में खनिज संसाधनों के अंवेषण, विकास और प्रबंधन को कवर कर रही है। खनन विभाग के महानिदेशक के.एम.पांडुरंग का कहना है कि अवैध खनन को रोकने के लिए हरियाणा सरकार प्रतिबद्ध है और संबंधित अधिकारियों को नियमित मॉनिटरिंग करने के आदेश दिए गए हैं। अवैध खनन को रोकने व बिना ई रवाना बिल के खनिज वाहनों के संचालन पर हरियाणा सरकार की पारखी नजर है ओर नियमों की अवहेलना करने वालों पर तत्परता से कार्रवाई की जा रही है। जिला खनन अधिकारी कमलेश बिधलान ने बताया कि विभाग के महानिदेशक के.एम.पांडुरंग के आदेशानुसार व डीसी विक्रम सिंह की देखरेख में जनवरी माह से अवैध खनन को रोकने व बिना ई रवाना बिल के खनिज वाहनों के संचालन पर सख्त कदम उठाए हैं।

महिला सहायक उप निरीक्षक रिश्वत लेते हुए रंगे हाथों गिरफ्तार

पलवल,08 मार्च (एजेंसियां)। एसीबी फरीदाबाद की टीम ने महिला थाना पलवल की महिला सहायक उप निरीक्षक जगवती को 20,000/–रूपए नकद बतौर रिश्वत राशि सहित रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। एसीबी के प्रवक्ता ने बताया कि शिकायतकर्ता मनोज कुमार निवासी गांव कमरावली, जिला पलवल ने एसीबी को दी गई अपनी शिकायत में आरोप लगाया है कि उसके दोस्त बनवारी के साले रोहताश व उसके परिवार के सदस्यों के विरूद्ध रोहताश की घरवाली शीतल द्वारा मुकदमा न. 214/2024 महिला थाना, पलवल में दर्ज करवाया है। इस अभियोग की तफतीशी अधिकारी महिला सहायक उप निरीक्षक जगवती द्वारा की जा रही है। महिला सहायक उप निरीक्षक जगवती इस अभियोग से रोहताश का नाम छोडकर अन्य परिवार के सदस्यो का नाम अभियोग से निकालने की एवज में उससे एसएचओ के नाम से 20,000/–रूपए नकद बतौर रिश्वत राशि मांग रही है। इसके अतिरिक्त इस प्रकरण में महिला सहायक उप निरीक्षक जगवती द्वारा उससे पहले भी 1,00, 000/–रूपए बतौर रिश्वत ले चुकी है। इस शिकायत पर एसीबी फरीदाबाद की टीम द्वारा कार्यवाही करते हुए उपरोक्त आरोपी महिला सहायक उप निरीक्षक जगवती को शिकायतकर्ता मनोज कुमार से 20,000/–रूपए नकद बतौर रिश्वत लेते हुए अलावलपुर चौक, पलवल से रंगे हाथों गिरफ्तार किया है।

शुभ लाभ DAILY
खबरें जो सोच बदल दे

शादी के मंडप में दूल्हा हुआ बेहोश

दरभंगा (एजेंसियां)।

दरभंगा जिले के कमतौल थाना क्षेत्र के एक गांव में बीती रात एक शादी समारोह के दौरान चौंकाने वाली घटना घटी, जिसने पूरे इलाके में चर्चा का माहौल बना दिया। शादी की सभी रस्में धूमधाम से निभाई जा रही थीं, बारात का भव्य स्वागत किया गया और वर-वधु ने एक-दूसरे को वरमाला भी पहनाई। लेकिन जैसे ही शादी की अगली रस्मों के लिए दूल्हे को मंडप में लाया गया, अचानक माहौल बदल गया।

शादी की रस्में निभाई जा रही थीं कि तभी दूल्हा अचानक बेहोश होकर गिर पड़ा। यह देख वहां मौजूद सभी लोग हैरान रह गए। शादी के मंडप में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। दूल्हे को तुरंत होश में लाने की कोशिश की गई, लेकिन दुल्हन ने इस घटना के बाद शादी से साफ इनकार कर दिया।

दुल्हन के इस फैसले से वर और वधू पक्ष के लोग सकते में आ गए। दोनों पक्षों के लोगों ने उसे समझाने की बहुत कोशिश की, लेकिन दुल्हन ने किसी भी परिस्थिति में शादी करने से मना कर दिया। परिवार वालों की आरजू-विनती का भी उस पर कोई असर नहीं हुआ और अंततः बिना शादी किए ही बारात को वापस लौटना पड़ा।

तेज रफ्तार बाइक ने बुजुर्ग महिला को मारी टक्कर, इलाज के दौरान मौत

मुंगेर (एजेंसियां)।

मुंगेर जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसे में बुजुर्ग महिला की जान चली गई।

घटना सफिया सराय थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर के पास की है, जहां सड़क पार करने के दौरान एक तेज रफ्तार मोटरसाइकिल ने बुजुर्ग महिला को जोरदार टक्कर मार दी। घायल अवस्था में महिला को अस्पताल में भर्ती कराया गया, लेकिन इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। मृतका की पहचान 60 वर्षीय राबिया खातून के रूप में हुई है।

दुर्घटना के बाद मृतका के परिजन और स्थानीय ग्रामीण शोक में डूब गए। परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। आक्रोशित ग्रामीणों ने मुआवजे की मांग को लेकर राष्ट्रीय राजमार्ग को जाम करने की योजना बनाई, लेकिन पूर्व मुखिया प्रतिनिधि जमाल मलिक उर्फ बबलू मलिक के हस्तक्षेप के बाद मामला शांत हुआ। उन्होंने समझा-बुझा कर लोगों को शांत किया और तुरंत पुलिस को सूचना दी।

सड़क हादसा में बच्चे की मौत, तीन लोग गंभीर घायल

मुजफ्फरपुर (एजेंसियां)।

मुजफ्फरपुर जिले में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ, जिसमें एक मासूम बच्चे की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। यह घटना ब्रह्मपुरा थाना क्षेत्र के चांदनी चौक एनएच-28 पर हुई। जहां ओवरटेक करने के दौरान तेज रफ्तार ट्रक ने एक ऑटो को जोरदार टक्कर मार दी। दुर्घटना इतनी भयानक थी कि ऑटो के परखच्चे उड़ गए और सड़क पर अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

चश्मदीदों के अनुसार, कांटी की ओर से तेज गति में आ रहा एक ट्रक ऑटो को ओवरटेक करने की कोशिश कर रहा था। इसी दौरान ट्रक ने ऑटो में सीधी टक्कर मार दी, जिससे ऑटो पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया और उसमें सवार लोग सड़क पर गिर गए। घटना के तुरंत बाद स्थानीय लोग मदद के लिए दौड़ पड़े और घायलों को अस्पताल पहुंचाने का प्रयास किया।

सीएम नीतीश ने लालू-राबड़ी राज की दिलाई याद, कहा...

2005 से पहले महिलाओं के लिए कोई काम नहीं हुआ

पटना (एजेंसियां)।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर जनता दल यूनाईटेड के कार्यालय पहुंचे। यहां पर उन्होंने पार्टी की महिला कार्यकर्ता और नेत्रियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी। सीएम नीतीश कुमार ने अपने संबोधन में कहा कि किसी भी राज्य या देश के विकास में महिलाओं का योगदान बेहद महत्वपूर्ण है। महिलाओं के सशक्तीकरण तथा उनकी सुरक्षा, शिक्षा एवं सामाजिक तथा आर्थिक विकास हेतु राज्य सरकार निरंतर प्रयत्नशील है। अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस के अवसर पर हम सभी को संकल्प लेना चाहिए कि महिलाओं के उत्थान के प्रति सदैव प्रयत्नशील रहें ताकि उनका सामाजिक एवं आर्थिक विकास हो सके और उन्हें एक सुरक्षित और बेहतर वातावरण मिल सके।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार बिहार में महिलाओं के सशक्तीकरण की दिशा में किए गए प्रयासों को

साझा किया। उन्होंने कहा कि बिहार में महिलाओं को आगे बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि उन्हें यह बताने की जरूरत नहीं है कि उन्होंने महिलाओं के लिए क्या किया है, क्योंकि बिहार में महिलाएं अब हर क्षेत्र में अग्रणी हैं। मुख्यमंत्री ने खास तौर पर जीविका दीदियों का उल्लेख करते हुए कहा कि वे आज गांव-गांव में महिलाओं को आत्मनिर्भर बना रही हैं। इसके अलावा, बिहार में महिलाओं की सुरक्षा और उनकी भागीदारी को लेकर भी कई बदलाव हुए हैं। उन्होंने बताया कि आज बिहार में महिला पुलिसकर्मियों की संख्या सबसे अधिक है और महिलाएं आज कहीं भी बेखौफ होकर रात को भी सड़कों पर चल सकती हैं।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार लालू-राबड़ी राज पर निशाना साधते हुए कहा कि 2005 से पहले महिलाओं के लिए कोई काम नहीं हुआ था, न ही उनके उत्थान के लिए किसी ने गंभीरता से सोचा था। तब महिलाएं घर से बाहर भी नहीं निकल पाती थीं, लेकिन अब माहौल पूरी तरह से बदल चुका है। महिलाएं अब राज्य के विकास में पूरी तरह से अपना योगदान दे रही हैं। उन्होंने राज्य सरकार द्वारा महिलाओं को दी गई सरकारी सेवाओं में 35 प्रतिशत आरक्षण और पंचायतों तथा नगर निकायों में 50 प्रतिशत आरक्षण की बात भी की। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस बदलाव का सबसे बड़ा उदाहरण भारती मेहता हैं, जिन्हें पार्टी ने अध्यक्ष बनाया है और उनसे अपेक्षा की है कि वे महिलाओं को और आगे बढ़ाने में मदद करें। मुख्यमंत्री का यह संदेश स्पष्ट था कि बिहार सरकार महिलाओं के सशक्तीकरण के लिए लगातार प्रयासरत है और इस दिशा में काम करने के लिए न केवल योजनाएं बनाई जा रही हैं, बल्कि महिलाओं को हर स्तर पर सम्मान और अधिकार दिया जा रहा है। सरकार ने पिछले कुछ वर्षों में महिलाओं के उत्थान के लिए कई महत्वपूर्ण कदम उठाए हैं।

जिला परिवहन पदाधिकारी के ठिकानों पर छापेमारी

अचानक पहुंची एसवीयू की टीम

नालंदा (एजेंसियां)।

नालंदा के डीटीओ (जिला परिवहन पदाधिकारी) अनिल कुमार दास के खिलाफ स्पेशल विजिलेंस यूनिट (एसवीयू) ने बड़ी कार्रवाई की है। एसवीयू की छह सदस्यीय टीम ने बिहार शरीफ स्थित डीटीओ के किराए के मकान में छापेमारी की। सुबह करीब छह से सात बजे के बीच एसवीयू की टीम दो गाड़ियों में बिहार शरीफ के उस मकान के पास पहुंची, जहां अनिल कुमार दास किराए पर रह रहे हैं। मकान मालिक द्वारा दरवाजा खोले जाने के बाद टीम ने बिना किसी हंगामे के कार्रवाई शुरू की। फ्लैट को पूरी तरह से बंद कर दिया गया है, और मीडिया को अंदर जाने की अनुमति नहीं दी गई है।

इस रेड के संबंध में फिलहाल कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, और यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि एसवीयू ने छापेमारी किस उद्देश्य से की है। सूत्रों के अनुसार, यह कार्रवाई अनिल कुमार दास के खिलाफ किसी भ्रष्टाचार या अन्य अनियमितताओं से जुड़ी हो सकती है। अभी तक यह भी नहीं बताया गया है कि इस छापेमारी के दौरान क्या सामान बरामद हुआ है? हालांकि, एसवीयू द्वारा की जा रही कार्रवाई को लेकर स्थानीय स्तर पर चर्चाएं तेज हो गई हैं। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि मामले की गहन जांच की जा रही है, और जल्द ही अधिक जानकारी साझा की जाएगी। इस समय नालंदा और बिहार शरीफ में यह घटना चर्चा का विषय बन चुकी है, और पूरे मामले पर मीडिया की नजरें बनी हुई हैं।

पंचायत रोजगार सेवक रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार, निगरानी विभाग की टीम ने की कार्रवाई

गया (एजेंसियां)।

बिहार में निगरानी विभाग की टीम ने पंचायत रोजगार सेवक को रिश्वत लेते रंगेहाथ गिरफ्तार किया है। पंचायत रोजगार सेवक की गिरफ्तारी के बाद पूरे इलाके में चर्चा का विषय बना हुआ है। यह पूरा मामला गया जिले के इमामगंज प्रखंड की है। गिरफ्तार पंचायत रोजगार सेवक की पहचान रजनीकांत राय के रूप में हुई है।

इस मामले में पुलिस का कहना है कि गया जिले के इमामगंज प्रखंड में निगरानी विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए शुक्रवार की शाम मल्हारी पंचायत के पंचायत रोजगार सेवक रजनीकांत राय को दस हजार रुपया रिश्वत लेते रंगे हाथों गिरफ्तार किया है। पंचायत रोजगार सेवक सिद्धपुर पंचायत के भी चार्ज में थे।

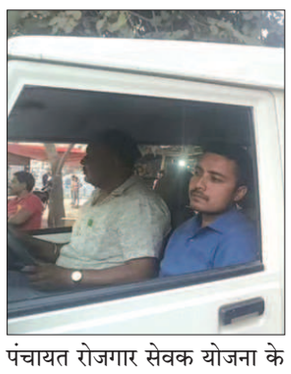

पंचायत रोजगार सेवक योजना के तहत लाभार्थियों से जीरो टैग करने में पैसे की मांग कर रहे थे, जिसके बाद रंजीत यादव एवं अमित यादव नामक दो लोगों ने निगरानी विभाग शिकायत की थी। शिकायत के बाद निगरानी विभाग की टीम ने जाल बिछाकर आर-ोपी को पैसे लेते रंगेहाथ पकड़ लिया।

इस मामले में प्रोग्राम अफसर राकेश रंजन ने बताया कि निगरानी विभाग की तरफ से फोन आया था। बताया गया कि पंचायत रोजगार सेवक रजनीकांत राय दस हजार रुपए रिश्वत लेते गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार आरोपियों को निगरानी टीम अपने साथ पटना ले गई। वही ग्रामीणों का कहना है कि उक्त पंचायत रोजगार सेवक पूरी तरह भ्रष्टाचार में डूबा हुआ था। खुलेआम रुपयों की मांग किया करता था। इस कार्रवाई के बाद अन्य भ्रष्ट अधिकारियों और कर्मचारियों में हड़कंप मच गया है।

निगरानी विभाग की टीम के द्वारा की गई कार्रवाई के संबंध में स्थानीय लोगों का कहना है कि इमामगंज अंचल में पूर्व में भी नाजीर अजित कुमार सिंह को निगरानी विभाग की टीम ने रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार किया था।

पटना पुलिस पर शराब तस्करों ने किया हमला दो दरोगा समेत पांच पुलिसकर्मी घायल

पटना (एजेंसियां)।

राजधानी पटना में एक बार फिर से शराब माफियाओं का आतंक देखने को मिला है। रानी तलाब थाना क्षेत्र के राघोपुर मुसहरी गांव में अवैध शराब के खिलाफ कार्रवाई करने पहुंचे पुलिसकर्मियों पर शराब तस्करों ने हमला कर दिया। इस हमले में दो एसआई और तीन सिपाही घायल हो गए हैं। सभी घायलों को इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। घायलों में अपर थाना प्रभारी शिव शंकर कुमार, एसआई मदन झा, एएसआई शिव कुमार राम और अन्य पुलिसकर्मी शामिल हैं। घटना के संबंध में पुलिस ने बताया कि उन्हें गुप्त सूचना मिली थी कि राघोपुर मुसहरी गांव में अवैध शराब बेचा

जा रहा है। सूचना मिलते ही रानी तलाब थाना के प्रभारी प्रमोद कुमार ने दो एसआई और एक एएसआई सहित कई पुलिसकर्मियों को उस स्थान पर भेजा।

बताया जा रहा है कि पुलिस जब गांव में पहुंची, तो घात लगाए शराब तस्करों ने उन पर ईट-पत्थर से हमला कर दिया। हमले में दोनों एसआई, एएसआई और कुछ सिपाही घायल हो गए। इतना ही नहीं, शराब तस्करों ने पुलिस की जीपों को भी निशाना बनाया और उन्हें क्षतिग्रस्त कर दिया। हमले के बाद, सभी पुलिसकर्मी अपनी जान बचाकर मौके से भागने में सफल हुए। घटना की जानकारी मिलने के बाद विक्रम थाना और दुल्हन बाजार थाना की पुलिस भी मौके पर पहुंची और तस्करों के खिलाफ छापेमारी शुरू की।

रानी तलाब थाना प्रभारी प्रमोद कुमार ने इस मामले में एक युवक को हिरासत में लेने की पुष्टि की और कहा कि इस घटना में शामिल अन्य लोगों की तलाश की जा रही है। उन्होंने यह भी बताया कि फुटेज के आधार पर जो भी दोषी पाए जाएंगे, उनके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस का कहना है कि इस मामले में पुलिस की कार्रवाई जारी है और जल्द ही दोषियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

श्रीश्री रवि शंकर ने लिया गजनवी का नाम

जिस शिवलिंग के किये थे टुकड़े आज उससे हो रही इच्छा पूरी

पटना (एजेंसियां)।

श्रीश्री रवि शंकर के बिहार पहुंचने के बाद उनके स्वागत में पटना के गांधी मैदान में उनका भव्य स्वागत किया गया। इस दौरान एशिया वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्ड्स ने 1000 से अधिक महिलाओं ने एक साथ झिझिया नृत्य प्रस्तुत करने पर एक ऐतिहासिक वर्ल्ड रिकॉर्ड के रूप में दर्ज किया। इस मौके पर श्री श्री रवि शंकर के साथ-साथ उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी, उपमुख्यमंत्री विजय सिन्हा, मंत्री प्रेम कुमार और भाजपा के अन्य नेता भी उपस्थित थे।

इस मौके पर कार्यक्रम के दौरान श्रीश्री रवि शंकर ने महिलाओं से कहा कि आपकी प्रस्तुति ने सभी का दिल छू लिया। उन्होंने आगे कहा कि बिहार मखाना, मधुरता और पवित्रता का स्थान है। उन्होंने युवाओं के कौशल विकास की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा

कि बिहार में हर युवा को रोज-गार मिलेगा और इसके लिए विशेष योजनाएं बनाई जाएंगी।

श्रीश्री रवि शंकर ने एक ऐतिहासिक उदाहरण देते हुए बताया कि गजनवी ने शिवलिंग के टुकड़े किए थे और कैसे उन्हें अग्निहोत्री लोगों ने दक्षिण भारत में सुरक्षित रखा। उन्होंने यह भी कहा कि इस शिवलिंग को भारत के स्वतंत्रता संग्राम के बाद निकाला गया, और आज वह सोमनाथ में पधार चुका है, जो सबकी इच्छाओं को पूरा करता है। उन्होंने कहा कि इससे पहले आपलोग सत्व ऐप' डाउनलोड कीजिये, जो आपके स्वास्थ्य और तंदुरुस्ती के लिए अध्यात्मिक मार्गदर्शन प्रदान करेगा।

इस अवसर पर श्रीश्री रवि शंकर के साथ विभिन्न प्रमुख विश्वविद्यालयों ने समझौता ज्ञापन साइन किया। इन विश्वविद्यालयों में पटना का आईआईटी, चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, एमिटी विश्वविद्यालय, चाणक्य लॉ विश्वविद्यालय, और शामिल हैं। यह समझौते युवाओं के कौशल विकास को लेकर महत्वपूर्ण कदम साबित होंगे। कला और संस्कृति विभाग ने इस आयोजन के लिए 40 लाख रुपये का अनुदान दिया। श्रीश्री रवि शंकर ने इस आयोजन को एक नई दिशा की ओर इशारा करते हुए कहा कि युवाओं को कौशल, रोजगार और आत्मनिर्भरता के अवसर मिलने चाहिए। इस आयोजन ने न केवल बिहार की सांस्कृतिक धरोहर को बल दिया, बल्कि राज्य के युव-ाओं के उज्जवल भविष्य के लिए नई संभावनाएं भी खोलीं।

महिला दिवस पर तेजस्वी की हुंकार, बोले-

माई बहिन की बदौलत बिहार में लाएंगे नई सरकार

पटना (एजेंसियां)।

नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव ने बिहार में महिल-ाओं की स्थिति को लेकर बड़ा बयान दिया है। उन्होंने कहा कि बिहार की महिलाएं ही राज्य की असली ताकत हैं, क्योंकि 'हर महिला बिहार की बेटी, बहन और माँ है। तेजस्वी ने कहा, आप हैं तो बिहार है' और अपने आप को बिहार की महिलाओं की सेवा में समर्पित करने का वादा किया। तेजस्वी यादव ने पृथ्वी पर तीन शक्तियों का जिक्र करते हुए कहा, 'परमात्मा, प्रकृति और माँ', इन तीनों का सामूहिक रूप से सृष्टि को चलाने में महत्वपूर्ण योगदान है। उन्होंने महिलाओं के सम्मान में कहा कि नारी को 'नारायणी' कहा जाता है और उनका कर्ज जीवन भर भी चुकाया नहीं जा सकता। तेजस्वी ने बिहार की महिलाओं के लिए 'बेटी प्रोग्राम' की भी घोषणा की, जिसका उद्देश्य उन्हें शिक्षा, प्रशिक्षण और रोजगार के बेहतर

अवसर प्रदान करना है।

तेजस्वी यादव ने यह भी संकल्प लिया कि अगर उनकी सरकार बनी तो वे बिहार की महिलाओं की सभी चिंताओं और दुखों को जड़ से खत्म करने के लिए हर संभव कदम उठाएंगे। झारखंड का उदाहरण देते हुए उन्होंने कहा कि वहां की सरकार बनने के बाद एक महीने के अंदर ही महिलाओं को वित्तीय सहायता मिलने लगी थी। बिहार में भी ऐसी योजनाओं को लागू करने का उनका वादा है। उन्होंने माई बहिन मान योजना की घोषणा की, जिसके तहत महिलाओं को 2500 रुपये प्रति माह दिए जाने का प्रस्ताव रखा।

तेजस्वी यादव ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार पर निशाना साधते हुए कहा कि नीतीश जी के गृह जिले नालंदा में एक महिला की निर्मम हत्या कर दी गई, लेकिन मुख्यमंत्री ने इस गंभीर मामले में कोई ठोस कदम नहीं उठाया। उन्होंने नीतीश कुमार के हालिया बयानों की आलोचना करते हुए कहा, 'उनकी भाषा और बर्ताव अशोभनीय था, जिसे मैं कड़ी निंदा करता हूं।' तेजस्वी यादव ने आरोप लगाया कि नीतीश कुमार के 20 वर्षों के शासन में महिल-ाओं के लिए कुछ नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि बिहार में सरकारी कार्यालयों में बिना घूस के कोई काम नहीं होता, और यह नीतीश कुमार की सरकार की असफलता को दर्शाता है। तेजस्वी ने कहा कि उनकी पार्टी और वे मिलकर बिहार को एक नया और सशक्त रूप देंगे, जहां महिलाओं का सम्मान और उनके अधिकारों की पूरी सुरक्षा होगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्टीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com